राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई,उतरप्रदेश,बिहार,राजस्थान,मध्यप्रदेश,उतरांचल,उतराखंड,दिल्ली,हरियाणा में प्रसारीत

सुरत-गुजरात, संस्करण गुरुवार,25 जुन2020 वर्ष-2, अंक -112 पृष्ठ-08 मूल्य-01रूपये

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

11 घंटे की बात पर चीन ने रखा अपना पक्ष, फिर चुप क्यों है मोदीसरकार : ओवैसी

हैदराबाद(एजेंसी)। भारत और चीन के बीच जारी विवाद को खत्म करने के लिए दोनों देशों की सेनाएं लगातार बात कर रही हैं। सोमवार को दोनों देशों के सेनाओं के बीच कॉर्प्स कमांडर लेवल की बात हुई, जो करीब 11 घंटे तक चली।

एआईएमआईएम प्रमुख और हैदराबाद से सांसद असदुद्दीन ओवैसी ने अब सरकार से सवाल किया कि सरकार इस बातचीत की जानकारी क्यों नहीं दे रही।

ओवैसी ने ट्वीट किया कि 11 घंटे तक कॉर्प्स कमांडर की बात चली,

लेकिन क्या भाजपा सरकार ने इसके बारे में कुछ कहा है?

चीन के विदेश मंत्रालय ने इसको लेकर बयान जारी कर दिया है।

ओवैसी ने पूछा कि फिर मोदी सरकार इस मुद्दे पर बयान देने में किस बात का इंतजार कर रही है। उसे भी अपना पक्ष रखना चाहिए। आखिर सरकार जनता से क्या छुपाना चाह रही है।

बता दें कि इससे पहले भी असदुद्दीन ओवैसी लगातार सरकार से मांग करते रहे हैं कि बॉर्डर पर जो भी चल रहा है उसकी स्पष्ट जानकारी देश को देनी चाहिए। उल्लेखनीय है कि गलवान घाटी में बीते हफ्ते दोनों देशों की सेनाओं के बीच हिंसक झड़प हुई थी, जिसमें भारतीय सेना के 20 जवान शहीद हो गए थे। इसी के बाद से दोनों देशों में तनाव बरकरार है और शांति स्थापित करने की कोशिशें की जा रही हैं।

सोमवार को इसी कड़ी में फिर दोनों सेनाओं के अफसर बैठे थे, ये चर्चा 11 घंटे से भी अधिक देर तक चली थी। माना जा रहा है कि दोनों देशों के बीच सेनाओं को पीछे हटाने पर सहमति बन चुकी है, भारत चीन के सामने मांग रखता रहा है कि अप्रैल से पहले की स्थिति लागू होनी चाहिए। हालांकि, 15 जून से पहले भी चीन ने वादा किया था कि वह अपनी सेना को पीछे हटाएगा, लेकिन इस बार वह कितना अपनी बात पर खरा उतरता है यह देखना होगा।

सर्दियों में दिल्ली की हवा में 35 तत्वों का काकटेल

नई दिल्ली। सर्दियों में दिल्ली एनसीआर की हवा में जहरीले धूलकण डेरा जमा लेते हैं। इस बार हो सकता है कि कोविड संकट के चलते इसमें थोड़ी कमी दिखे लेकिन यह गंभीर समस्या कई सालों से बनी हुई है तथा इसके स्थाई रुप से खत्म होने के आसार नहीं हैं। चिंताजनक बात यह है कि इन धूल कणों में 35 प्रकार के तत्व पाए गए हैं जिनकी ज्यादा मात्रा स्वास्थ्य के लिए घातक हैं। आईआईटी कानपुर के प्रोफेसर सच्चिदानंद त्रिपाठी की टीम द्वारा दिल्ली की हवा में घुले इन जहरीले तत्वों का अध्ययन किया गया। इसमें उन्होंने कुल 35 तत्वों की मौजूदगी की पुष्टि की है। इनमें आर्सेनिक, शीशा, पारा, टिन, कैडमियम, एलुमिनियम, सिलिकान, सल्फर, फास्फोरस, क्लोरीन, पोटेशियम, क्रोमियम, आयरन, कोबाल्ट, निकल, कापर आदि पाए गए हैं। इनकी मौजूदगी पीएम 10 और पीएम 2.5 दोनों में पाई गई है। शोधकर्ताओं ने 20 जनवरी से 11 मार्च 2018 तथा 15 जनवरी से 9 फरवरी 2019 के दौरान दिल्ली में आनलाइन मैटीरियल मानीटर के जरिये धूलकणों की रियल टाइम मानीटरिंग की। इससे हवा में घुले तत्वों तथा उनके स्रोत की पहचान की गई। लेड, क्रोमियम समेत कई तत्व तय सीमा से ज्यादा मात्रा में पाए गए। धूलकणों के कई स्रोत पाए गए। इनमें दिल्ली में परिवहन से लेकर अन्य गतिविधियों के कारण उत्पन्न होने वाले धूलकण तो हैं ही, उत्तर पश्चिम दिशा से पाकिस्तान, पंजाब तथा हरियाणा से धूलकण दिल्ली के आसमान में आ रहे हैं। इसकी पुष्टि पहले हो चुकी है।। लेकिन यह अध्ययन बताता है कि पूर्व की तरफ से उत्तर प्रदेश और नेपाल से भी प्रदूषण दिल्ली पहुंच कर आसमान में छा रहा है। उदाहरण के लिए दिल्ली की हवा में कापर मुरादाबाद से और लेड के कण नेपाल के बैटरी कारखानों से पहुंच रहे हैं। इस शोध में तीसरा महत्वपूर्ण बात यह पाई गई है कि सबसे ज्यादा दिल्ली की हवा में सुबह तीन बजे से आठ बजे के बीच धूलकणों की ज्यादा मौजूदगी पाई गई है।

पहली बार पेट्रोल से महंगा हुआ डीजल, लगातार 18वें दिन कीमतें बढ़ीं

नई दिल्ली

ये अमूमन वैसी खबर है जो आप कभी सोच नहीं सकते थे। जी हां, डीजल अब पेट्रोल से महंगा हो गया है। इतिहास में ये पहला मौका होगा जब एक लीटर डीजल की कीमत पेट्रोल से ज्यादा हो गई है। आज एक बार फिर तेल मार्केटिंग कंपनी ने कीमतों में इजाफा कर दिया है। कंपनियों ने 18वें दिन पेट्रोल की कीमतों में तो कोई बदलाव नहीं किया लेकिन डीजल के दामों में 48 पैसे की बढ़ोतरी की है।

दिल्ली में एक लीटर डीजल की कीमत पेट्रोल से ज्यादा

तेल मार्केटिंग कंपनियों द्वारा डीजल की कीमतों में बढ़ोतरी का असर ये हुआ है कि पहली बार ये पेट्रोल से महंगा हुआ है। पिछले दशकों से पेट्रोल की कीमतें डीजल की कीमतों से कहीं ज्यादा रही हैं। बुधवार को हुई बढ़ोतरी के बाद दिल्ली में एक लीटर डीजल की कीमत 79.88 रुपये हो गई है। जबकि पेट्रोल की कीमत 79.76 रुपये प्रति लीटर है। गौरतलब है कि जहां एक तरफ पिछले 15 दिनों से कच्चे तेल की कीमत 35-40 डॉलर प्रति बैरल के बीच है, वहीं दूसरी तरफ देश में पेट्रोल-डीजल की कीमतों में लगातार तेजी देखने को मिली है।

- बुधवार को हुई बढ़ोतरी के बाद दिल्ली में एक लीटर डीजल की कीमत 79.88 रुपये हो गई है। जबकि पेट्रोल की कीमत 79.76 रुपये प्रति लीटर है। गौरतलब है कि जहां एक तरफ पिछले 15 दिनों से कच्चे तेल की कीमत 35-40 डॉलर प्रति बैरल के बीच है,

18 दिनों में 10.25 रुपये महंगा हुआ पेट्रोल

जानकारों का कहना है कि तेल मार्केटिंग कंपनियों ने पिछले 18 दिनों में पेट्रोल की कीमतों में लगभग 8.50 रुपये का इजाफा किया है। वहीं डीजल पिछले 18 दिनों में 10.25 रुपये महंगा हुआ है।

हर दिन 6 बजे बदलती है कीमत

बता दें कि प्रति दिन सुबह छह बजे पेट्रोल और डीजल की कीमतों में बदलाव होता है। सुबह छह बजे से ही नए रेट लागू हो जाते हैं। पेट्रोल और डीजल के रेट में एक्साइज ड्यूटी, डीलर कमीशन और अन्य चीजें जोड़ने के बाद इसका दाम लगभग दोगुना हो जाता है।

दिल्ली में कोरोना ने तोड़े सभी रिकॉर्ड, पिछले 24 घंटे में सामने आए डरावने आंकड़े

शाह ने कहा कि कोविड-19 के रोगियों के लिए एक हजार बिस्तर का पूर्ण अस्पताल बनाया जा रहा है जिसमें 250 आईसीयू बिस्तर होंगे। उन्होंने कहा कि यह अस्पताल अगले दस दिनों में तैयार हो जाएगा और सशस्त्र बल इसे संचालित करेंगे।

नई दिल्ली। दिल्ली में कोविड-19 के रिकॉर्ड 3,947 नए मामले सामने आये, जिससे राष्ट्रीय राजधानी में मंगलवार को संक्रमण के मामलों की संख्या 66,000 के आंकड़े को पार कर गई, जबकि बीमारी के कारण अब तक 2,301 लोगों की मौत हो चुकी है। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। पिछले 24 घंटों में संक्रमण के कारण 68 मौतें हुई हैं।

कोरोना वायरस संक्रमण के कारण मरने वालों की संख्या बढ़कर 2,301 हो गई है और कुल मामलों की संख्या बढ़कर 66,602 हो गई है। दिल्ली में वर्तमान में 24,988 मरीजों का इलाज चल रहा है, जबकि 39,313 लोग ठीक हो चुके हैं।

दिल्ली में अगले सप्ताह तक 20 हजार बेड तैयार हो जाएंगे

केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि दिल्ली में अगले सप्ताह तक कोविड-19 रोगियों के लिये 20 हजार बिस्तर तैयार हो जाएंगे। शाह ने सिलसिलेवार ट्वीट करते हुए कहा कि कोरोना वायरस से संक्रमित लोगों के लिये 26 जून तक 20 हजार बिस्तर तैयार हो जाएंगे और 10 हजार बिस्तरों वाले केंद्र में कामकाज शुरू हो जाएगा।

शाह ने कहा कि कोविड-19 के रोगियों के लिए एक हजार बिस्तर का पूर्ण अस्पताल बनाया जा रहा है जिसमें 250 आईसीयू बिस्तर होंगे। उन्होंने कहा कि यह अस्पताल अगले दस दिनों में तैयार हो जाएगा और सशस्त्र बल इसे संचालित करेंगे। उन्होंने कहा, केजरीवाल जी, तीन दिन पहले हमारी बैठक में इस पर निर्णय किया जा चुका है और गृह मंत्रालय ने दिल्ली के राधा स्वामी सत्संग में दस हजार बिस्तर वाले कोविड देखभाल केंद्र को संचालित करने का काम आईटीबीपी को सौंप दिया है। काम तेजी से जारी है और केंद्र का बड़ा हिस्सा 26 जून तक शुरू हो जाएगा।

यूपी बोर्ड रिजल्ट जारी होने के बाद पहली बार छात्रों को मिलेगी डिजिटल हस्ताक्षर वाली मार्कशीट

प्रयागराज। यूपी बोर्ड 2020 की हाईस्कूल एवं इंटरमीडिएट परीक्षा में शामिल 50 लाख से अधिक छात्र-छात्राओं को पहली बार डिजिटल हस्ताक्षर वाली मार्कशीट देने जा रहा है। 27 जून को 12.30 बजे परिणाम घोषित होने के तुरंत बाद बोर्ड की आधिकारिक वेबसाइट पर रिजल्ट तो अपलोड कर दिया जाएगा। लेकिन सचिव नीना श्रीवास्तव के डिजिटल हस्ताक्षर वाली मार्कशीट अपलोड होने में दो-तीन का समय लगेगा। सूत्रों के अनुसार हर साल रिजल्ट के समय इंटरनेट से जो अंकपत्र बच्चों को मिलता है उसकी कोई कानूनी मान्यता नहीं होती। लेकिन डिजिटल हस्ताक्षर वाली मार्कशीट प्रवेश से लेकर नौकरी तक में मान्य होती है। यही कारण है कि पहले इंटरमीडिएट के बच्चों को ये विशेष रूप से तैयार अंकपत्र देने की तैयारी है ताकि उन्हें आगे स्नातक या अन्य प्रवेश में किसी तरह की परेशानी न हो। बाद में हाईस्कूल के बच्चों को उपलब्ध कराई जाएगी। इसे स्कूलों के माध्यम से बच्चों को देने पर विचार चल रहा है। ताकि प्रधानाचार्यों की जिम्मेदारी तय की जा सके।

प्रधानाचार्य बोर्ड की वेबसाइट से डिजिटल हस्ताक्षर वाली मार्कशीट डाउनलोड कर सोशल डिस्टेंसिंग का ध्यान रखते हुए उसे बच्चों को बांटेंगे। बाद में हालात सामान्य होने पर अंकपत्र सह प्रमाणपत्र छपवाकर पहले की तरह स्कूलों से

बंटवाया जाएगा। दरअसल कोरोना के कारण अंकपत्र सह प्रमाणपत्र छपवाने में भी परेशानी हो रही है। हर साल रिजल्ट घोषित होने के 15 दिन बाद बच्चों को स्कूलों के माध्यम से मार्कशीट उपलब्ध कराई जाती है। लेकिन इस बार बोर्ड की समयसीमा के अंदर अंकपत्र सह प्रमाणपत्र छपवाने में भी कठिनाई आ रही है। अब तक स्कूलों के खुलने की कोई तारीख भी तय नहीं हो सकी है।

कोरोना-मिसाल बना मुंबई का कपल, शादी पर क्वारंटीन सेंटर को दान किए 50 बेड

नई दिल्ली। कोरोना वायरस से देश और दुनिया बुरी तरह प्रभावित हैं। इस बीच भारत में राज्य सरकारें क्वारंटीन सेंटर और मरीजों के लिए बेड की कमी से जूझ रही हैं।ऐसे में महाराष्ट्र में मुंबई के वसई के एक दंपति लोगों के लिए मिसाल बन गए। दरअसल एरिक और मर्लिन ने अपनी शादी के दिन एक क्वारंटीन सेंटर को 50 बिस्तर दान किए। आम तौर पर लोग अपनी शादी में खाने पीने और सजावट में खूब पैसे खर्च करना पसंद करते हैं लेकिन एरिक और मर्लिन ने इसका एक हिस्सा इस नेक काम के लिए खर्च करने के फैसलाा किया। महाराष्ट्र सरकार ने कोरोना वायरस को फैलने से रोकने के लिए राज्य में सीआरपीसी की धारा 144 लागू की है जिसके

सबसे बुरी तरह से प्रभावित इटली में कारखाने बंद कर दिए गए हैं। इस महामारी के कारण दुनिया के करीब 35 मुल्कों ने बंद (लॉकडाउन) किया है, जिससे जनजीवन, यात्रा और कारोबार प्रभावित हुए है।

तहत सार्वजनिक स्थानों पर पांच से अधिक लोगों के एकत्र होने पर रोक है। राज्य में कोविड-19 से दो मरीजों की मौत हो चुकी है। मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे ने यह घोषणा करते हुए कहा कि सामाजिक दूरी को सुनिश्चित करने के लिए सोमवार से राज्य के शहरी क्षेत्रों में कदम उठाए जाएंगे।

भारत सहित दुनिया के कई देशों में कोरोना वायरस को फैलने से रोकने लिए रविवार (22 मार्च) को करीब एक अरब लोग घरों में बंद रहे। वहीं घातक संक्रमण से मरन वालों की तादाद बढ़कर 13, 000 के पार पहुंच गई है। सबसे बुरी तरह से प्रभावित इटली में कारखाने बंद कर दिए गए हैं। इस महामारी के कारण दुनिया के करीब 35 मुल्कों ने बंद (लॉकडाउन) किया है, जिससे जनजीवन, यात्रा और कारोबार प्रभावित हुए है। वहीं सरकारें सीमाएं बंद करने को लेकर जद्दोजहद कर रही हैं और वायरस की वजह से आर्थिक मंदी से बचने के लिए आपातकालीन उपायों में अरब डॉलर लगा रही हैं। दुनिया में तीन लाख से ज्यादा लोगों के संक्रमित में होने की पुष्टि हुई है।

कोशी, गंडक, कमला एवं अन्य नदियों में बाढ़ से बचाव के लिए तेजी से पूरे करें जरूरी निर्माण : नीतीश

-उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक में सीएम ने अफसरों को दिए निर्देश

पटना (एजेंसी)। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने कोशी, गंडक, कमला एवं अन्य नदियों पर प्रस्तावित कटाव निरोधक कार्यों की स्थिति एवं संभावित बाढ़ की पूर्व तैयारियों के संबंध में एक उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक की। कोशी, गंडक, कमला एवं अन्य नदियों पर प्रस्तावित कार्यों की स्थिति एवं संभावित बाढ़ से बचाव की पूर्व तैयारियों के संबंध में आयोजित बैठक में सीएम नीतीश कुमार ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि बाकी बचे काम तेजी से पूरे किए जाएं, ताकि संभावित विपदा से बचा जा सके।

मुख्यमंत्री ने जल संसाधन विभाग के अधिकारियों से कहा कि इन नदियों सहित अन्य नदी बेसिन एवं सीमावर्ती क्षेत्रों में तथा पिछली बार जहां कटाव हुआ था, उन स्थलों पर सुरक्षा के लिए बाढ़ सुरक्षात्मक कार्यों का कार्यान्वयन पूरी तत्परता से करें। उन्होंने कहा कि बाढ़ सुरक्षा से संबंधित सभी लंबित योजनाओं को पूर्ण करने के लिए नेपाल के भी संबंधित अधिकारियों के साथ समन्वय स्थापित कर कार्य को शीघ्र पूरा करें।

मुख्यमंत्री ने बताया कि कमला बलान तटबंध की मजबूती के लिए तटबंधों में स्टील सीट पायलिंग की जा रही है। इस तरह का प्रयोग बिहार में पहली बार हो रहा है, इससे तटबंध को मजबूती मिलेगी। उन्होंने कहा कि संभावित बाढ़ को देखते हुए ललबेकिया दायां मार्जिनल बांध एवं कमला वियर के बाएं एवं दाएं गाईड-मार्जिनल बांध पर बाढ़ संघर्षात्मक सामग्रियों का भंडारण पर्याप्त मात्रा में रखें। जल संसाधन विभाग के सचिव संजीव हंस के कोशी, गंडक, कमला एवं अन्य नदियों पर प्रस्तावित कार्यों की अद्यतन स्थिति को लेकर प्रस्तुतीकरण के दौरान बताया कि कमला वियर के बाएं एवं दाएं गाईड बांध का ब्रीच क्लोजर अथवा सुरक्षात्मक कार्य अभी अपूर्ण है।

मुख्यमंत्री ने निर्देश दिया कि संबंधित अधिकारियों के साथ समन्वय स्थापित कर कार्य को शीघ्र पूर्ण करें। उन्होंने कहा वाल्मिकीनगर स्थित गंडक बराज का लगातार निरीक्षण किया जाय। अगर बराज के किसी गेट में कोई समस्या हो तो उसे तुरंत ठीक किया जाए। निरीक्षण कार्य में लगे सभी अधिकारी एवं अभियंता इंजीनियर सतर्क रहें। अधिकारियों को इसके लिए प्रशिक्षित भी किया जाए। जल संसाधन विभाग के अधिकारियों ने बताया कि पूर्वी चम्पारण के बेलवा धार में एंटी फ्लड स्लुईस गेट निर्माण का कार्य चल रहा है। इस पर मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने निर्देश दिए कि यह कार्य शीघ्र पूरा किया जाए।

उन्होंने कहा कि संचार व्यवस्था और सुदृढ़ रखें ताकि बाढ़ की स्थिति में तेजी से लोगों को सावधान किया जा सके और जरूरी सहायता उपलब्ध कराई जा सके। मुख्यमंत्री ने कहा कि संभावित बाढ़ से बचाव की सारी तैयारियां पूर्व से ही रखें। बाढ़ की स्थिति में लोगों को राहत पहुंचाने के लिए जो भी कार्य किए जाने हैं,

क्रांति समय
SURESH MAURYA
(Chief Editor)
M. 98791 41480
YouTube Facebook Twitter G+ Google Play LinkedIn
Working. off.: STPI-SURAT, GUJARAT-395023
(Software Technology Park of India, Surat.
www.krantisamay.com
www.krantisamay.in
krantisamay@gmail.com

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संपादकीय

समझदारी की उम्मीद

वास्तविक नियंत्रण रेखा पर चीनी सीमा के मोल्डी इलाके में हुई वरिष्ठ सैन्य अधिकारियों की बैठक का नतीजा न सिर्फ दोनों देशों के अरबों नागरिकों के लिए, बल्कि पूरे दक्षिण एशिया के लिए सुकून भरा कहा जाएगा। गलवान घाटी में 15 जून के हिंसक संघर्ष के बाद भारत और चीन के रिश्ते किस नाजुक मोड़ पर पहुंच गए थे, इसका अंदाजा इसी बात से लग जाना चाहिए कि भारत ने अपनी सेना को मौके पर हथियारों के इस्तेमाल की छूट दे दी है, बल्कि लेफ्टिनेंट कमांडर स्तर के दोनों वरिष्ठ सैन्य अधिकारियों को सहमति के बिंदु पर पहुंचने के लिए 10 घंटे से भी अधिक बात करनी पड़ी है। खबर है कि दोनों देश एलएसी पर अपनी-अपनी सेना को पीछे हटाने को तैयार हो गए हैं। निस्संदेह, दोनों पक्षों से इसी समझ-बूझ की दरकार थी। लेकिन यह समझदारी जमीनी स्तर पर दिखनी चाहिए, क्योंकि 6 जून को भी सैन्य अधिकारी एक सहमति बना चुके थे। उसके बाद 15 जून की दुखद घटना घटी। अपने 20 जवानों की शहादत से भारतीय जनता बेहद आहत और आक्रोशित है। यह स्वाभाविक भी है, क्योंकि चीन से लगी सरहद पर दशकों से शांति थी, जिसे चीन ने भंग किया। हाल के दिनों में पूर्वी लद्दाख में उसका रवैया दादागिरी भरा रहा है और भारत को यह कतई मंजूर नहीं है। लेकिन जैसा कि अक्सर होता है, हरेक देश अपनी सरहद की हिफाजत के लिए सर्वोच्च पराक्रम दिखाता है, और अंततः प्रतिपक्षियों को वार्ता की मेज पर बैठना पड़ता है। इसलिए श्रेष्ठतम रणनीति यही है कि नुकसान के बाद वार्ता करने की बजाय बातचीत के जरिए नुकसान की आशंका निर्मूल कर दी जाए। जब तक दोनों देशों के बीच सीमा-विवाद का निपटारा निर्णायक रूप से नहीं होता, तब तक ऐसी स्थितियों की आशंका से बचने का एकमात्र रास्ता यही है कि सीमा पर हम अपने बुनियादी ढांचे को मजबूत करें। निस्संदेह, हाल के वर्षों में इस दिशा में काम हुए भी हैं। सड़कें बनी हैं, हेलीपैड बने हैं, मगर चीन के मुकाबले ये अब भी कुछ नहीं हैं। अब हम अच्छे रिश्तों के आधार पर भी अपनी सीमाओं और सैन्य जरूरतों से गाफिल नहीं रह सकते। भारत की सरहदें खास तौर से दो पड़ोसियों की अलग-अलग रणनीति का निशाना बनती रही हैं। पाकिस्तान जहां अपनी दहशतगर्दी की विदेश नीति को अंजाम देने के लिए इससे घुसपैठ की ताक में रहता है, तो चीन विस्तारवादी रणनीति के तहत इसके अतिक्रमण के फिराक में। बीजिंग अब एक दबाव के तौर पर भी इस नुस्खे को आजमाने लगा है। यह महज संयोग नहीं है कि पिछले दो महीने से कोविड-19 के संक्रमण के मामले में वह डब्ल्यूएचओ में घिरता हुआ महसूस कर रहा था, और लगभग इसी समय उसने लद्दाख में अपनी सक्रियता बढ़ाई, यह जानते हुए कि भारत डब्ल्यूएचओ में एक जिम्मेदार ओहदे पर बैठ रहा है। इसलिए उससे लगी सीमाओं को लेकर हमें एक मुकम्मल नीति बनानी होगी। इसमें दो राय नहीं कि भारत और चीन आज दुनिया की दो बड़ी शक्तियां हैं। उनमें सीमित सैन्य टकराव भी किसी एक के लिए कम नुकसानदेह नहीं होगा। इसलिए समझदारी इसी में है कि दोनों देश बातचीत से अपने मतभेदों को पाटें और ऐसा माहौल बनाएं, जिससे सीमा-विवाद पर ठोस बातचीत का रास्ता खुले। महामारी से कराह रही मानवता को आज इन दोनों से सर्वश्रेष्ठ अक्लमंदी की आशा है।

हमले का रंज, कुप्रबंधन की हताशा

गुरबचन जगत

गत पंद्रह और सोलह जून को लद्दाख से आई खबर हिलाकर रखने वाली थी। मेरी प्रतिक्रिया थी—अरे नहीं, फिर से नहीं। ऐसा कहने के पीछे पिछले संदर्भ हैं, क्योंकि पुनः एक बार हम अचानक घिर गए हैं और कारगिल, पुलवामा की तरह इस दफा लद्दाख में भी भारी जानी नुकसान झेलना पड़ा है। किसी आधिकारिक विज्ञप्ति के अभाव में अफवाहों का बाजार गर्म रहा, बताने को हर न्यूज चैनल और अखबार के पास अपना अलग आंकड़ा और विवरण था। आमतौर पर विभिन्न मंत्रालयों द्वारा आधिकारिक विवरण देने के लिए बाकायदा एक वरिष्ठ प्रवक्ता रहता है, फिलवक्त उनकी जरूरत सबसे ज्यादा है, क्योंकि आजकल सोशल मीडिया पर गैर-जिम्मेदाराना तरीके से अफवाहें चलने लगती हैं और बहुत से लोग उन पर यकीन भी करने लगते हैं। ताजा प्रसंग में रक्षा मंत्रालय को उच्च स्तर पर आधिकारिक विवरण जारी करना चाहिए था। डीजीएमओ (डायरेक्टर जनरल ऑफ मिलिटरी ऑपरेशंस) ने पुलवामा आतंकी घटना के समय प्रेसवार्ता करी थी-इस मर्तबा क्यूं नहीं? इसकी अनुपस्थिति में हर कोई अपने उच्चस्तरीय सूत्रों का हवाला देकर अपने-अपने रूपांतरण पर जोर दे रहा था। चीनी हमले में शहीद हुए अधिकारियों और जवानों की सही संख्या, यहां तक कि बंधक बनाए जाने वालों की गिनती को लेकर काफी कयासबाजी रही। कुछ का कहना था कि जवान नदी में डूबने या ठंड से जमने की वजह से वीरगति को प्राप्त हुए हैं। पूरा देश 'इंतजार करो और देखो' के हालात में था। यह केवल 17 जून को हो पाया, जब रक्षा मंत्रालय ने शहीद और जख्मी हुए अपने सैनिकों की आधिकारिक संख्या के बारे में बताया, जबकि दुश्मन को क्या नुकसान हुआ या उसके कितने सैनिक पकड़े गए, इसका कहीं कोई जिक्र नहीं था। 19 जून को अखबार 'द हिंदू' ने फिर से अपने 'उच्च रक्षा सूत्रों' का हवाला देते हुए दावा किया कि चीन ने हिरासत में लिए 10 भारतीय सैनिकों को छोड़ा है। हम लोगों की इस पर कोई स्थिति साफ नहीं थी। किसी खबर का हवाला दिए बिना रक्षा अधिकारियों ने घोषणा की थी कि सैनिकों की गिनती पर अब कोई संशय बाकी नहीं है। अब मूल घटना पर आएं, तो हम ऐसे कैसे अचानक घिर सकते हैं जबकि माहौल हफ्तों पहले से बनने लगा था? यहां तक कि लद्दाख में रहने वाला एक आम आदमी भी बता सकता है कि उसे गलवान घाटी और पैंगोंग त्सो भू-भाग में 'फिंगर चोटियों' वाले इलाके में बनते जा रहे हालात का इल्म था। हमें विश्वास दिलाने के लिए कहा जा रहा है कि सेना के स्तर पर वार्ता चल रही थी और तनाव घटाने के लिए चंद उपायों पर सहमति बनी थी और दोनों पक्षों ने अपने सैनिक पीछे हटाना मान लिया था। फिर अचानक कुछ गलत हुआ और कयामत टूट पड़ी और उक्त वार्ता और निगरानी के आलोक में हो रही सैनिक वापसी की प्रक्रिया के बावजूद हमें नुकसान उठाना पड़ा है। यह सब कैसे हो गुजरा और हम अचानक कैसे घिर गए? निःसंदेह राजनीतिक नेतृत्व एवं रक्षा अधिकारियों को स्थानीय सैनिक कमांडरों के बीच हुई बातचीत और ठीक इसी वक्त उक्त इलाके में बनने वाले चीनी सैन्य जमावड़े का जरूर पता रहा होगा। आज जबकि हमारे पास आधुनिक निगरानी तंत्र, जिसमें उपग्रह भी शामिल हैं, इनके अलावा अन्य बाहरी खुफिया एजेंसियां और खुद सेना का अपना खुफिया तंत्र है, तो अवश्य ही इन्होंने सीमांत क्षेत्र में चीनी गतिविधियों में आई तेजी के बारे में चेताया होगा, खासकर डोकलाम में हो चुके अनुभव के आलोक में यह होना स्वाभाविक था। अब हमें टेलीविजन पर बताया जा रहा है कि उस इलाके में नए चीनी ढांचे बने और सैनिकों, गाड़ियों, भारी सैन्य उपकरणों की संख्या में भारी इजाफा हुआ है। खैर, गफलत के पीछे के कारणों की पड़ताल संबंधित प्रशासन को करनी है। मायूसी हुई है कि न तो दिल्ली में बैठे किसी अति विशिष्ट राजनेता ने और न ही उच्चस्तरीय सैन्य अधिकारी ने इस विपत्ति में लद्दाख पहुंचना गवारा किया, युद्धस्थल पर जाना तो दूर की बात है। उन्हें यह बताने वाला कोई नहीं था कि 'दुबारा ऐसा नहीं होने देंगे'। पुनश्चः सवाल यह पैदा होता है कि क्यूं नहीं कोई अग्रिम मोर्चे तक पहुंचा और फौजी अधिकारियों-सैनिकों-घायलों से जाकर मिला, इस पर क्या बहाना है? क्या यह राष्ट्रीय हानि नहीं और इस घड़ी में उच्च राजनीतिक नेतृत्व का वहां पहुंचकर जायजा लेना नहीं बनता था? गमज़दा पूरा देश यही होते देखना चाहता था। बहरहाल, अब आखिरी अध्याय पर आएं, मुझे पुलवामा घटना की अभी भी याद है, जैसा कि जम्मू-कश्मीर में काम कर चुके किसी बावर्दी सुरक्षाकर्मी को होगी। उस वक्त जब शहीदों के शव दिल्ली के पालम हवाई अड्डे पर लाए गए थे तो पूरे देश ने झुककर श्रद्धांजलि दी थी। हमारा प्रतिनिधित्व करने उच्चतम राजनेता और सैन्य अधिकारी वहां सम्मान देने गए थे। इस आधिकारिक श्रद्धांजलि के बाद शहीदों की पार्थिव देह उनके मूल नगर व गांवों को भेजी गई थी, जहां उनका अंतिम संस्कार स्थानीय अधिकारियों और परिवार वालों की मौजूदगी में किया गया था। इस बार वैसा क्यों नहीं, यह भेदभाव क्यूं? क्या गलवान के शहीदों का बलिदान पुलवामा के शहीदों से कमतर है? क्या वे इस लायक नहीं थे कि उन्हें पालम तक लाया जाता ताकि राष्ट्रीय स्तर पर अंतिम विदाई दी जा सके? मुझे पूरा यकीन है कि इसके पीछे अपने कारण हैं-शायद यह मौका फायदेमंद नहीं लगा था। अब वह जो हम सब कहना चाहते हैं : अगली बार सैनिक अचानक न घिरने पाएं, राष्ट्रीय स्तर पर जानकारी देने वाला प्रवक्ता होना चाहिए जो जितनी जल्दी संभव हो, हमें सटीक विवरण दे। साथ ही वीवीआईपी/वीआईपी की मौजूदगी में शहीदों को राष्ट्रीय सम्मान मिले। राजकाज चलाने के तौर-तरीकों में भी हमें उच्चस्तर पर मूल बदलाव लाना होगा-चाहे मामला आंतरिक सुरक्षा का हो या अर्थव्यवस्था का या कोई अन्य राष्ट्रीय स्तर की समस्या का, जैसे कि कोविड-19 महामारी या फिर मजदूर पलायन—एक राष्ट्रज एक राष्ट्रीय सर्वसम्मति में होनी चाहिए। ऐसे समय पर सत्ताधारी और विपक्ष दोनों ही निष्पक्ष रवैया अपनाएं, निर्णय अधिनायकवादी तरीके से न लेकर सबकी सहमति से किए जाएं। हमें अपने प्रतिष्ठानों को सुदृढ़ करना होगा और उनकी जिम्मेवारी तय करनी होगी, क्योंकि जो फैसला एक मजबूत प्रतिष्ठान ले सकता है उसकी जगह व्यक्तिगत प्रयास कभी नहीं ले पाएगा। अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर भी हमें याद रखना होगा कि हमारा देश गुट-निरपेक्ष आंदोलन का संस्थापक और विदेश नीति में पंचशील सिद्धांत अपनाने वालों में पहला रहा है, जिसकी वजह से दशकों तक दुनिया और खासकर पड़ोसी देशों में हमारी इज्जत है। पाकिस्तान को छोड़कर लगभग सभी मुल्कों के साथ संबंध दोस्ताना रहे हैं। जबकि आज की तारीख में नेपाल तक भारत से खफा हुआ बैठा है और उसके साथ भी सीमा विवाद छिड़ गया है। लेख का अंत सोवियत नेता नीकिता ख्रुश्चेव द्वारा 1955 में कहे शब्दों से करना चाहूंगा : 'हम आपके इतने करीबी हैं कि अगर पहाड़ की चोटी पर खड़े होकर आवाज देंगे तो हम वहां भी मदद को पहुंच जाएंगे।'ज्क्या आज हमारे पास कोई ऐसा मित्र बचा है? लेखक यूपीएससी के अध्यक्ष एवं मणिपुर के राज्यपाल रह चुके हैं।

आज के ट्वीट

कोरोनिल

आयुर्वेद, सनातन से नफरत करने वालों के लिए बुरी खबर आयुष मंत्रालय ने पतंजलि की दवाई 'कोरोनिल' को प्रमाणित कर दिया है, बाकायदा एक पत्र जारी कर के कहा है कि दवाई ने सभी नियम, कानून, मापदंडों का पालन किया है अब कोई रोक नहीं कोरोनिल का विरोध करने वाले अब बरनोल खोज रहे हैं. - अर्णव गोस्वामी

ज्ञान गंगा

डिप्रेशन

सद्गुरु/ मैं ये जो कुछ कह रहा हूं वह इसलिए नहीं है कि मुझे आप के बारे में कोई चिंता नहीं है या मैं संवेदनहीन हूं लेकिन इसलिए कि आपको जो हो रहा है, उसका स्वभाव, उसकी प्रकृति यही है। अगर आप खुद को डिप्रेशन की स्थिति में ला रहे हैं, तो इसका मतलब यह है कि आप पर्याप्त मात्रा में तीव्र भावनाएं और विचार अपने मन में पैदाकर रहे हैं, लेकिन गलत दिशा में। अगर किसी विशेष बात के लिए आप की भावनाएं बहुत प्रबल नहीं हैं या आप के विचार अत्यन्त तीव्र नहीं हैं तो आप का मन निराश नहीं हो सकता, आप डिप्रेशन में नहीं हो सकते। बात बस ये है कि आप ऐसे विचार और भावनाएं पैदा कर रहे हैं जो आप के खिलाफ काम कर रही है, आप के लिए नहीं। तो अपने आपको डिप्रेशन की स्थिति में लाने के लिए आप पर्याप्त रूप से समर्थ हैं। ज्यादातर डिप्रेशन खुद अपने ही बनाए हुए होते हैं। बहुत कम ही लोग वास्तव में किसी रोग के कारण डिप्रेशन में होते हैं। वे कुछ नहीं कर सकते, उनका डिप्रेशन अंदर से, किसी आनुवांशिक कमज़ोरी या ऐसे ही किसी अन्य कारण से होता है। बाकी लगभग सभी लोगों को पागल किया जा सकता है क्योंकि स्थिर मानसिकता और पागलपन की सीमारेखा में अंतर बहुत ही पतला, महीन होती है। लोग इसे लगातार धक्का मारते रहते हैं, इसे पार करने में लगे रहते हैं। जब आप गुस्सा होते हैं तब आप इस बीच के अंतर को कम कर देते हैं। वास्तव में आप जानते भी हैं कि आप इस रेखा को पार कर रहे हैं, अंतर को कम कर रहे हैं। इसीलिये कई बार लोग ऐसा कहते हैं, 'मैं आज उस पर (गुस्से से) पागल हो गया था।' कृपया देखिये, आप किसी पर पागल नहीं होते, आप बस पागलपन की ओर जा रहे होते हैं। आप 'किसी पर पागल' नहीं हो सकते। आप बस स्थिर मानसिकता की सीमारेखा को कुछ समय के लिए लांघते हैं, पागलपन की अवस्था तक पहुंचते हैं और फिर वापस आ जाते हैं। आप इसे रोज क्यों नहीं आजमाते? हर दिन 10 मिनट, किसी पर जबरदस्त, तीव्र गुस्सा करके देखें! आप देखेंगे कि 3 महीनों में आप, डिप्रेशन के रोगी हो जाएंगे। हां, क्यों नहीं? अगर आप चाहते हैं तो ऐसा कीजिए, कोशिश कीजिए! क्योंकि अगर आप उस सीमा रेखा को पार करते रहेंगे, अगर आप रोज पागलपन करते रहेंगे तो एक दिन आप बिल्कुल वापस नहीं आ पाएंगे।

पहले अस्पतालों का इलाज कीजिए

लक्ष्मीकांता चावला

किसी भी देश को पांवों पर खड़े करने के लिए जरूरी है कि वहां शिक्षा सबको प्राप्त हो और स्वास्थ्य सेवाएं सबके लिए सहज उपलब्ध हों। विधायक की भूमिका में मेरी प्राथमिकता रही है कि सब्सिडी, अनुदान आदि केवल शिक्षा और स्वास्थ्य के लिए दिया जाए अर्थात् दवाई और पढ़ाई सबसे ऊपर है ताकि कोई जन्म लेकर इसलिए अनपढ़ न रह जाए क्योंकि वह धनहीन है और कोई इसलिए अस्पताल की दहलीज पर तड़प-तड़प कर न मर जाए क्योंकि वह गरीब है। दूर क्या जाना, अभी कल की ही घटना है। पंजाब के एक सरकारी अस्पताल में बच्चे को जन्म देने के लिए गई महिला रातभर कुर्सी में बैठे तड़पती रही, असह्य पीड़ा तो सहनी ही पड़ी, पर उसका बच्चा दम घुटने से जन्म से पहले ही चला गया। अब सवाल यह है कि पिछले सात दशक में स्वास्थ्य सेवाओं में सुधार क्यों नहीं हुआ? निःसंदेह कोरोना की बीमारी ने सरकारी सेवाओं की आंखें खोल दीं। मैंने देश के बहुत से अस्पतालों का कार्य देखा। केरल और गुजरात के अहमदाबाद के अस्पताल जैसा कोई भी सरकारी अस्पताल और कहीं नहीं मिला। शायद इसी का परिणाम है कि कोरोना का पहला मरीज केरल में मिलने के बावजूद कोरोना नियंत्रण में आ गया। उसके बाद तो देश में साढ़े चार लाख से ज्यादा मरीज हो गए। सवाल है कि सरकारी, गैर-सरकारी स्वास्थ्य सेवाएं आम आदमी की पहुंच से बाहर क्यों हैं? निःसंदेह पूरा देश पूरी हिम्मत के साथ कोरोना से लड़ रहा है, पर जो बड़े-बड़े प्राइवेट अस्पतालों में लूटखसूट चल रही है, उसको रोकने वाला कोई नहीं। एक टीवी चैनल द्वारा दिल्ली के अस्पताल की लूट का भंडाफोड़ किए जाने के बाद अब देश के गृह मंत्रालय और दिल्ली सरकार ने वहां तो प्राइवेट अस्पताल का रेट तय कर दिया है, पर वह भी एक दिन में 18 हजार रुपये है जो कि पहले अस्सी हजार से एक लाख तक था। कहीं-कहीं निगेटिव कोरोना रोगी को पॉजिटिव कह देना और प्राइवेट अस्पतालों के साथ जोड़ देना, यह धंधा जोर-शोर से शुरू हो गया है। देश में सरकारी अस्पताल और स्कूल का मतलब यह रहा कि एक संविधान में दी गई ड्यूटी पूरी करने के लिए स्कूल भी खोलने हैं और अस्पताल भी। स्कूल में स्टाफ पूरा है या नहीं अथवा अस्पताल में डॉक्टर हैं या नहीं, दवाइयां सरकार द्वारा भेजी गई हैं अथवा नहीं, इसकी किसी को कोई चिंता नहीं। वर्षों पहले हम यह देखते थे कि जब कोई उच्चाधिकारी, मंत्री अस्पताल में दर्शन देने आएं तो झटपट नई चादरें बिछ जाती थीं। सिरहाने के गिलाफ बदले जाते थे। स्थिति आज भी नहीं बदली, पर प्रश्न यह है कि पंजाब समेत देश में डॉक्टरों के पद खाली क्यों हैं? डॉक्टरों और पैरामेडिकल स्टाफ को पूरा वेतन क्यों नहीं दिया जाता? ठेके पर रखकर उनसे काम करवाना। प्रश्न यह भी है कि आखिर कैसे ये डॉक्टर इतने मरीजों को रोगमुक्त कर रहे हैं जबकि कोरोना का वैक्सीन अभी बना ही नहीं। खुशी की बात है कि 54 प्रतिशत के लगभग रोगी ठीक होकर घर वापस चले गए। इतने कम साधनों में अपने जीवन को खतरे में डालकर काम करने वाले डॉक्टरों को समाज पूरा सम्मान क्यों नहीं देता? वैसे भी राजनीतिक हस्तक्षेप से डॉक्टरों को लगातार जूझना होता है। निरीक्षण में डॉक्टर तब तक खड़ा रहेगा जब तक डीसी, एसडीएम या मंत्री आदि उसे बैठने के लिए न कहेंगे। दुख तो यह भी है कि प्रशासनिक अधिकारी जब चाहें योग्य डॉक्टर को डांट सकते हैं, अपमानित भी कर सकते हैं। आज की आवश्यकता यह है कि अस्पतालों की हालत सुधारी जाए। दवाई पूरी दी जाए। कोरोना की लड़ाई तो जिस हालत में है उससे लड़ना ही है, पर प्राइवेट अस्पतालों की लूट-खसूट पर नकेल डाली जाए। यह जानकारी सरकारी, गैर-सरकारी तंत्र दे रहा है कि कोरोना के साथ जीना पड़ेगा लेकिन कोरोना का इलाज भी तो करना है न। जनता को इलाज चाहिए। क्या यह विषमता नहीं कि सिविल अस्पताल में ही कोरोना टेस्ट करवाने के लिए गर्मी में दर्जनों लोग धक्के खाते खड़े हैं, पर इसमें डॉक्टर का कोई दोष नहीं। इस शासन का दोष है। प्रतिदिन शाम को यह जानकारी दी जाती है कितने रोगी और कोरोना ग्रस्त हो गए तो फिर उतने रोगियों के लिए पहले तैयारी क्यों नहीं? क्यों नहीं बड़े-बड़े पैलेस, होटल और धार्मिक भवन खाली करवाकर वहां रोगियों को रखा जाता? डॉक्टर्स, सहयोगी पैरामेडिकल स्टाफ, दवाइयां, स्थान और टेस्ट के प्रबंध करवाना सरकार की जिम्मेवारी है। सरकार के मालिक जो अपने को जनप्रतिनिधि कहते हैं वे तो जनता के खून-पसीने की कमाई से दुनियाभर में इलाज करवाने चले जाते हैं। अगर भारत सरकार और प्रांतीय सरकारें थोड़ी-सी भी संवेदना रखती हैं तो उन्हें जनप्रतिनिधियों को दी जाने वाली यह सुविधा एकदम बंद कर देनी चाहिए। यह सुविधा नहीं लूट है। इसकी कोई सीमा भी नहीं है। न खर्च की सीमा है, न भौगोलिक। बीस हजार किलोमीटर दूर जाकर भी इलाज करवा सकते हैं, पर अपने यहां देश में कई बार देखा कि कोई अपने परिजन की लाश को ही साइकिल पर या कंधे पर घसीटता ले जाता है या एम्बुलेंस न मिलने पर गांव के लोग चारपाई पर ही रोगी को उठाकर अस्पताल तक पहुंचाते हैं। यह स्वतंत्र देश में शोभा नहीं देता।

आज का राशिफल

मेष संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। राजनैतिक महत्वाकांक्षा की पूर्ति होगी। किसी बहुमूल्य वस्तु के पाने की अभिलाषा पूरी होगी। वाणी की सौम्यता बनाये रखने की आवश्यकता है।

वृषभ पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। यात्रा में अपने सामान के प्रति सचेत रहें चोरी या खोने की आशंका है। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। धन हानि की संभावना है।

मिथुन जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। भाग्यवश कुछ ऐसा होगा जिसका आपको लाभ मिलेगा। प्रेम प्रसंग प्रगाढ़ होंगे। भारी व्यय का सामना करना पड़ सकता है। वाहन प्रयोग में सावधानी अपेक्षित है।

कर्क व्यावसायिक व पारिवारिक योजना सफल होगी। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। फिजूल खर्ची पर नियंत्रण रखें। नए अनुबंध प्राप्त होंगे।

सिंह व्यावसायिक योजना सफल होगी। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। पारिवारिक जनों का सहयोग मिलेगा। वाद विवाद की स्थिति आपके हित में न होगी। मकान, सम्पत्ति व वाहन की दिशा में किया गया प्रयास सफल होगा।

कन्या बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। पारिवारिक जनों के मध्य सुखद समय गुजरेगा। वाणी की सौम्यता आपकी प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। वाहन प्रयोग में सावधानी रखें।

तुला आर्थिक योजना को बल मिलेगा। पिता या उच्चाधिकारी से तनाव मिलेगा। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। विरोधी परास्त होंगे। धन लाभ होने के योग हैं।

वृश्चिक जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। रुपए पैसे के लेन देन में सावधानी रखें। किसी बहुमूल्य वस्तु के पाने की अभिलाषा पूरी होगी। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी।

धनु आर्थिक दिशा में प्रगति होगी। पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। रुका हुआ कार्य सम्पन्न होगा। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। कोई महत्वपूर्ण निर्णय न लें। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी।

मकर पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। राजनैतिक क्षेत्र में किए गए प्रयास सफल होंगे। वाणी की सौम्यता आपको लाभ दिलायेगी। भारी व्यय का सामना करना पड़ सकता है। वाहन प्रयोग में सावधानी रखें।

कुम्भ पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। खान-पान में संयम रखें। जीविका की दिशा में प्रगति होगी। विरोधी परास्त होंगे। ससुराल पक्ष से लाभ होगा।

मीन जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। मित्रों या रिश्तेदारों से पीड़ा मिलेगी। नेत्र विकार की संभावना है। आय के नवीन स्त्रोत बनेंगे।

4.66 लाख घरों की डिलिवरी में 2020 में हो सकती है देरी

कोलकाता। कोविड-19 के चलते 2020 में करीब 4.66 लाख आवासों पर समय से कब्जा देने में देरी हो सकती है। अधिकतर राज्यों ने परियोजनाओं को पूरा करने की समयसीमा छह महीने तक बढ़ा दी है। वैश्विक संपत्ति सलाहकार कंपनी एनारॉक ने मंगलवार को अपनी एक रिपोर्ट में यह जानकारी दी। दिल्ली-एनसीआर, मुंबई और बेंगलुरू में करीब एक-एक लाख से अधिक मकानों की डिलिवरी 2020 में देना तय था। जबकि पुणे में 68,800, कोलकाता में 33,850, हैदराबाद में 30,500 और चेन्नई में 24,650 महानों की डिलिवरी 2020 में करनी थी। एनारॉक के चेयरमैन अनुज पुरी ने कहा कि घर खरीदारों को नयी वास्तविकता के साथ समायोजन करना पड़ेगा। वर्ष 2020 में करीब 4.66 लाख मकानों की डिलिवरी की जानी थी जिनमें अब देरी होने की संभावना है। पिछले कुछ महीनों में लॉकडाउन के चलते कोई भी निर्माण कार्य नहीं हुआ है। ऐसे में इन परियोजनाओं के पूरा होने की अंतिम समयसीमा को आगे बढ़ा दिया गया है। संपत्ति बाजार के नियामक रेरा (हर राज्य में अलग) ने अधिकतर राज्यों में समयसीमा को छह महीने आगे खिसका दिया है। पुरी ने कहा कि अधिकतर बढ़े शहरों में श्रमिकों की कमी से निपटने के लिए सरकार को हस्तक्षेप करने की जरूरत है।

ओला अपने मंच से जुड़े ऑटोरिक्शा में सुरक्षात्मक स्क्रीन लगाएगी, साफ-सफाई पर होगा जोर

नयी दिल्ली। ऐप के जरिए कैब सेवा मुहैया कराने वाली कंपनी ओला ने कहा है कि कोविड-19 महामारी के चलते उसके मंचे से जुड़े सभी ऑटोरिक्शा में चालक तथा यात्रियों के बीच सुरक्षात्मक स्क्रीन लगाई जाएगी और रिक्शे को हर 48 घंटे में अनिवार्य रूप से सेनेटाइज किया जाएगा। ओला ने एक बयान में कहा कि उसके मंच से जुड़े सभी ऑटोरिक्शा को 48 घंटे में एक बार रसायनों से कीटाणुमक्त किया जाएगा। इसके लिए देश भर में 100 से अधिक फ्यूमिगेशन सेंटर की मदद ली जाएगी। बयान के मुताबिक दिल्ली में इस समय ऐसे 15 सेंटर है और आने वाले दिनों में इनकी संख्या बढ़ाई जाएगी।

पावर फाइनेंस कॉरपोरेशन का शुद्ध लाभ मार्च तिमाही में करीब 80 प्रतिशत घटकर 693.71 करोड़ रुपये रहा

नयी दिल्ली। पावर फाइनेंस कॉरपोरेशन (पीएफसी) का एकीकृत शुद्ध लाभ मार्च 2020 को समाप्त तिमाही में करीब 80 प्रतिशत घटकर 693.71 करोड़ रुपये रहा। पीएफसी ने शेयर बाजार को दी सूचना में कहा कि इससे पूर्व वित्त वर्ष की इसी तिमाही में कंपनी को 3,391.27 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ हुआ था। आलोच्य तिमाही में कंपनी की कुल आय बढ़कर 16,254.65 करोड़ रुपये रही जो एक साल पहले 2018-19 की चौथी तिमाही में 14,387.92 करोड़ रुपये थी। पूरे वित्त वर्ष 2019-20 में कंपनी का एकीकृत शुद्ध लाभ 9,477.24 करोड़ रुपये रहा जो इससे पूर्व वित्त वर्ष 2018-19 में 12,640.27 करोड़ रुपये था। हालांकि कंपनी की आय हालांकि कंपनी की आय हालांकि कंपनी की आय हालांकि कंपनी की आय आलोच्य वित्त वर्ष में बढ़कर 62,275.36 करोड़ रुपये रही जो एक साल पहले 2018-19 में 54,156.83 करोड़ रुपये थी।

निवेशकों का धन लौटाने के लिए हर संभव कोशिश कर रहे हैं: फ्रैंकलिन टेम्पलटन एमएफ

नयी दिल्ली (एजेंसी)।

फ्रैंकलिन टेम्पलटन म्यूचुअल फंड ने कहा है कि वह छह ऋण योजनाओं को बंद करने से संबंधित सभी कानूनी मुद्दों को जल्द से जल्द हल करने के लिए काम कर रही है, ताकि परिसंपत्तियों का मौद्रिकरण और निवेशकों का धन वापस किया जा सके। फ्रैंकलिन टेम्पलटन म्यूचुल फंड के अध्यक्ष संजय सप्रे ने निवेशकों को एक पत्र के जरिए छह ऋण योजनाओं को बंद करने संबंधी प्रक्रिया की ताजा स्थिति के बारे में बताया। फ्रैंकलिन टेम्पलटन ने 23 अप्रैल को नकदी कमी और यूनिट को बेचने के दबाव का हवाला देते हुए बॉन्ड मार्केट में छह ऋण योजनाओं को बंद कर दिया था।इस संबंध में अदालतों में चल रहे मुकदमों का ब्यौरा देते हुए सप्रे ने कहा कि उच्चतम न्यायालय ने 19 जून को फंड हाउस द्वारा दायर एक विशेष अवकाश याचिका और स्थानांतरण याचिका पर सुनवाई की। न्यायालय ने आदेश दिया है कि इन छह योजनाओं को बंद करने से संबंधित सभी लंबित कानूनी मामलों को कर्नाटक उच्च न्यायालय की एक खंडपीठ को स्थानांतरित कर दिया जाएगा और उच्चतम न्यायालय ने निर्देश दिया है कि सुनवाई तीन महीने के भीतर पूरी की जाए।उन्होंने निवेशकों से कहा, ''मैं समझ सकता हूं कि विभिन्न कानूनी मामलों के कारण देरी ने आपकी निराशा और असुविधा को बढ़ा दिया है। हम पूरी कोशिश कर रहे हैं कि इन्हें जल्द से जल्द सुलझाया जाए ताकि परिसंपत्तियों का मौद्रिकरण शुरू हो सके और आपके पैसे वापस मिल सकें।'' सप्रे ने कहा कि फंड हाउस जल्द से जल्द धनराशि को वितरित करने के लिए उचित कदम उठाएगा।

कंपनियों को 30 सितंबर तक वीडियो कॉन्फ्रेंस के जरिये बोर्ड बैठक की अनुमति

नयी दिल्ली। कंपनियां अब 30 सितंबर तक निदेशक मंडल की बैठकें वीडियो कॉन्फ्रेंस या इसी तरह के अन्य माध्यमों से कर सकती हैं। कोरोनो वायरस महामारी की वजह से सरकार ने कंपनियों को वीडियो कॉन्फ्रेंस के जरिये बोर्ड बैठक की अनुमति की अवधि बढ़ा दी है। कंपनी कानून का क्रियान्वयन करने वाले कॉरपोरेट मामलों के मंत्रालय ने हाल के महीनों में इस महामारी के मद्देनजर अनुपालन नियमों में कई रियायतें दी हैं। कोविड-19 की वजह से आर्थिक गतिविधियां बुरी तरह प्रभावित हुई हैं। संक्रमण को फैलने के से रोकने के लिए सामाजिक दूरी का पालन जरूरी है, जिसके मद्देनजर कंपनियों को वीडियो कॉन्फ्रेंस के जरिये बोर्ड की बैठक करने की अनुमति दी गई थी। मार्च में मंत्रालय ने कंपनीज (बोर्ड बैठकें और उसके अधिकार) नियमों में संशोधन किया था। उस समय कंपनियों को वीडिया कॉन्फ्रेंस या अन्य ऑडियो विजुअल माध्यमों से 30 जून तक बोर्ड की बैठक करने की अनुमति दी गई थी। मंत्रालय की ओर से मंगलवार को जारी अधिसूचना के अनुसार अब वीडियो कॉन्फ्रेंस से बोर्ड बैठक की अनुमति की अवधि को बढ़ाकर 30 सितंबर तक र दिया गया है। यह कदम ऐसे समय उठाया गया है जबकि देश में कोरोना वायरस के मामले काफी तेजी से बढ़ रहे हैं।

सहकारी बैंकों को रिजर्व बैंक की देखरेख के तहत लाया जायेगा

नयी दिल्ली। सरकार ने बुधवार को कहा कि सभी सहकारी बैंकों और बहु- राज्यीय सहकारी बैंकों को रिजर्व बैंक की देख रेख के तहत लाया जायेगा। सरकार के इस कदम का मकसद सहकारी बैंकों के जमाकर्ताओं को संतुष्टि और सुरक्षा देना है। केन्द्रीय मंत्रिमंडल की बैठक के बाद संवाददाताओं को जानकारी देते हुये सूचना एवं प्रसारण मंत्री प्रकाश जावड़ेकर ने कहा कि शहरी सहकारी बैंकों और बहु- राज्यीय सहकारी बैंकों को रिजर्व बैंक के बेहतर परिचालन के वास्ते रिजर्व बैंक के निरीक्षण के दायरे में लाया जायेगा। अब तक केवल वाणिज्यिक बैंक ही रिजर्व बैंक के निरीक्षण के तहत आते रहे हैं लेकिन अब सहकारी बैंकों का निरीक्षण भी रिजर्व बैंक करेगा। जावड़ेकर ने कहा, ''जमाकर्ताओं को भरोसा मिलेगा की उनका पैसा सुरक्षित है।'' उन्होंने कहा कि इस बारे में जल्द ही अध्यादेश जारी किया जायेगा। देश में कुल मिलाकर 1,482 शहरी सहकारी बैंक और 58 के करीब बहु- राज्यीय सहकारी बैंक है जिनसे 8.6 करोड़ ग्राहक जुड़े हुये हैं। सरकार का यह कदम इस लिहाज से काफी अहम है कि पिछले कुछ समय में कई सहकारी बैंकों में घोटाले सामने आये हैं और इससे बैंक के जमाकर्ताओं को काफी परेशानी का सामना करना पड़ा है। पंजाब एण्ड महाराष्ट्र सहकारी बैंक में घोटोले का मामला हाल में काफी चर्चा में रहा।

देश में 5जी प्रौद्योगिकी का ढांचा बनाने में अहम भूमिका निभाएगी जियो : रिलायंस

नयी दिल्ली (एजेंसी)।

रिलायंस इंडस्ट्रीज ने अपनी वार्षिक रपट में कहा है कि देश में 5जी ढांचा बनाने में जियो की भूमिका अहम होगी। यह बात कंपनी ने बाजार के रुख को देखते हुए कही है। मोबाइल सेवाओं के लिए न्यूनतम आधार कीमत तय करने के मुद्दे पर कंपनी ने कहा दूरसंचार कंपनियों द्वारा दिसंबर में बढ़ाए गए शुल्क का असर हाल में दिखने लगा है। इससे बाजार स्थितियां बेहतर हुई हैं। रपट में कहा गया है कि सरकार ने भी 2020-21 के दौरान अगले दौर की स्पेक्ट्रम नीलामी की मंशा जतायी है। ऐसे में जियो के पास पहले से 5जी प्रौद्योगिकी के लिए तैयार प्रणाली और फाइबर परिसंपत्ति है। बाजार के रुख को देखा जाए तो देश में 5जी वातावरण के विकास में जियो की भूमिका अहम होगी। शेयरधारकों को भेजे पत्र में कंपनी के चेयरमैन मुकेश अंबानी ने कहा कि देश में अभी भी लाखों उपयोक्ता 2जी प्रौद्योगिकी का इस्तेमाल कर रहे हैं। वह इंटरनेट का उपयोग नहीं कर सकते हैं। ऐसे में देश को पूरी तरह 2जी से 4जी या उससे आगे की प्रौद्योगिकी में लाने की तत्काल जरूरत है, और इस बदलाव के लिए जियो के पास कई अवसर हैं। उन्होंने कहा, ''पिछले दो साल से अधिक समय में 'जियोफोन' 10 करोड़ उपयोक्ताओं को 2जी से 4जी तक लाने में सफल रहा है। उन्होंने कहा कि जियो को देश के लिए 4जी प्रौद्योगिकी खड़ा करने में मिली सफलता ने फेसबुक और माइक्रोसॉफ्ट जैसी वैश्विक प्रौद्योगिकी कंपनियों को निवेश के लिए आकर्षित किया। अंबानी ने कहा कि रिलायंस जियो के उपयोक्ताओं की संख्या लगातार बढ़ रही है। 31 मार्च 2020 तक इनकी संख्या 38.75 करोड़ पहुंच चुकी है। मोबाइल इंटरनेट की दुनिया में क्रांति लाने के बाद जियो अब उपयोक्ताओं की संख्या और समायोजित सकल आय के हिसाब से देश की सबसे बड़ी दूरसंचार कंपनी है। उन्होंने कहा कि जियो अपनी अत्याधुनिक वायर प्रौद्योगिकी के माध्यम से घरों और प्रतिष्ठानों तक इंटरनेट सेवाएं पहुंचाने का काम भी कर रही है। इससे एक ही मंच पर कई डिजिटल सेवाएं उपलब्ध कराने के लिए मजबूत बुनियाद तैयार करने में मदद मिलेगी। रपट के मुताबिक मार्च 2020 के अंत तक जियो फाइबर सेवा लेने वाले घरों की संख्या 10 लाख हो गयी।अंबानी ने कहा कि ई-वाणिज्य सेवाओं के माध्यम संगठित खुदरा कारोबार के लिए वृद्धि के और अवसर खुलेंगे। रिलायंस रिटेल और व्हाट्सएप ने रिलायंस रिटेल के डिजिटल कारोबार को आगे बढ़ाने के लिए वाणिज्यिक साझेदारी की रिटेल के डिजिटल कारोबार को आगे बढ़ाने के लिए वाणिज्यिक साझेदारी की है। इससे जियोमार्ट मंच का इस्तेमाल व्हाट्सएप पर किया जा सकेगा और व्हाट्सएप छोटे कारोबारियों को समर्थन दे सकेगी।

वाबाग को भागलपुर में जल आपूर्ति प्रबंधन के लिये 278 करोड़ रुपये का ठेका

नयी दिल्ली। जल शोधन से जुड़ी कंपनी वाबाग ने बुधवार को कहा कि उसने बिहार के भागलपुर जिले में जल आपूर्ति प्रबंधन के लिये 278 करोड़ रुपये मूल्य के अनुबंध पर हस्ताक्षर किया है। परियोजना का वित्त पोषण एशियाई विकास बैंक (एडीबी) करेगा।कंपनी ने एक बयान में कहा, ''वीएटेक वाबाग ने भागलपुर नगर निगम क्षेत्र में जल आपूर्ति व्यवस्था में सुधार के लिये बिहार अरबन इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट कॉरपोरेशन के साथ अनुबंध पर हस्ताक्षर किये हैं।'' वाबाग के अनुसार पूरी होने पर यह परियोजना भागलपुर की सबसे बड़ी जल आपूर्ति योजना होगी और छह लाख लोगों के लिये जीवन रेखा होगी। यह शहर में स्वच्छ और साफ पीने के पानी का भरोसेमंद स्रोत होगा।'' परियोजना के तहत कंपनी भागलपुर में गंगा नदी से 14.1 करोड़ लीटर पानी को स्वच्छ और पीने लायक बनाकर उसकी आपूर्ति का प्रबंधन करेगी। परियोजना के तहत कंपनी भागलपुर में गंगा नदी से 14.1 करोड़ लीटर पानी को स्वच्छ और पीने लायक बनाकर उसकी आपूर्ति का प्रबंधन करेगी। परियोजना के तहत कंपनी भागलपुर में गंगा नदी से 14.1 करोड़ लीटर पानी को स्वच्छ और पीने लायक बनाकर उसकी आपूर्ति का प्रबंधन करेगी। कंपनी को परियोजना का विकास करने के साथ उसका परिचालन करना है।

चीनी वस्तुओं के बहिष्कार के लिए कैट ने अंबानी, टाटा, अन्य उद्योगपतियों से सहयोग मांगा

नयी दिल्ली (एजेंसी)।

व्यापारियों के संगठन कनफेडरेशन ऑफ आल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) ने चीन के सामान के बहिष्कार के लिए मुकेश अंबानी और 50 अन्य उद्योगपतियों से सहयोग मांगा है। इन उद्योगपतियों में रतन टाटा, अजीम प्रेमजी, गौतम अडाणी, अजय पीरामल, आनंद महिंद्रा और सुनील मित्तल शामिल हैं। कैट ने इन उद्योगपतियों से अपील की है कि वे अपने कारोबार में चीनी सामान का इस्तेमाल बंद करें और चीन के सामान के बहिष्कार अभियान में शामिल हों।

कैट ने 'भारतीय सामान - हमारा अभिमान' के नाम से चीनी सामानों का बहिष्कार का अभियान 10 जून, 2020 को शुरू किया है। कैट ने एन आर नारायणमूर्ति, आदि गोदरेज, नुस्ली वाडिया, विक्रम किर्लोस्कर, कुमार मंगलम बिड़ला, शिव नडार, राहुल बजाज, ज्योत्स्ना सूरी, उदय कोटक, पल्लोनजी मिस्त्री, शशि रुइया, मधुकर पारेख, सतीश रेड्डी, पंकज पटेल, नीलेश गुप्ता और हर्ष मरीवाला से भी इस अभियान में सहयोग देने को कहा है। कैट के राष्ट्रीय अध्यक्ष बी सी भरतिया एवं राष्ट्रीय महासचिव प्रवीन खंडेलवाल ने अंबानी और अन्य उद्योगपतियों को भेजे पत्र में कहा कि एक सफल उद्यमी और भारतीय उद्योग के कर्णधारों में से एक होने के कारण कैट ने सभी उद्योगपतियों से चीनी वस्तुओं के बहिष्कार के राष्ट्रीय अभियान में शामिल होने के लिए आमंत्रित किया है। कैट ने सभी उद्योगपतियों से कहा की यह अभियान देश की अर्थव्यवस्था में एक नया परिवर्तन लाएगा और भारत को दुनिया में एक नई आर्थिक महाशक्ति के रूप में स्थापित करेगा। इस दृष्टि से देश के सभी प्रमुख वर्गों के जुड़ने से चीन पर भारत की निर्भरता काफी हद तक कम होगी। भारतीय कंपनियां चीन से मुख्य रूप से वाहन, इलेक्ट्रॉनिक्स, फार्मास्युटिकल्स और सौर ऊर्जा उत्पादों का आयात करती हैं। मारुति सुजुकी के चेयरमैन आर सी भार्गव और बजाज ऑटो के प्रबंध निदेशक राजीव बजाज ने कहा है कि चीनी सामान के बहिष्कार का अभियान व्यावहारिक नहीं है क्योंकि चीनी कलपुर्जे अधिक प्रतिस्पर्धी हैं और ऐसे में वाहन विनिर्माण के लिए इनकी अत्यंत जरूरत है। ऐसे में वाहन विनिर्माण के लिए इनकी अत्यंत जरूरत है। दिलचस्प तथ्य यह है कि कैट ने राहुल बजाज से भी इस अभियान में शामिल होने का आग्रह किया है। डॉलर मूल्य में

2019 में भारत को चीन का निर्यात 74.72 अरब डॉलर रहा था। 2018 में यह 76.87 अरब डॉलर था। यापारियों के संगठन ने अंबानी को लिखे पत्र में कहा , ''इस बारे में आपकी ओर से किसी सकारात्मक फैसले से अभियान को बड़ा प्रोत्साहन मिलेगा। यह हमारे शहीद हुए जवानों के लिए श्रद्धांजलि होगी।''

वित्त प्रौद्योगिकी पर बनी सरकारी समिति कृष, बीमा क्षेत्र में इसके अनुप्रयोग पर कर रही विचार

नयी दिल्ली (एजेंसी)।

आर्थिक मामलों के सचिव की अध्यक्षता में वित्त प्रौद्योगिकी पर बनी एक समिति सहकारी, बीमा और कृषि जैसे कई क्षेत्रों में इसके अनुप्रयोग पर विचार कर रही है। आर्थिक मामलों के विभाग में अतिरिक्त सचिव के. राजारमण ने कहा, '' समिति ने कई क्षेत्रों में काम किया है। सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्योगों को जीएसटीएन से जोड़ने का सुझाव दिया जिससे उन्हें उनके जीएसटी बिल के अनुरूप ऋण मुहैया कराने में मदद मिली और इससे ऋणदाता का जोखिम भी कम हुआ है।'' उन्होंने कहा, ''अब हम सहकारी, बीमा और कृषि क्षेत्र में भी वित्त प्रौद्योगिकी के अनुप्रयोग पर विचार कर रहे हैं।'' राजारमण यहां उद्योग मंडल के एक वेबिनार को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि सरकार भी इसके लिए सक्रियता से एक अंतरराष्ट्रीय सहयोग समझौते पर काम कर रही है।

यह समझौता एक संयुक्त कार्यकारी समूह के रूप में होगा जो वित्त प्रौद्योगिकी क्षेत्र के नियमन के लिए सीमापार सहयोग के लिए काम करेगा। उन्होंने कहा कि समिति रुपे कार्ड और यूपीआई-क्यूआर कोड जैसे घरेलू भुगतान गेटवे का उपयोग सीमापार लेनदेन में कैसे किया जाए, इस पर भी विचार कर रही है। साथ ही समिति वीडियो के माध्यम से ग्राहक को जानो (केवाईसी) नियमों के अनुपालन को अनुमति देने पर भी विचार कर रही है ताकि बैंक कर्मचारी की अनुपस्थिति में भी वास्तविक समय में यह प्रक्रिया पूरी हो सके। इस अंतरमंत्रालयी समिति की बैठक हर महीने होती है।

मारुति ने अपने ग्राहकों के लिए लॉयल्टी कार्यक्रम पेश किया

नयी दिल्ली (एजेंसी)।

देश की सबसे बड़ी कार कंपनी मारुति सुजुकी इंडिया (एमएसआई) ने अपने ग्राहकों के लिए लॉयल्टी पुरस्कार कार्यक्रम शुरू किया है। कंपनी ने बुधवार को बयान में कहा कि इस लॉयल्टी कार्यक्रम 'मारुति सुजुकी रिवाड्र्स' के तहत एरेना, नेक्सा और टू वेल्यू आउटलेट्स के सभी यात्री वाहन आएंगे। कंपनी ने कहा कि इस कार्यक्रम के तहत अतिरिक्त कार की खरीद पर कई तरह के लाभ मसलन सर्विस, मारुति बीमा, एक्सेसरीज, और कई अन्य लाभ मिलेंगे। मारुति सुजुकी इंडिया के प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी केनिचि आयुकावा ने कहा, ''इस नए लॉयल्टी कार्यक्रम के तहत ग्राहकों को कुछ सबसे बेहतरीन लाभ मिलेंगे। इसमें सदस्यों को अपनी जरूरत के हिसाब से लाभ का इस्तेमाल करने की सुविधा होगी। वे इसकी सीढ़ी चढ़ते हुए विशेष और विशिष्ट लाभ हासिल कर सकेंगे।''

यह कार्यक्रम देशभर में मारुति की डीलरशिप पर स्वीकार किया जाएगा। इसका लाभ वाहन की सर्विस, एक्सेसरीज की खरीद, कलपुर्जे, विस्तारित वॉरंटी और बीमा तथा कंपनी के ड्राइविंग स्कूल में नामांकन में लिया जा सकता है। इसका लाभ वाहन की सर्विस, एक्सेसरीज की खरीद, कलपुर्जे, विस्तारित वॉरंटी और बीमा तथा कंपनी के ड्राइविंग स्कूल में नामांकन में लिया जा सकता है।

गडकरी ने एमएसएमई को 20,000 करोड़ रुपये का गारंटी कवर देने की योजना की शुरुआत की

नयी दिल्ली (एजेंसी)।

केन्द्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने बुधवार को दबाव झेल रहे दो लाख सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यमों (एमएसएमई) को अतिरिक्त रिण सुविधा उपलब्ध कराने में गारंटी कवर के लिये 20,000 करोड़ रुपये की रिण गारंटी योजना की शुरुआत की। यह वित्तपोषण योजना उन एमएसएमई की मदद के लिये शुरू की गई है जो काफी दबाव में हैं और बैंकों ने उन्हें गैर-निष्पादित संपत्ति (एनपीए) की श्रेणी में डाल दिया है। ऐसे दबाव झेल रहे एमएसएमई के प्रवर्तकों को अतिरिक्त रिण सुविधा उपलब्ध कराने के वास्ते इस रिण गारंटी योजना की शुरुआत की गई है। इस योजना को ''संकटग्रस्त संपत्ति कोष -- एमएसएमई के लिये अधीनस्थ रिण।' योजना के तहत 20,000 करोड़ रुपये का गारंटी कवर ऐसे प्रवर्तकों को उपलब्ध कराया जायेगा जो कि अपनी कर्ज में फंसी एमएसएमई इकाई में इक्विटी के रूप में और निवेश कर सकते हैं और उसके लिये बैंकों से कर्ज लेना चाहते हैं। एक आधिकारिक वक्तव्य में कहा गया है, ''ऐसा महसूस किया गया कि दबाव के दौर से गुजर रही एमएसएमई के समक्ष सबसे बड़ी चुनौती रिण अथवा इक्विटी के तौर पर पूंजी प्राप्त करने को लेकर है। इस स्थिति को देखते हुये 13 मई 2020 को जारी आत्मनिर्भर पैकेज के तहत वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने परिचालन में बने लेकिन दबाव झेल रहे एमएसएमई के लिये एक योजना की घोषणा की जिसके तहत उनके प्रवर्तकों को उनके पुराने कर्ज के समक्ष अतिरिक्त छोटा कर्ज उपलब्ध कराया जायेगा।'' योजना को लेकर तमाम जरूरी औपचारिकताओं को पूरा करने आर्थिक मामलों की मंत्रिमंडलीय समिति की मंजूरी और वित्त मंत्रालय, सिडबी और रिजर्व बैंक के साथ विचार विमर्श करने के बाद गडकरी ने योजना को नागपुर में औपचारिक तौर पर जारी किया। योजना के तहत उन सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यमों को कामकाज आगे बढ़ाने के लिये कर्ज सहायता उपलब्ध होगी जिनका खाता 30 अप्रैल 2020 को एनपीए हो गया और वह दबाव में हैं। ऐसे एमएसएमई के प्रवर्तकों को उनकी इक्विटी जमा रिण हिस्सेदारी के 15 प्रतिशत के बराबर या फिर 75 लाख रुपये जो भी कम राशि होगी, उसके बराबर अतिरिक्त छोटा कर्ज दिया जायेगा।

इस कर्ज को प्रवर्तक उद्यम में इक्विटी निवेश के तौर पर डालेंगे जिससे की उस उपक्रम के रिण-इक्विटी अनुपात में सुधार आयेगा।

योजना के तहत कर्ज पर 90 प्रतिशत गारंटी कवर सरकार की तरफ से दिया जायेगा जबकि शेष 10 प्रतिशत प्रवर्तक की तरफ से दिया जायेगा। इस योजना में सात साल तक मूल धन के लौटाने पर रोक होगी जबकि अधिकतम 10 साल में यह कर्ज लौटाना होगा।

सेबी ने चौथी तिमाही, वार्षिक परिणाम जारी करने का समय एक महीने और बढ़ाया

नयी दिल्ली (एजेंसी)।

कोविड-19 महामारी के प्रतिकूल प्रभावों को देखते हुए भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) ने कंपनियों के लिए चौथी तिमाही और वित्त वर्ष 2019-20 के परिणाम जारी करने की समयसीमा एक माह और बढ़ा दी। सेबी ने बुधवार को कहा कि सूचीबद्ध कंपनियां अब यह आंकड़े 31 जुलाई तक जारी कर सकती हैं । विभिन्न सूचीबद्ध कंपनियों, चार्टर्ड अकाउंटेंट फर्मों और उद्योग मंडलों के आग्रह के बाद सेबी ने समयसीमा बढ़ाने का निर्णय किया। इससे कंपनियों को 31 मार्च 2020 को समाप्त वित्त वर्ष की अंतिम तिमाही, छमाही और वार्षिक परिणामों को जारी करने के लिए और वक्त मिल गया है। सामान्यतः सूचीबद्ध कंपनियों को वित्त वर्ष की समाप्ति के बाद 60 दिन के भीतर अपने वार्षिक परिणाम जारी करने होते हैं। जबकि तिमाही परिणाम तिमाही की समाप्ति के बाद 45 दिन के भीतर जारी किए जाते हैं।

इसी के साथ उन कंपनियों के लिए भी यह समयसीमा 31 जुलाई तक बढ़ा दी गयी है जिनके गैर-परिवर्तनीय बांड, गैर-परिवर्तनीय भुनाने योग्य तरजीही शेयर और वाणिज्यिक दस्तावेज सूचीबद्ध हैं।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

भारत की वैशाली ने स्पीड शतरंज चेंपियनशिप के लिये क्वालीफाई किया

चेन्नई। भारत की अंतरराष्ट्रीय मास्टर आर वैशाली ने फिडे-चेस.काम महिला स्पीड शतरंज चैंपियनशिप ग्रां प्री के लिये क्वालीफाई कर लिया है। युवा शतरंज खिलाड़ी आर प्रागननंदा की बहन वैशाली के अलावा इस टूर्नामेंट में भारत की दो अन्य शीर्ष खिलाड़ी कोनेरू हंपी और डी हरिका भी हिस्सा लेंगी। चीन की हो यिफान और विश्व चैंपियन जु वेंगजु भी इस टूर्नामेंट में भाग लेंगी। हंपी वरीयता प्राप्त खिलाड़ियों में शामिल है जबकि हरिका ने प्लेऑफ क्वालीफायर्स के जरिये इसमें जगह बनायी। एशियाई ब्लिट्ज चैंपियनशिप 2017 की विजेता वैशाली पहले दौर में बुल्गारिया की एंतोआनेटा स्टीफानोवा से भिड़ेंगी जबकि हंपी का सामना वियतनाम की ली थाओ नगुएन फाम से होगा। यह ग्रां प्री चार चरणों में होगी जिसमें कुल 21 खिलाड़ी भाग लेंगी। इनमें से हर खिलाड़ी को चार में तीन चरणों में भाग लेना है। प्रत्येक ग्रां प्री 16 खिलाड़ियों का नाकआउट टूर्नामेंट होगा जिसमें पहला चरण 24 से 28 जून के बीच खेला जाएगा। प्रत्येक ग्रां प्री की पुरस्कार राशि 10,300 डालर है जिसमें से विजेता को 3,000 डालर मिलेंगे।

पीसीबी सीईओ

इस साल एशिया कप होकर रहेगा, आईपीएल के लिए इसे नहीं टाला जा सकता

खेल डेस्क (एजेंसी)।

पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने कहा है कि आईपीएल के लिए एशिया कप नहीं टाला जाएगा। इसे पाकिस्तान की बजाए श्रीलंका या यूएई में कराया जा सकता है। पीसीबी के सीईओ वसीम खान के मुताबिक, एशिया कप टालकर आईपीएल के लिए जगह नहीं बनाई जाएगी। एशिया कप सितंबर-अक्टूबर में होना है। पाकिस्तान को मेजबानी करनी है। बीसीसीआई पहले ही साफ कर चुका है कि भारतीय टीम पाकिस्तान नहीं जाएगी। यही वजह है कि पाकिस्तान इस टूर्नामेंट को श्रीलंका या यूएई में शिफ्ट कराने की बात कर रहा है। 29 मार्च से होने वाला आईपीएल पहले ही अनिश्चितकाल के लिए टल चुका है। महामारी के चलते एशिया कप और फिर अक्टूबर-नवंबर में ऑस्ट्रेलिया में होने वाले टी-20 वर्ल्ड कप पर भी खतरा मंडरा रहा है। बीसीसीआई चाहता है कि अगर इनमें से एक भी टूर्नामेंट रद्द होता है तो उस वक्त आईपीएल करा लिया जाए। इस विकल्प पर विचार किया जा रहा है। वसीम खान ने मीडिया से कहा, ''एशिया कप होकर रहेगा। पाकिस्तान टीम इंग्लैंड दौरे से 2 सितंबर को लौटेगी। इसके बाद हम सितंबर या अक्टूबर में एशिया कप करा सकते हैं। हालात को देखते हुए इसे श्रीलंका में कराया जा सकता है। यदि वह इनकार कर देता है, तो फिर यूएई मेजबानी के लिए तैयार है।'' पीसीबी सीईओ ने कहा- पाकिस्तान ने श्रीलंका के सामने एशिया कप की अदला-बदली का प्रस्ताव रखा है। 2022 का टूर्नामेंट श्रीलंका में होना है। अगर इस साल टी-20 वर्ल्ड कप नहीं होता है, तो हम उसकी जगह अक्टूबर-नवंबर में भी एशिया कप करा सकते हैं। भारत-पाकिस्तान सीरीज की संभावना को वसीम ने खारिज कर दिया। उन्होंने कहा, ''यह अफसोस की बात है, लेकिन हमें अब भारत के साथ खेलने के बारे में भूलना होगा। दोनों देशों की सीरीज के लिए सरकारों से मंजूरी लेनी होगी। फिलहाल, भारत और पाकिस्तान के बीच सीरीज होना मुमकिन नहीं है। लिहाजा, इस बारे में अभी बात भी नहीं करना चाहिए।'' एशिया कप में कुल 6 टीमें हिस्सा लेंगी। ये हैं।

भारत, पाकिस्तान, श्रीलंका, अफगानिस्तान और बांग्लादेश। छठवीं टीम का फैसला क्वॉलिफायर के जरिए होगा। 1984 में पहला एशिया कप संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) में खेला गया था। टूर्नामेंट हर 2 साल में होता है। 2018 का एशिया कप भी यूएई में ही खेला गया था। टीम इंडिया अब तक 7, श्रीलंका 5 और पाकिस्तान 2 बार विजेता बना। बांग्लादेश टीम अब तक यह ट्रॉफी नहीं जीत पाई है।

राशिद लतीफ ने कहा पाकिस्तानी क्रिकेटर्स को अनप्रोफेशनल, प्रोटोकॉल तो फॉलो करो

नई दिल्ली (एजेंसी)।

पाकिस्तान क्रिकेट टीम के 10 क्रिकेटर और 25 स्टाफ सदस्यों के कोरोना पॉजीटिव आने से पाकिस्तान के पूर्व क्रिकेटर राशिद लतीफ बेहद खफा नजर आ रहे हैं। लतीफ ने एक चैनल के साथ बातचीत के दौरान कहा कि दुनिया में जब माहौल इतना खराब चल रहा है तो पाकिस्तानी क्रिकेटरों ने अपने अन-प्रोफेशनल रवैया सबको दिखा दिया। कोरोना काल के दौरान विश्व संगठन सभी को सोशल डिस्टेंसिंग और बचाव के अन्य तरीके अपनाने को कह रही है। ऐसे में पाक क्रिकेटरों का प्रोटोकॉल फॉलो न करना अच्छी बात नहीं है। लतीफ ने कहा- मैं भी एक दिन ग्राऊंड पर गया था। तब मैंने भी रोहेल नजीर से पर्याप्त दूरी बनाए हुई थी। आपको ऐसी स्थिति में सिर्फ प्रोटोकॉल को ध्यान रखना होता है। पाकिस्तान टीम ने ऐसा नहीं किया। पाकिस्तान के सभी प्लेयर खुली ग्राऊंड में एक साथ प्रैक्टिस कर रहे थे। जबकि इन्हें अलग-अलग जगह मुहैया करवाई जानी चाहिए थी। प्रोटोकॉल को फॉलो करना ही होगा।

बीते दिनों ही अपने 10 क्रिकेटरों फखर जमान, इमरान खान, काशिफ भट्टी, मोहम्मद हसनैन, मोहम्मद रिजवान, बता दें कि पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने बीते दिनों ही अपने 10 क्रिकेटरों फखर जमान, इमरान खान, काशिफ भट्टी, मोहम्मद हसनैन, मोहम्मद रिजवान, मोहम्मद हफीज, हारिस रऊफ, वहाब रियाज, शादाब खान और हैदर अली को कोरोना पॉजिटिव करार दिया था। इनमें से मोहम्मद हफीज ने दोबारा टेस्ट करवाकर दावा किया है कि वह टेस्ट में नेगेटिव है। इसके बाद से ही पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड पर सवाल खड़े हो रहे हैं।

अपने देश में रहने से अच्छा है कि इंग्लैंड दौरे पर जाये पाकिस्तानी टीम : होल्डिंग

नयी दिल्ली। वेस्टइंडीज के महान तेज गेंदबाज माइकल होल्डिंग का मानना है कि पाकिस्तानी टीम को कोरोना वायरस संक्रमण के तेजी से फैलाव के बीच अपने देश में रहने की बजाय इंग्लैंड दौरे पर चले जाना चाहिये । इंग्लैंड दौरे पर जाने वाले पाकिस्तान के 29 में से दस खिलाड़ी कोरोना वायरस जांच में पॉजिटिव पाये गए हैं । दोनों देशों के बोर्ड ने हालांकि कहा है कि इससे दौरे को कोई खतरा नहीं है । होल्डिंग ने अपने यूट्यूब शो ' मिकी . होल्डिंग नथिंग बैक ' में कहा ,'' ऐसा लगता है कि इस समय पाकिस्तान में रहने की बजाय इंग्लैंड में रहना अधिक सुरक्षित है ।'' उन्होंने कहा ,'' पाकिस्तानी टीम को अपने देश में रहने की बजाय इंग्लैंड चले जाना चाहिये । वहां पहुंचकर वे जैविक रूप से सुरक्षित माहौल में रहेंगे ।'' पाकिस्तान को तीन टेस्ट और तीन टी20 मैचों की श्रृंखला खेलने 28 जून को इंग्लैंड रवाना होना है । होल्डिंग ने इंग्लैंड में लॉकडाउन में ढील दिये जाने का हवाला देते हुए कहा कि इससे संकेत मिलता है कि वहां हालात सुधर रहे हैं । उन्होंने कहा ,'' अब छह फीट दूरी का नियम घटाकर तीन फीट या एक मीटर किया जा रहा है । वहां हालात सुधर रहे हैं । पाकिस्तानी टीम को वहां पहुंचने पर दो सप्ताह पृथकवास में रहना होगा जैसे कि मैं रह रहा हूं ।उसके बाद वे जैविक रूप से सुरक्षित क्षेत्र में रहेंगे ।'' होल्डिंग ने यह भी कहा कि अगर इंग्लैंड में लोग पाकिस्तानी टीम के दौरे पर ऐतराज करते हैं तो कोई गलत नहीं है ।उन्होंने कहा ,'' अगर कोई कहता है कि यह दौरा नहीं होना चाहिये तो वह ईसीबी या इंग्लैंड के लोग कह सकते हैं क्योंकि पाकिस्तानी क्योंकि पाकिस्तानी में संक्रमण तेजी से बढ रहा है ।'' उन्होंने कहा ,''यहां पहुंचने के बाद उन्हें कोई दिक्कत नहीं आयेगी, जैसे वेस्टइंडीज टीम को नहीं आई है ।''

पीसीबी को लगा झटका :

क्रिकेटर मोहम्मद हफीज ने दोबरा करवाया टेस्ट, निकले आए नेगेटिव

नई दिल्ली (एजेंसी) ।

पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड पर सीनियर क्रिकेटर मोहम्मद हफीज के एक खुलासे के बाद सवाल उठने शुरू हो गए हैं। दरअसल, बीते दिनों ही पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने कहा था कि टीम के 10 क्रिकेटर कोरोना पॉजीटिव पाए गए हैं। इन कोरोना पॉजीटिव क्रिकेटरों की लिस्ट में मोहम्मद हफीज भी थे। हफीज को जैसे ही पता चला कि वह पॉजीटिव आए है वह अपनी पूरी फैमिली को लेकर एक बार फिर से टेस्ट करवाने पहुंच गए। मजे की बात यह रही कि हफीज और उसकी पूरी फैमिली टेस्ट में नेगेटिव आई है। इस रिपोर्ट से कहीं न कहीं पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड के टेस्ट माणकों की पोल खुल गई है।

पाक बोर्ड ने फखर जमान, मोहम्मद हसनैन, मोहम्मद रिजवान, इमरान खान, काशिफ भट्टी, मोहम्मद हफीज और वहाब रियाज के अलावा हारिस रऊफ, शादाब खान और हैदर अली को कोरोना पॉजिटिव करार दिया था। बकौल हफीज- इतनी सतर्कता के बाद पॉजीटिव आने से वह हैरान थे। उन्हें डर था कि उनके घर वाले भी कहीं पॉजीटिव न हो इसलिए वह टेस्ट कराने चले गए। हफीज ने अपने ट्विटर अकाऊंट पर टेस्ट की रिपोर्ट डालकर दावा किया कि वह कोरोना टेस्ट में

नेगेटिव हैं। बता दें कि पाकिस्तान में कोरोना कहर बनकर टूटा है। बीते दिन की अगर रिपोर्ट देखें तो पाक में करीब 1.89 लाख लोग कोरोना पॉजीटिव आ चुके हैं। वहीं, पाक क्रिकेट की बात करें तो पीसीबी के टेस्ट करने के तरीकों पर सवाल उठने शुरू हो गए हैं। पीसीबी ने बीते दिनों 10 क्रिकेटरों के अलावा 25 और स्टाफ के सदस्यों को कोरोना पॉजीटिव बताया था। हफीज के खुलासे के बाद से पीसीबी की विश्वसनीयता पर सवाल उठ गए हैं।

संक्षिप्त समाचार

बोले- हां, मैंने छोटी-छोटी गलतियां कीं, मैं मुर्ख था : शाकिब अल हसन

नई दिल्ली । बांगलादेश के ऑलराऊंडर शाकिब अल हसन का कहना है कि क्रिकेट करियर के दौरान की गई छोटी-छोटी गलतियों के कारण वह सबक सीख चुके हैं। आईसीसी को बुकीज की जानकारी देने को शाकिब ने मुर्खतापूर्ण रवैया मानते हुए कहा कि मुझे पछतावा है। किसी को भी इस तरह के संदेश या कॉल (सटोरियों से) हल्के से नहीं लेना चाहिए। यही वह सबक है जो मैंने सीखा है। शाकिब ने कहा- आईसीसी की जांच में शामिल हो गया था। ईमानदार होने के लिए यही एकमात्र कारण है कि मुझे एक साल के लिए प्रतिबंधित किया गया था, अन्यथा मुझे पांच या 10 साल के लिए प्रतिबंधित कर दिया जाता। मुझे लगता है कि यह एक मूर्खतापूर्ण गलती थी जो मैंने की थी। क्योंकि मेरे अनुभव और मेरे द्वारा खेले गए अंतर्राष्ट्रीय मैचों की मात्रा और आईसीसी के भ्रष्टाचार-विरोधी आचार संहिता की मात्रा जो मैंने ली थी, उसके अनुसार मुझे वह निर्णय नहीं करना चाहिए था। शाकिब ने युवा क्रिकेटरों से भी ईमानदार बने रहने की अपील की। उन्होंने कहा कि अगर युवा क्रिकेटरों को लगता है कि उनके साथ किसी ने ऐसे संपर्क करने की कोशिश की है तो उसे हलके में न लें। बता दें कि क्रिकेट विश्व कप 2019 के दौरान शाकिब अल हसन ने शानदार प्रदर्शन किया था। 33 साल के शाकिब ने टूर्नामैंट में 606 रन बनाने के लिए 15 से ज्यादा विकेट भी ली थीं।

कराटे विश्व चैंपियनशिप 2021 तक के लिए स्थगित

मैड्रिड । विश्व कराटे महासंघ (डब्ल्यूकेएफ) ने इस वर्ष दुबई में नवंबर में होने वाली कराटे विश्व चैंपियनशिप को वैश्विक महामारी कोरोना वायरस 'कोविड-19' के मद्देनजर वर्ष 2021 तक के लिए स्थगित किए जाने की घोषणा की है। संचालन समिति ने 17 से 22 नवंबर, 2020 के लिए निर्धारित इस चैंपियनशिप को एक वर्ष के लिए स्थगित करने की मंजूरी दे दी है। यह इवेंट अब 16 से 21 नवंबर, 2021 में आयोजित होगा। डब्ल्यूकेएफ के अध्यक्ष एंटोनियो एस्पिनोस ने कहा- यह एक आसान फैसला नहीं है, लेकिन मौजूदा परिस्थितियों को देखते हुए विश्व चैंपियनशिप को पर्याप्त गारंटी के साथ आयोजित करना बहुत मुश्किल है। उन्होंने कहा- विश्व चैंपियनशिप के 50 वर्षों के हमारे इतिहास में यह पहला मौका है 1 उन्होंने कहा- विश्व चैंपियनशिप के 50 वर्षों के हमारे इतिहास में यह पहला मौका है उन्होंने कहा- विश्व चैंपियनशिप के 50 वर्षों के हमारे इतिहास में यह पहला मौका है जब हमें अपने सबसे बड़े कार्यक्रम के एक संस्करण को स्थगित करना पड़ रहा है।

1983 विश्व कप फाइनल से पहले मिले थे 25 हजार रुपए बोर्ड ने कही थी यह बात: श्रीकांत बोले

मुंबई (एजेंसी)।

पूर्व भारतीय बल्लेबाज के श्रीकांत ने कहा कि 1983 विश्व कप के फाइनल में उन्हें जीतने की जरा भी संभावना नहीं लगी थी क्योंकि पूरी टीम महज 183 रन पर सिमट गई थी लेकिन कप्तान कपिल देव की प्रेरणादायी बातें टीम को ट्राफी दिलाने में सफल रहीं। भारत ने इंग्लैंड में लाड्र्स पर खेले गये 1983 विश्व कप फाइनल में मजबूत वेस्टइंडीज टीम को 43 रन से शिकस्त दी थी। कपिल देव की अगुआई वाली टीम ने 183 रन पर सिमटने के बावजूद दो बार की चैम्पियन वेस्टइंडीज को 140 रन पर आउट कर दिया। इस यादगार जीत की 37वीं वर्षगांठ की पूर्व संध्या पर श्रीकांत ने उस शानदार मैच को याद किया। इस कम स्कोर वाले फाइनल में श्रीकांत 38 रन बनाकर शीर्ष स्कोरर रहे थे। श्रीकांत ने कहा कि वह जीत काफी बड़ी उपलब्धि थी और भारतीय क्रिकेट के लिए 'टर्निंग प्वाइंट' साबित हुई। उन्होंने कहा- यह भारतीय क्रिकेट और भारतीयों के लिए 'टर्निंग प्वाइंट' था। ऐसे समय में जब क्रिकेट में वेस्टइंडीज, आस्ट्रेलिया, न्यूजीलैंड और अन्य का दबदबा होता था, तब पूरी तरह से 'अंडरडॉग' भारतीय टीम विश्व चैम्पियन बन गई। पूर्व मुख्य चयनकर्ता ने याद किया कि बोर्ड अधिकारियों ने फाइनल में पहुंचने के लिए उनके लिए 25,000 रुपए के बोनस भी घोषणा की थी। श्रीकांत ने विनिंग द कप-1983 शो के दौरान कहा- फाइनल की पूर्व संध्या पर बोर्ड के शीर्ष अधिकारी, संयुक्त सचिव और हर कोई वहां था और एक छोटी बैठक हुई थी। उन्होंने कहा कि कल के फाइनल के बारे में चिंता मत करो, आप सब लोग इतनी दूर तक आए हो जो शानदार है। और कल यह मैच जीतते हो या नहीं, उन्होंने हम सभी के लिए 25,000 रुपए के बोनस की घोषणा कर दी। श्रीकांत ने कहा- हम इतने दबाव में नहीं थे। क्योंकि वेस्टइंडीज प्रबल दावेदार थी, वह 1975 और 1979 चैम्पियन थी। विश्व क्रिकेट में उसका दबदबा था, इसलिए हमने सोचा कि फाइनल तक पहुंचना ही बहुत बड़ी बात थी। श्रीकांत बोले- वेस्टइंडीज के मजबूत बल्लेबाजी लाइन-अप को और अपने 183 रन के स्कोर को देखते हुए हमे जरा भी उम्मीद नहीं लगी थी। लेकिन कपिल देव ने एक चीज कही थी और उन्होंने ऐसा नहीं कहा था कि हम जीत सकते हैं लेकिन उन्होंने कहा - देखो हम 183 रन पर आउट हो गए और हमें चुनौती पेश करनी चाहिए, आसानी से मैच नहीं गंवाना चाहिए।

हॉकी : श्रीजेश में लॉकडाउन में पढ़ डाली बहुत सारी किताबें

नई दिल्ली (एजेंसी)।

कोरोना वायरस महामारी के कारण लगभग तीन महीने बाद घर लौटे भारतीय हॉकी टीम के गोलकीपर पीआर श्रीजेश ने कहा है कि लॉकडाउन के दौरान काफी 'प्रेरणादायी' साहित्य पढ़कर वह मानसिक मजबूती बरकरार रखने में सफल रहे। श्रीजेश के पिता हृदय रोगी हैं और केरल में उनके दो बच्चे भी हैं और ऐसे में राष्ट्रीय टीम के इस गोलकीपर ने स्वीकार किया कि लॉकडाउन के दौरान नकारात्मक विचारों को दूर रखना मुश्किल था लेकिन वह अमेरिका की ट्रायथलीट जोआना जीगर की 'द चैंपियन्स माइंडसेट- एन एथलीट्स गाइड टू मेंटल टफनेस' किताब पढ़कर अपनी ऊर्जा का सही इस्तेमाल कर पाए। श्रीजेश ने कहा- यह काफी मुश्किल समय था क्योंकि हमारी जीवनशैली पूरी तरह से बदल गई थी। मुख्य चीज अपने विचारों में संतुलन बनाना था। मेरे पिता हृदय रोगी हैं और मेरे दो बच्चे हैं- छह साल की बेटी और तीन साल का बेटा। इसलिए मैं उनके स्वास्थ्य को लेकर अधिक चिंतित था क्योंकि दोनों अधिक जोखिम वाले आयु वर्ग में हैं।

उन्होंने कहा- एक तरफ तो मुझे घर की याद आ रही थी और दूसरी तरफ मैं घर जाकर उन्हें खतरे में नहीं डालना चाहता था क्योंकि यात्रा के दौरान वायरस से संक्रमित होने का खतरा था। श्रीजेश ने कहा- इसलिए शांति के लिए मैंने किताबों का सहारा दिया। लॉकडाउन के दौरान मैंने काफी किताबें पढ़ी, फिक्शन, नॉन फिक्शन से लेकर प्रेरणादायी किताबें। इसने मुझे अलग तरह से सोचने में मदद की।

केन के गोल से टोटेनहैम ने वेस्ट हैम को 2-0 से हराया

लंदन । हैरी केन के गोल से टोटेनहैम ने मंगलवार को इंग्लिश प्रीमियर लीग (ईपीएल) फुटबाल प्रतियोगिता में वेस्ट हैम को 2-0 से हराया। प्रीमियर लीग के कोरोना वायरस के कारण निलंबित होने से पहले लग रहा था कि केन के लिए यह सत्र समाप्त हो गया लेकिन अब वह अपने पुराने रंग में लौट आए हैं। प्रीमियर लीग में अपना 200वां मैच खेल रहे केन ने 82वें मिनट में टीम की तरफ से दूसरा गोल किया। यह उनका 2020 में पहला और लीग में कुल 137वां गोल है। लीग में अपने पहले 200 मैचों में केन से अधिक गोल केवल मैनचेस्टर सिटी के स्ट्राइकर सर्गियो एगुएरा (138) ने किए हैं। टोटेनहैम ने टामस सोसेक के 64वें मिनट में किए गए आत्मघाती गोल से बढ़त बनाई थी। इस जीत से टोटेनहैम ने यूरोपीय चैंपियनशिप में जगह बनाने की अपनी उम्मीदें बरकरार रखी हैं। उसके अब 31 मैचों में 45 अंक हैं और वह सातवें स्थान पर है। वेस्ट हैम इतने ही मैचों में 27 अंक के साथ 17वें स्थान पर है। इस बीच लीस्टरशर के गोलकीपर कास्पर शेमाइकल ने पहले हाफ में पेनल्टी को बचाया जिससे उनकी टीम ने ब्राइटन के खिलाफ मैच गोलरहित ड्रा खेला।

क्रिकेट की दुनिया में खूब नाम बना रहा है मोक्ष मुरगई

खेल डेस्क (एजेंसी)।

दिल्ली के 20 साल के लड़के ने अपने क्रिकेट कौशल से सभी को प्रभावित किया है। मोक्ष राज्य स्तर के पेशेवर क्रिकेटर हैं। मोक्ष ने विभिन्न श्रेणियों में राष्ट्रीय खेले हैं, - 14, 16 और 19। उन्होंने इंटरजोनल (जिला) और जोनल स्तर का क्रिकेट भी खेला है। उन्होंने देश भर में स्थानीय/टूर्नामेंट मैचों में कई रन बनाए हैं। उन्होंनेडीडीसीए लीग 2018-19 में 20+ विकेट के साथ 850 से अधिक रन बनाए हैं। वह एक बेहतरीन फील्डिंग कौशल के साथ एक ऑलराउंडर बल्लेबाज है। जब भी मौका दिया गया था, उसके बाहर प्रदर्शन के कारण, उसे 2019-20 के लिए सस से प्रायोजन/अनुबंध मिला।अपनी उपलब्धियों के साथ, उन्होंने 2018 में लखनऊ में एक टूर्नामेंट में भारत का प्रतिनिधित्व किया है। इसके अलावा उन्हें 2019-20 के लिए दिल्ली विश्वविद्यालय/डीयूएसयू के खेल अध्यक्ष के रूप में नियुक्त किया गया है। मोक्ष ने रेलवे की रणजी ट्रॉफी और अंडर 23 कैंप में भी भाग लिया है7 उन्होंने आगे कहा कि उनका परिवार, दोस्त हमेशा उन्हें उनके खेल से संबंधित एक सकारात्मक खिंचाव देते हैं और हमेशा उनकी यात्रा के दौरान उनका समर्थन करते हैं। मोक्ष दिन में 4-5 घंटे अभ्यास करता है, ताकि वह फिटनेस के मानक और अपने असाधारण क्रिकेट कौशल को बनाए रख सके।

उन्होंने 7 साल की उम्र से क्रिकेट खेलना शुरू कर दिया है। उन्होंने द लीजेंड धोनी से प्रेरणा लेकर खेलना शुरू किया। उन्होंने यह भी कहा, उस संघर्ष के बारे में जिसे उन्होंने अपनी क्रिकेट यात्रा के दौरान झेला है। 2019 में, वह एक गंभीर पीठ के मुद्दे से पीड़ित हुए परन्तु उन्होंने अपने सपने नहीं छोड़े और संघर्ष किया7 आजकल, लॉकडाउन के दौरान भी वह छत पर ही अपने सभी वर्कआउट सेशन कर रहे हैं।

मोक्ष ने कहा कि क्रिकेट ने उन्हें मानसिक के साथ-साथ शारीरिक रूप से भी बढ़ने में मदद की। उन्होंने अपने जीवन के मंत्र को भी साझा किया यदि आप समस्याओं पर ध्यान केंद्रित करते हैं, तो अधिक समस्याएं होंगी लेकिन यदि आप संभावनाओं पर ध्यान केंद्रित करते हैं तो आपके पास अधिक होंगे।

निशानेबाज मनु भाकर चला रही ट्रैक्टर, कर रही घुड़सवारी और पेंटिंग

चंडीगढ़। कोविड-19 महामारी का प्रभाव कम होता नहीं दिख रहा जिससे शीर्ष निशानेबाज मनु भाकर रोजमर्रा की एक जैसी ट्रेनिंग की बोरियत को खत्म करने के लिये खेतों में ट्रैक्टर चलाने के अलावा अपने शौक जैसे पेंटिंग और घुड़सवारी करने में समय बिता रही हैं। कोविड-19 महामारी के चलते अभी खेल गतिविधियां शुरू नहीं हो पायी हैं जिससे मनु हरियाणा के झज्जर जिले में अपने गांव गोरिया में ट्रेनिंग करने में जुटी हैं। अठारह वर्ष की निशानेबाज हालांकि शारीरिक और मानसिक रूप से फिट रहने के लिये अन्य चीजें भी कर रही हैं। मनु ने पीटीआई-भाषा से बातचीत में कहा, ''महामारी को शुरू हुए काफी समय हो चुका है। मैं पेंटिंग करने के अलावा घुड़सवारी कर रही हूं और खेतों में ट्रैक्टर भी चला रही हूं। '' तोक्यो ओलंपिक भी अगले साल तक स्थगित हो चुके हैं और कई अन्य प्रतियोगितायें भी स्थगित हो गयी या रद्द हो गयी हैं तो खिलाड़ियों के लिये ध्यान एकाग्रचित्त रखना चुनौती बन जाता है। उन्होंने कहा, ''मैं कड़ी ट्रेनिंग कर रही हूं और ध्यान केंद्रित किये हूं। '' उन्होंने कहा, ''योग और ध्यान इसमें काफी अहम भूमिका निभाते हैं, विशेषकर कोविड-19 द्वारा पैदा हुई इन मुश्किल परिस्थितियों में। इनसे मानसिक और शारीरिक समस्या निपटने में मदद मिलती है। जब आप ध्यान लगाते हो तो आप मानसिक रूप से काफी मजबूत होते हो, आप जानते हो कि एकाग्र कैसे हुआ जाये। '' यह पूछने पर कि जब चीजें सामान्य होंगी और खेल गतिविधियां शुरू होंगी तो खिलाड़ियों को किन किन चुनौतियों का सामना करना पड़ सकता है तो मनु ने कहा कि उनके लिये यह ज्यादा समस्या नहीं होगी। उन्होंने कहा, ''हमने हाल के दिनों में कोई टूर्नामेंट नहीं खेला। शिविर भी रद्द हो गये। लेकिन मैं अपने गृहनगर में ट्रेनिंग कर रही हूं ताकि मेरा ध्यान केंद्रित रहे। '' शिविर भी रद्द हो गये। लेकिन मैं अपने गृहनगर में ट्रेनिंग कर रही हूं ताकि मेरा ध्यान केंद्रित रहे। ''

...खूबसूरत आप माशाअल्लाह!

हर मौसम त्वचा के लिए नई चुनौतियाँ लेकर आता है। आपको चाहिए उचित देखभाल के तरीके। लेकिन क्या करें, क्या न करें के चक्कर में रह जाती हैं। हर मौसम में रूप को मिलना चाहिए ऐसा निखार कि देखने वाले बस देखते ही रह जाएँ। नियमित देखभाल और खान-पान का विशेष ध्यान रखना इसके गुरुमंत्र हैं। इसके अलावा इन्हें आजमाएँ-

- खीरा, टमाटर और लाल गाजर का रस समान मात्रा में लेकर 15-20 दिनों तक चेहरे पर रोज लगाएँ। धीरे-धीरे चेहरे की रंगत निखरने लगेगी।
- पुदीने का रस नियमित रूप से चेहरे पर लगाने से दाग-धब्बे हल्के पड़ जाते हैं।
- कच्चे आलू के रस को त्वचा पर कुछ दिन नियमित मलने से झुर्रियाँ धीरे-धीरे दूर हो जाती हैं।
- केले को मसल लें। इसमें थोड़ा-सा शहद और एक-दो बूँदें ग्लीसरिन की मिलाकर चेहरे पर मसाज करें, त्वचा कांतिमय हो जाएगी।
- हाथ-पैरों को नरम व मुलायम बनाने के लिए गर्म पानी में 1 चम्मच ऑलिव ऑइल, ग्लीसरीन और नीबू का रस डालकर उसमें हाथ-पैर डुबोकर रखें। इसके बाद बादाम के पावडर में दूध मिलाकर उससे मसाज करें।
- तिल को दूध डालकर पीस लें व उबटन की तरह लगाएँ। चेहरे व हाथ-पैर की धूल निकल जाएगी और चमक भी आ जाएगी।
- यदि आपकी त्वचा तैलीय है तो एक चम्मच नीबू का रस लें। उसमें एक चम्मच गुलाब जल और पिसा हुआ पुदीना मिलाकर 1 घंटे रखें। फिर चेहरे पर लगाकर 20 मिनट बाद धो लें। इससे चेहरे का चिपचिपापन दूर हो जाएगा।
- हर प्रकार की त्वचा में निखार लाने के लिए थोड़े-से चोकर में एक चम्मच संतरे का ज्यूस, एक चम्मच शहद व गुलाब जल मिलाएँ। इस पेस्ट को चेहरे और गर्दन पर लगाएँ। सूखने पर धो डालें।
- आँखों में जलन और थकावट महसूस होने पर आँखों के ऊपर गुलाब जल में भीगे रुई के फाहे रखने से लाभ होता है।
- दही का प्रयोग बहुत अच्छा रहता है। यह चेहरे को तो साफ करता ही है, साथ ही रोज चेहरे पर 20 से 30 मिनट के लिए केवल दही लगाकर रखने से सनबर्न नहीं होगा।

- स्नान से पहले बेसन, दही और चुटकी भर हल्दी का पेस्ट पूरे शरीर पर मलें। ताजगी महसूस होगी।
- नहाने के पानी में कुछ बूँदें यू डी कोलोन की डालें। ताजगी तो मिलेगी ही, शरीर भी महकता रहेगा।
- बालों व सिर की त्वचा को स्वस्थ रखने के लिए भिगोई हुई मैथी व नीम की पत्तियों का पेस्ट बनाकर बालों में लगाएँ एवं ताजा नारियल के रस से बालों को धोएँ।
- सिर में हिना लगाएँ। यह बालों के लिए अच्छा कंडीशनर है। साथ ही यह ठंडक भी देती है। एक मग पानी में एक नीबू का रस मिला लें। बाल धोने के बाद यह पानी सिर पर डाल लें। इससे बाल खिले-खिले रहते हैं।
- जहाँ तक संभव हो प्राकृतिक पेय पदार्थ जैसे गुलाब, खस और फलों का रस पिएँ। त्वचा साफ दमकती रहेगी।
- एक गिलास में पानी, बर्फ डालें। उसमें शहद, नीबू और पुदीने की पत्तियाँ डालकर पिएँ।
- तरबूज के रस में बर्फ, नीबू और गुलाब जल मिलाकर पिएँ।
- दिन में कम से कम 8-10 गिलास पानी पिएँ।
- नेल पॉलिश लगाने के बाद हाथों को 20 सेकंड तक एकदम ठंडे पानी में डुबोकर रखें। नेल पॉलिश तुरंत सूख जाएगी।
- नेल पॉलिश गाढ़ी हो गई हो तो शीशी को हल्के गर्म पानी में 15-20 मिनट डुबोकर रखने से वह पतली हो जाएगी।

गोल गप्पे

सामग्री : पूरी (मार्केट में रेडीमेड उपलब्ध), 250 ग्राम उबले हुए आलू, 50 ग्राम बूंदी पानी में भिगोई हुई, 100 ग्राम उबले हुए साबुत मूंग।

पानी की सामग्री : 100 ग्राम अमचूर पाउडर, 1 ग्लास पानी, 3 टीस्पून हरी धनिया-पुदीना की चटनी, आधा-आधा टीस्पून पीली मिर्च, नौसादर, इलायची पाउडर और शहद, 3-4 बूंदें नींबू का रस, 2 टीस्पून जलजीरा, 1/4 टीस्पून कालीमिर्च पाउडर, काला सफेद नमक स्वादानुसार और चुटकीभर हींग।

विधि : अमचूर को पानी में 3-4 मिनट तक उबालें और पानी छान लें। इस अमचूर पानी में पानी की शेष सामग्री मिला लें। पूरी में पहले आलू, मूंग और बूंदी डालें। पानी के साथ सर्व करें।

ज्वेलरी केयर के टिप्स

बहुमूल्य रत्नों के अपने आभूषणों, जिन्हें आप चाहे रोज पहन रही हों या कभी-कभी पहनती हों, की बीच-बीच में जांच अवश्य करती रहें। देखें कि कहीं उसमें लगे रत्न हिल तो नहां रहे या फिर उनमें दरार या किसी किस्म की लाइन तो नहीं आ गई है।

- जब आप ज्वेलरी पहनें तो उसके ऊपर परफ्यूम या कॉस्मेटिक न लगाएं। मेकअप करने के बाद ही उन्हें पहनें।
- सोने, चांदी या जेम स्टोन की ज्वेलरी पसीने या किसी किस्म की चिकनाई लगने से अपनी चमक खो देती है, इसलिए उनकी चमक व रंग बरकरार रखने के लिए हफ्ते में एक बार उन्हें साबुन के पानी से अवश्य साफ करें।
- हमेशा ज्वेलरी को साफ और सूखे डिब्बे या पाउज में रखें।
- मानसून में ज्वेलरी में नमी आ जाती है, इसलिए उन्हें रखने के लिए सिलिका जैल सेशैट्स का इस्तेमाल करें। इन सेशैट्स को अपने ज्वेलरी बॉक्स में रख लें।
- आप मलमल के कपड़े या टिश्यू पेपर में भी अपनी ज्वेलरी को लपेटकर रख सकती हैं।
- प्लैटिनम व गोल्ड की ज्वेलरी को नॉन-एबरेसिव क्लीनिंग एजेंट से साफ न करें।
- कभी भी गोल्ड व सिल्वर की ज्वेलरी को न तो साथ पहनें और न ही रखें। अगर आप दो साथ-साथ की उंगलियों में सिल्वर व गोल्ड की अंगूठियां पहनती हैं तो कुछ समय बाद गोल्ड की रिंग सफेद होने लगती है। एक साथ बहुत सारी ज्वेलरी रखने से उनमें रगड़ लग सकती है। इस बात का खयाल रखें।
- एक्सरसाइज या किसी तरह की शारीरिक गतिविधि करते हुए जेम स्टोन की ज्वेलरी न पहनें।
- सारी ज्वेलरी को एक ही बॉक्स में न रखें, क्योंकि हर स्टोन व मेटल का घनत्व अलग होता है और एक ही जगह उन्हें रखने से हल्के व बारीक काम की ज्वेलरी टूट सकती है।
- स्वीमिंग करते हुए कभी ज्वेलरी न पहने रहें। क्लोरीनयुक्त पानी से वे खराब हो सकती हैं। इन ज्वेलरी को कभी भी उबलते पानी में डालकर साफ न करें और न ही टूथपेस्ट से उन्हें रगड़ें।

हेल्थ प्लस

सिर में दर्द है क्या ?

सिर दर्द की समस्या किसी को भी और कभी भी हो सकती है। इसलिए अक्सर इसे गंभीरता से नहीं लिया जाता, लेकिन कई बार सिर दर्द जानलेवा भी हो सकता है। इसलिए जब भी सिर दर्द हो, लापरवाही न बरतें...

सिर दर्द को अधिकतर लोग गंभीरता से नहीं लेते और पेन किलर खाकर इससे निजात पा लेना चाहते हैं, लेकिन सिर दर्द किसी रोग का लक्षण भी हो सकता है। इसलिए इसे कभी हल्के से न लें। यह जानलेवा भी हो सकता है। अक्सर देखा गया है कि सिर दर्द या माईग्रेन का दर्द महिलाओं में ज्यादा होता है।

इसलिए होता है

जिगर या पिताश्य में खराबी, पेट में गैस, कब्ज, गर्दन के भाग में रीढ़ की हड्डी में कोई विकार, हाई ब्लडप्रैशर, पुराना जुकाम, नजला, कान या दांत का दर्द, नसों में खिंचाव, सिर में चोट लगना, ट्यूमर, तिल्ली का बढ़ना, मानसिक अशांति, मौसम का प्रभाव, अधिक गर्मी या हवा लगना, ठंडक से अचानक गर्म कमरे में आना, दिमागी काम अधिक करना, आंखों पर अधिक जोर डालना, नजर की कमजोरी, अधिक सोच-विचार या चिंता, ज्यादा एक्सरसाइज या मेहनत करना, रोजाना ट्रैवल करना, कुछ लोगों को विशेष, वस्तुएं खाने से भी सिर दर्द होता है।

न करें ऐसा

सिर दर्द होने पर कई लोग पेन किलर्स ले लेते हैं। इन्हें लेने से कुछ समय के लिए तो दर्द से राहत मिल जाती है, परंतु इससे रोग बढ़ने की संभावना अधिक रहती है। डॉक्टर की सलाह के बगैर कोई मैडिसिन नहीं लेनी चाहिए। इससे नुकसान हो सकता है।

डॉक्टर की सलाह

उत्तरी और दक्षिणी ध्रुव से तैयार किया जल, जो ताम्बे के बर्तन में हो, उसे सुबह खाली पेट (दांत साफ करने से पहले) सेवन करें। इसकी मात्रा 60-70 मिलि से अधिक ना हो। चुम्बकीय जल सुबह और रात को भोजन खाने के दो घंटे बाद लेना चाहिए। दिन में दो या तीन बार किसी भी समय उत्तरी और दक्षिणी ध्रुव से तैयार की गई पट्टी सिर पर बांध लेनी चाहिए। उत्तरी ध्रुव से तैयार किए गए तेल से गर्दन, कनपट्टियों, हथेलियों, तलवों और रीढ़ की हड्डी पर रात को सोने से पहले मालिश करने से लाभ होता है। मालिश यदि मसाजर से की जाए, तो बढ़िया है। गले में चुम्बकीय माला धारण करें, जो स्नान से 1/2 घंटा पहले उतार दें। स्नान के बाद फिर पहन लें। कानों में चुम्बकीय टॉपस सुबह स्नान के बाद पहन लें और रात को सोने से पहले उतार दें। जूतों में चुम्बकीय पतावे इस्तेमाल करें।

पावर मैट का प्रयोग करें। सुबह सैर और हल्का व्यायाम करें, लेकिन सर्दियों में सुबह की सैर से हानि हो सकती है। आधा सिर दर्द होने पर सिर पर चुम्बकीय पट्टी बांध कर अंधेरे कमरे में आखें बंद करके लेट जाएं, आराम मिलेगा। पौष्टिक भोजन लेना चाहिए। तली हुई वस्तुओं का सेवन हानिकारक है।

उम्रभर की दोस्त

दुनियाभर में काली मिर्च को मसालों का राजा कहा जाता है। प्राचीन काल में काली मिर्च को पवित्र माना जाता था और रोम व ग्रीस में इसे करंसी के तौर पर भी इस्तेमाल किया जाता था। यह पाचन क्रिया में बहुत मददगार है और गैस संबंधी समस्याओं को दूर करती है। काली मिर्च एंटी ऑक्सीडेंट है, जो फ्री रैडिकल्स से होने वाले नुकसान से बचाती है। बढ़ती उम्र में होने वाले दुष्प्रभावों जैसे नज़र कमजोर होना, स्किन पर झुर्रियां पड़ना, मांसपेशियां कमजोर होना, नर्वस डिस्ऑर्डर, याददाश्त कमजोर होना, जोड़ों की समस्याएं इत्यादि में काली मिर्च फायदा पहुंचाती है। एंटी बैक्टीरियल क्वालिटीज के कारण बैक्टीरियल इंफैक्शन होने पर यह बिना किसी साइड इफैक्ट के लाभ पहुंचाती है।

याद नहीं रहता क्या?

उम्र के एक पड़ाव पर इंसान के दिमाग में नए टिश्यू बनना बंद हो जाते हैं और धीरे-धीरे उसकी मानसिक क्रियाशीलता भी लगातार कम होने लगती है। बुजुर्गों की इस आम बीमारी अल्जाइमर्स में मरीज को भूल जाने की समस्या हो जाती है...

अल्जाइमर्स दिमाग की एक ऐसी बीमारी या अवस्था है, जिसमें नर्व सैल्स या ब्रेन के सैल्स लगातार धीरे-धीरे खत्म होते जाते हैं, जिससे ब्रेन के याददाश्त या मैमोरी संबंधित जो कार्य होते हैं, उनमें बदलाव आता है और व्यवहार तथा मैमोरी में फर्क पड़ जाता है। अधिकांश मामलों में यह बीमारी अधेड़ावस्था के बाद असर दिखाना शुरू करती है, परंतु यह भी देखने में आया है कि यह बीमारी 40 से 57 साल की उम्र के लोगों को भी प्रभावित करती है। यह बीमारी आनुवांशिक तौर पर भी देखी गई है।

अल्जाइमस में मुख्यत: तीन अवस्थाएं देखी जाती हैं, जो इस प्रकार हैं:

पहली अवस्था

याददाशत कम होना, वहम होना, जजमेंट कम होना, चीजों या व्यक्ति के प्रति दिलचस्पी कम होना, बार-बार भूलना, रोजमर्रा की जिंदगी में मुश्किल होना, चिड़चिड़ापन।

दूसरी अवस्था

शाम के समय बेचैनी होना, वहम का ज्यादा बढ़ना, याददाशत पहले से भी कमजोर होना, गर्म और ठंडे की सेंसेशन महसूस न होना, मलमूत्र पर कंट्रोल न रहना, बार-बार शब्दों को दोहराना, गुस्सा करना, लड़ना-झगड़ना, जिद्दी बनना, चाल का बिगड़ना।

तीसरी अवस्था

शब्दों को कठिनता से बोलना, घरवालों, मित्रों और निकट संबंधियों को न पहचानना, दूसरों पर पूर्णतया निर्भर होना। मलमूत्र पर बिल्कुल नियंत्रण न होना, नींद की बीमारी का बढ़ना, उठने-बैठने में असमर्थता, अंत में कोमा होना।

क्यों होता है ?

अल्जाइमर्स बीमारी क्यों होती है, इसका एकदम ठीक कारण अब तक ज्ञात नहीं हो सका है, हालांकि इसके कुछ जोखिम सूत्र जरूर पता चल चुके हैं। बीमारी बढ़ने का जोखिम उम्र के साथ बढ़ता जाता है। उदाहरण के तौर पर परिवार में यदि किसी को अल्जाइमर्स हुआ हो, तो उसके रक्त संबंधी भी उतने ही बड़े जोखिम पर हो सकते हैं। आनुवांशिक कारणों से 35-60 साल की उम्र में अल्जाइमर्स आमतौर पर अपना असर दिखाने लगता है।

डॉक्टर की सलाह

अल्जाइमर्स के उपचार के लिए या उससे बचने के लिए दिमाग में ब्लड सर्कुलेशन में सुधार एक प्रभावी चिकित्सीय उपचार हो सकता है। ऐसी दवाएं मौजूद हैं, जिनसे मानसिक क्षमता में होने वाली क्षति को कम किया जा सकता है। बीमारी की शुरुआती अवस्था में मरीज के अवसाद का इलाज किया जा सकता है, लेकिन अधिक समय तक नहीं।

- रोगी से सामान्य व्यवहार करें, उसका मजाक न उड़ाएं।
- रोगी के प्रति सहानुभूति रखें और धैर्य बनाए रखें।
- रोजाना इस्तेमाल में आने वाली चीजें जैसे ऐनक, घड़ी व डेंचर रोगी की पहुंच में रखें।
- रोगी के समीप कोई भी शार्प या घातक वस्तु जैसे चाकू इत्यादि न रखें।
- रोगी का बिस्तर आरामदायक हो, ताकि उसे अच्छी नींद आए।
- उसकी बातें ध्यान से सुनें।
- उसके साथ प्यार व सद्भाव से पेश आएं।
- सोते समय रोगी के गिरने का डर रहता है, इसलिए उसे ऊंचे बिस्तर पर न लिटाएं तथा बाथरूम भी बैड के नजदीक ही हो।
- मरीज से बहस न करें और उसे अकेला न छोड़ें। उसकी सुरक्षा का पूरा ख्याल रखें।
- रोगी को प्राणायाम, योगसाधना एवं व्यायाम के लिए भी प्रेरित करना चाहिए।

औषधियां

ब्राह्मी चूर्ण या ब्रह्मी वटी, शंखपुष्पी चूर्ण, अश्वगंधा चूर्ण, जरामांसी धृत, बर्चचूर्ण, सारस्वतारिष्ट, ब्रह्मी तैल ज्योतिष्मती तैल, कूष्मांडधृत, उस्तूरकूदस चूर्ण और सर्पगंधावटी का योग भी लाभकारी है।

बचाव

एक्सरसाइज, कोलेस्ट्रॉल की मात्रा में कमी और उच्च तनाव को नियंत्रित कर इस रोग से बखूबी बचा जा सकता है। एंटीऑक्सीडेंट्स, विटामिंस तथा अच्छे खान-पान से इस बीमारी को थोड़ा और दूर धकेला जा सकता है। अगर लोग शुरू में ही एहतियाती कदम उठाएं, तो इस बीमारी से बचा जा सकता है।

सेलफोन से फैलते हैं जीवाणु

अस्पताल के कर्मचारियों के सेलफोन में जीवाणु पाए जाते हैं, जिसमें दवा प्रतिरोधी एमआरएसए सुपरबग भी है। यह संक्रमण का कारण हो सकता है।

तुर्की की ओंडोकुज मेईस यूनिवर्सिटी के शोधकर्ताओं ने फातमा उल्गर के नेतृत्व में सेलफोनों की जांच की और अस्पताल के संचालन कमरों और गहन चिकित्सा कक्ष (आईसीयू) में काम करने वाले 200 डॉक्टरों और नर्सों के फोन का अध्ययन किया।

करीब 95 फीसदी मोबाइल फोन एक ही तरह के जीवाणु से प्रभावित थे और इससे स्किन इंफैक्शन से लेकर खतरनाक बीमारी तक हो सकती है। सबसे चिंताजनक बात है कि आठ में से एक हैंडसेट में मेथासिलीन प्रतिरोधी स्टाफाइलोकोकस आरस (एमआरएसए)जीवाणु पाया गया, जो सेहत के लिए काफी खतरनाक है।

शोध के लेखकों ने चेतावनी दी है कि मोबाइल फोन संक्रमण की खान बन गए हैं। इनसे होने वाला संक्रमण तेजी से एक मरीज से दूसरे मरीज तक पहुंचता है। यह जीवाणु वेंटीलेटर ट्यूब्स की मदद से शरीर में प्रवेश कर जाता है और निमोनिया तथा ब्लड में होने वाली इंफैक्शन का कारण बनता है। यह बैक्टीरिया स्वस्थ लोगों के लिए जितना नुकसानदेह है उतना ही अस्पताल में भर्ती मरीजों को कमजोर करने में भी तेज है।

मोबाइल फोन की एल्कोहल मिले क्लीनर या एंटी माइक्रोबियल मैटीरियल से सफाई की जानी बेहद जरूरी है। यह शोध बायोमेड सेंट्रल के एनल्स ऑफ क्लीनिकल माइक्रोबायलॉजी एंड एंटी माइक्रोबियल में प्रकाशित हुआ है।

अमेरिका के राष्ट्रीय सांख्यिकी ब्यूरो की रिपोर्ट के मुताबिक, 'अस्पतालों में फैलने वाले 60 फीसदी संक्रमण का कारण एमआरएसए है।'

क्रांति समय

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

‘प्रसाद’ के तहत 50 करोड़ की परियोजना से छोटा काशी और गुप्त गंगा का होगा कायाकल्प

साम्बा(एजेंसी) ।

लेफ्टिनेंट गवर्नर गिरीश चंद्र मुर्मू ने पुरमंडल-उत्तरवाहिनी का दौरा किया। उनके साथ उपायुक्त साम्बा रोहित खजूरिया, एसएसपी शक्ति पाठक और अन्य वरिष्ठ अधिकारी भी थे। इस दौरान उपराज्यपाल ने पुरमंडल-उत्तरवाहिनी धार्मिक पर्यटन सर्किट के विकास की परियोजना के बारे में पूछताछ की। उन्हें बताया गया कि ‘पिलग्रिमेज रेजुवेनेशन एंड स्प्रीचुअल हेरिटेज ऑगमेंटेशन ड्राइव’ (प्रसाद) यानी ‘तीर्थयात्रा कायाकल्प एवं आध्यात्मिक संवर्धन मुहिम’ योजना के तहत 50 करोड़ रुपए की अनुमानित लागत वाली परियोजना को भारत सरकार के पास अनुमोदन और वित्त पोषण के लिए भेजा गया है। उपराज्यपाल ने कहा कि यूटी सरकार आध्यात्मिक और धार्मिक महत्व के स्थानों के विकास पर विशेष ध्यान दे रही है और इस दिशा में सभी हितधारकों द्वारा समन्वित प्रयासों का आह्वान किया गया है।

उन्होंने कहा कि जम्मू-कश्मीर में एक प्रमुख धार्मिक और तीर्थ पर्यटन स्थल होने की व्यापक संभावना है और सरकार इस क्षेत्र में अपार संभावनाओं के दोहन के लिए दृढ़ प्रयास कर रही है। उन्होंने कहा कि कोविड-19 महामारी के कारण मौजूदा स्थिति के बीच श्रद्धालुओं में घातक वायरस के प्रसार को रोकने के लिए धार्मिक स्थानों को बंद कर दिया गया है, लेकिन जल्द ही स्थिति सामान्य हो जाती है, तो सरकार धार्मिक स्थलों की विकास प्रक्रिया में तेजी लाएगी। उपराज्यपाल ने कहा कि पुरमंडल और उत्तरवाहिनी जैसे धार्मिक स्थानों का विकास अधिक पर्यटकों को आकर्षित करेगा जो अंततः क्षेत्र की अर्थव्यवस्था को एक उत्साह प्रदान करेगा।

उपराज्यपाल ने श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए मनरेगा या किसी अन्य योजना के तहत पुरमंडल में मंदिर परिसर के लिए ट्रैक के निर्माण का निर्देश दिया उपराज्यपाल ने श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए मनरेगा या किसी अन्य योजना के तहत पुरमंडल में मंदिर परिसर के लिए ट्रैक के निर्माण का निर्देश दिया उपराज्यपाल ने श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए मनरेगा या किसी अन्य योजना के तहत पुरमंडल में मंदिर परिसर के लिए ट्रैक के निर्माण का निर्देश दिया और अधिकारियों से क्षेत्र की विकासात्मक आवश्यकताओं का आकलन करने के लिए कहा। उन्होंने आध्यात्मिक विरासत के विकास के लिए लिए कहा। उन्होंने आध्यात्मिक विरासत के विकास के लिए एक उचित तंत्र लगाने के निर्देश भी दिए।

पुडुचेरी में एक दिन में कोरोना के 59 नए केस, किरण बेदी ने किया अलर्ट- बढ़ सकते हैं मामले

नेशनल डेस्क(एजेंसी)।

पुडुचेरी में पिछले चौबीस घंटे में कोरोना के 59 नए मामले सामने आए जिसके बाद संघ शासित क्षेत्र में संक्रमण के कुल मामले बढ़कर 461 हो गए। स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग की ओर से जारी सूचना में कहा गया कि बुधवार सुबह 10 बजे तक पिछले चौबीस घंटे के दौरान संघ शासित प्रदेश में संक्रमण के 59 नए मामले सामने आए। पुडुचेरी में अब तक कोविड-19 के 176 मरीज ठीक हो चुके हैं और 276 मरीजों का इलाज चल रहा है। संघ शासित प्रदेश में अब तक इस महामारी से नौ लोगों की मौत हो चुकी है। संक्रमण के मामलों में वृद्धि के बीच उप राज्यपाल किरण बेदी ने आशंका जताई है कि यदि लोग सामाजिक दूरी का पालन नहीं करेंगे और मास्क नहीं लगाएंगे तो वह दिन दूर नहीं जब पुडुचेरी में प्रतिदिन सौ मामले सामने आने लगेंगे। बेदी ने कहा कि निजी उद्योगों के प्रबंधकों को भी यह सुनिश्चित करना चाहिए उनके कारखानों में काम करने वाले लोग लॉकडाउन के नियमों का पालन करें, मास्क लगाएं, सेनेटाइज करें और सामाजिक दूरी का पालन करें।

बेदी ने कहा कि पुडुचेरी में पहले ही एक-दो उद्योगों में 9 के कई मामले सामने आ चुके हैं। उन्होंने कहा कि पुडुचेरी में संक्रमण के मामले लगातार बढ़ रहे हैं। इस बीच स्वास्थ्य मंत्री मल्लादी कृष्ण राव ने कहा कि पूरे संघ शासित प्रदेश के गांवों में वीरवार से की जांच के वास्ते मोबाइल वैन भेजी जाएंगी।

कौन दिलाएगा शिवराज के नए मंत्रियों को शपथ, आनंदीबेन पटेल या अनुसुइया उइके

भोपाल। राज्यसभा चुनाव के बाद शिवराज मंत्रिमंडल के विस्तार की चर्चा भी तेज हो गई है। सीएम शिवराज सिंह चौहान ने संकेत दिए हैं कि बहुत जल्द उनके मंत्रिमंडल में नए मंत्री शामिल होंगे, लेकिन राज्यपाल लालजी टंडन के अस्वस्थ होने के कारण मप्र में मंत्रिमंडल विस्तार अब कार्यवाहक राज्यपाल बनाकर होगा। बताया जा रहा है कि इसके लिए छत्तीसगढ़ या फिर यूपी की राज्यपाल को कार्यवाहक गवर्नर के तौर पर प्रभार सौंपा जा सकता है। मध्य प्रदेश में मंत्रिमंडल का विस्तार जल्द होने वाला है। इसको लेकर लेकर मध्य प्रदेश भवन में सीएम के कमरे को भी सैनिटाइज किया जा रहा है। उत्तर प्रदेश की राज्यपाल आनंदी बेन पटेल या छत्तीसगढ़ की राज्यपाल उइके को मध्य प्रदेश के राज्यपाल का अतिरिक्त प्रभार सौंपा जा सकता है। यह प्रभार मध्य प्रदेश के वर्तमान राज्यपाल लाल जी टंडन के स्वस्थ होने तक रहेगा। जल्द ही केंद्रीय मंत्रिमंडल की सिफारिश पर राष्ट्रपति की तरफ से इस पर फैसला लिया जाएगा। सिफारिश पर राष्ट्रपति की तरफ से इस पर फैसला लिया जाएगा। सिफारिश पर राष्ट्रपति की तरफ से इस पर फैसला लिया जाएगा। बता दें कि मध्य प्रदेश के राज्यपाल लालजी टंडन का इलाज लखनऊ के एक निजी अस्पताल में चल रहा है। हालांकि उनकी सेहत में सुधार है लेकिन उनके अस्पताल से जल्द डिस्चार्ज होने की संभावना नहीं है।

मोदी सरकार पर राहुल गांधी का वार- देश में महामारी और पेट्रोल की कीमतें बढ़ोतरी

नेशनल डेस्क। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने पेट्रोल और डीजल की कीमत में लगातार बढ़ोतरी को लेकर बुधवार को नरेंद्र मोदी सरकार पर निशाना साधा। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार ने कोरोना महामारी एवं पेट्रोलियम उत्पादों के दाम को ‘अनलॉक कर दिया है। राहुल गांधी ने कोरोना वायरस के मामले बढ़ने और पेट्रोल-डीजल के दाम बढ़ने से जुड़ा एक ग्राफ शेयर करते हुए ट्वीट किया कि मोदी सरकार ने कोरोना महामारी और पेट्रोल-डीज़ल की क़ीमतें अनलॉक कर दी हैं। बता दें कि सरकारी पेट्रोलियम विपणन कंपनियों की मूल्य के संबंध में अधिसूचना के अनुसार 17 दिन तक लगातार वृद्धि के बाद बुधवार को पेट्रोल के दाम नहीं बढ़ाए गए हैं। वहीं, डीजल कीमतों में देशभर में 48 पैसे प्रति लीटर की वृद्धि की गई है। दिल्ली में अब डीजल का दाम 79.88 रुपये प्रति लीटर हो गया है। वहीं, पेट्रोल की कीमत 79.76 रुपये प्रति लीटर है।

महिला बैंककर्मी के साथ पुलिस कांस्टेबल की मारपीट का वीडियो वायरल सीतारमण ने कही बड़ी बात

नेशनल डेस्क(एजेंसी)।

गुजरात के सूरत में महिला बैंककर्मी के साथ एक पुलिस कांस्टेबल द्वारा मारपीट करते का वीडियो वायरल होने के बाद वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने सख्त लहजे में कहा कि यह सब बर्दाश्त नहीं होगा। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने बुधवार को कहा कि बैंक कर्मचारियों की सुरक्षा और सम्मान को नुकसान पहुंचाने की इजाजत किसी को नहीं दी जा सकती। वित्त मंत्री ने सूरत शहर के पुलिस आयुक्त आर. बी. ब्रह्मभट्ट के साथ यह मामला उठाया था, जिसके बाद कांस्टेबल को निलंबित कर दिया गया। सीतारमण ने ट्वीट किया कि मेरे कार्यालय को सूचित किया गया है कि पुलिस आयुक्त खुद केनरा बैंक की सरोली शाखा गए और उन्होंने कर्मचारियों को पूरे सहयोग का भरोसा दिलाया। आरोपी पुलिस कांस्टेबल को निलंबित कर दिया गया है। ट्विटर पर मंगलवार को कांस्टेबल द्वारा महिला बैंककर्मी के साथ मारपीट का वीडियो वायरल हुआ था। यह कांस्टेबल वर्दी में भी नहीं था। उसके बाद सोशल

मीडिया प्लेटफार्म पर ‘शेमसूरतपुलिस’ ट्रेंड करने लगा था।

वीडियो में सूरत के केनरा बैंक की एक शाखा में महिला बैंककर्मी के साथ बैंक के भीतर ही एक पुलिस कांस्टेबल को मारपीट करते हुए देखा जा सकता है। सीतारमण ने कहा कि हमारी इस मामले पर नजदीकी नजर है। सभी बैंककर्मियों की सुरक्षा हमारे लिए महत्वपूर्ण है।

दिल्ली में मानसून के बादलों की दस्तक, कई इलाकों में जमकर बरसात... आज भी बारिश का अलर्ट

नेशनल डेस्क(एजेंसी)।

राष्ट्रीय राजधानी में मानसून के बादलों की दस्तक के साथ ही बुधवार को कई इलाकों में जमकर बारिश हुई। शहर के कई इलाकों और प्रमुख चौराहों पर पानी भरने से यातायात भी बाधित हुआ। भारत मौसम विज्ञान के महानिदेशक मृत्युंजय महापात्रा ने कहा कि मानसून के बादलों ने दिल्ली में दस्तक दे दी है। कई स्थानों पर बारिश हुई है। पूर्वानुमान के अनुरूप गुरुवार को मानसून के आने की घोषणा की जाएगी। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) के क्षेत्रीय पूर्वानुमान केन्द्र के प्रमुख कुलदीप श्रीवास्तव ने कहा कि मानसून के बादलों के कारण ही शहर के कई हिस्सों में बारिश हुई।

श्रीवास्तव ने कहा कि मानसून के आगमन की घोषणा करने के लिए सभी मौसम केन्द्रों से पिछले 24 घंटे का (सुबह साढ़े आठ बजे तक) बारिश का आंकड़ा चाहिए होगा। सामान्य तौर पर दिल्ली में मासनसून 27 जून को पहुंचता है। मौसम विभाग ने गुरुवार को राष्ट्रीय राजधानी में भारी बारिश की संभावना जताई है। मौसम वैज्ञानिकों के अनुसार अगले तीन दिनों तक बारिश के साथ तापमान के 36 डिग्री सेल्सियस के आसपास रहने की संभावना है।

कोरोना 19- केजरीवाल के बाद अब सिसोदिया ने अमित शाह को लिखी चिट्ठी

नेशनल डेस्क(एजेंसी)।

दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के बाद अब दिल्ली के उप मुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह को पत्र लिखकर उनसे कोरोना -19 मरीजों के चिकित्सकीय मूल्यांकन के लिए सरकारी केन्द्र आने की अनिवार्यता खत्म करने की अपील की है। सिसोदिया ने बुधवार को एक ऑनलाइन प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि उन्होंने उप राज्यपाल अनिल बैजल को भी इस संबंध में मंगलवार को पत्र लिखा था लेकिन एलजी कार्यालय से आप सरकार को अभी तक कोई जवाब नहीं मिला है। सिसोदिया ने बुधवार को कहा कि यह अमित शाह मॉडल और केजरीवाल मॉडल की लड़ाई नहीं है। हमें वह व्यवस्था लागू करनी चाहिए जिसमें लोगों को परेशानी ना हो । उप मुख्यमंत्री ने कहा कि लोगों को नई व्यवस्था की वजह से काफी परेशानी हो रही है और उसे तुरंत खत्म किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि केन्द्रीय गृह मंत्री कोरोना -19 से निपटने के लिए किए जा रहे उपायों पर खुद नजर रख रहे हैं। सिसोदिया ने कहा कि शहर में पुरानी व्यवस्था लागू की जानी चाहिए, जिसके तहत मरीज के चिकित्सकीय मूल्यांकन के लिए जिला प्रशासन का एक दल उसके घर जाता था।

चीन को सबक सिखाने वाले जांबाजों के बीच पहुंचे सेना प्रमुख, हौसले को किया सलाम

नेशनल डेस्क(एजेंसी)।

भारत चीन के बीच जारी तनाव के बीच भारतीय सेना के चीफ जनरल एमएम नरवणे लद्दाख दौरे पर हैं। अपनी यात्रा के दूसरे दिन सेना प्रमुख ने बुधवार को पूर्वी लद्दाख में आगे के क्षेत्रों का दौरा किया और ऑपरेशनल स्थिति की समीक्षा की। सेना प्रमुख ने उच्च मनोबल के लिए सैनिकों की सराहना की और उन्हें उत्साह के साथ काम जारी रखने के लिए प्रेरित किया। सेना के सूत्रों के अनुसार प्रमुख जनरल एमएम ने तैनात जवानों को उनके शानदार काम, उत्साह और साहस के लिए प्रशस्ति पत्र भी प्रदान किया। इस दौरे के दौरान नरवणे चीन के साथ 22 जून की बैठक में हुए फैसले की एक-एक जानकारी भी लेंगे। इसमें 14वीं कोर कमांडर लेफ्टिनेंट जनरल हरिंदर सिंह और नॉर्दन आर्मी कमांडर लेफ्टिनेंट जनरल वाई के जोशी भी मौजूद रहेंगे। लेह पहुंचने के तुरंत बाद जनरल नरवणे ने मंगलवार को सेना के अस्पताल का दौरा किया जहां 15 जून को गलवान घाटी में घायल हुए 18 सैनिकों का उपचार चल रहा है। उन्होंने सभी घायल सैनिकों से बातचीत की और बहादुरी के लिए उनकी प्रशंसा की। बता दें कि एक संकरी घाटी में समझौते का उल्लंघन करते हुए चीन की सेना द्वारा निगरानी पोस्ट बनाए जाने को लेकर गलवान घाटी में संघर्ष हुआ जिसमें 20 भारतीय सैनिक शहीद हो गए। बता दें कि एक संकरी घाटी में समझौते का उल्लंघन करते हुए चीन की सेना द्वारा निगरानी पोस्ट बनाए जाने को लेकर गलवान घाटी में संघर्ष हुआ जिसमें 20 भारतीय सैनिक शहीद हो गए।

पिछले हफ्ते एयर चीफ मार्शल आर के एस भदौरिया ने लद्दाख और श्रीनगर हवाई अड्डों का दौरा किया था और क्षेत्र में किसी भी स्थिति से निपटने के लिए भारतीय वायुसेना की तैयारियों की समीक्षा की थी।

सोमवार को लेफ्टिनेंट जनरल सिंह ने चीन के साथ तनाव कम करने के लिए तिब्बत सैन्य जिले के कमांडर मेजर जनरल ल्यू लिन के साथ 11 घंटे बैठक की थी। बैठक में दोनों पक्ष पूर्वी लद्दाख में संघर्ष वाले सभी थानों से बैठक में दोनों पक्ष पूर्वी लद्दाख में संघर्ष वाले सभी थानों से ‘‘परस्पर सहमति के आधार पर ‘‘पीछे हटने पर सहमत हुए।

मुंबई के धारावी ने तोड़ दी कोरोना की कमर, शिवसेना - यह उत्साह जैसा

नेशनल डेस्क। मुंबई की धारावी झुग्गी बस्ती में कोविड-19 के नए मामलों की संख्या दस से नीचे पहुंच जाने को कोरोना वायरस को मात देना करार देते हुए शिवसेना ने बुधवार को अपनी पार्टी की अगुवाई वाली राज्य सरकार की सराहना की। इसके साथ ही पार्टी ने भाजपा की ओर संकेत करते हुए कहा कि इससे आलोचकों को माकूल जवाब मिल गया है। कोरोना वायरस से सबसे प्रभावित क्षेत्र यानी हॉटस्पॉट बनकर सामने आए धारावी में मंगलवार को महज पांच नए मामले सामने आए जो पांच अप्रैल के बाद से सबसे कम संख्या है। वहां कुल संक्रमितों की संख्या 2,189 है। शिवसेना ने अपने मुखपत्र ‘सामना के संपादकीय में लिखा कि धारावी में महामारी को फैलने से रोकना उत्सव की तरह है। जो लोग कोविड-19 संकट से निपटने में एमवीए सरकार की आलोचना कर रहे थे उन्हें जश्न के लिए आमंत्रित करना चाहिए। संपादकीय में लिखा कि राज्य सरकार और बृहन्मुंबई महानगरपालिका ने धारावी में कोरोना वायरस को फैलने से रोकने के मुश्किल काम के लिए वाहवाही बटोरी है। शिवसेना ने लॉकडाउन संबंधी नियमों और विभिन्न अन्य कदमों का पालन करने के लिए धारावी के लोगों का भी आभार जताया। धारावी में अपनायी रणनीति पर टिप्पणी करते हुए संपादकीय में कहा गया है कि बीएमसी प्रशासन ने संपर्क में आए लोगों का पता लगाने और जांच करने की प्रक्रिया तेज की और साथ ही लॉकडाउन संबंधी नियमों को सख्त बनाया। शिवसेना ने धारावी की सफलता के लिए बीएमसी आयुक्त आई एस चहल और मुंबई पुलिस आयुक्त परमबीर सिंह की भी तारीफ की। उसने कहा कि बहरहाल विषाणु के खिलाफ जंग अभी खत्म नहीं हुई है। महाराष्ट्र में अन्य जगहों पर मामले बढ़ रहे हैं। सबसे अधिक घनी आबादी वाली झुग्गी बस्ती धारावी में अप्रैल में कोरोना वायरस के 491 मामले सामने आए थे। उस समय हर 18 दिनों में संक्रमितों की संख्या दोगुनी हो रही थी।

संक्षिप्त समाचार

पुंछ में आतंकवादियों के ठिकाने का भंडाफोड़

जम्मू । सुरक्षा बलों ने जम्मू कश्मीर में पुंछ जिले के दूरस्थ गांव में आतंकवादियों के छुपने के ठिकाने का भंडाफोड़ किया और एक मशीन गन और 222 कारतूस बरामद किए हैं। पुंछ के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक रमेश अंग्रल ने मंगलवार को पीटीआई-भाषा को बताया कि 16 राष्ट्रीय राइफल्स और पुलिस के विशेष अभियान समूह (एसओजी) के संयुक्त खोज अभियान में ठिकाने का पता चला। उन्होंने बताया कि गांव में आतंकवादियों के छुपने का ठिकाना होने के बारे में खुफिया जानकारी मिली थी जिसके बाद सोमवार को खोज अभियान शुरू किया गया था। अधिकारी ने बताया कि अभियान के दौरान किसी को गिरफ्तार नहीं किया गया है।

रामबन के पास सड़क हादसा, आईएएफ जवान की मौके पर मौत

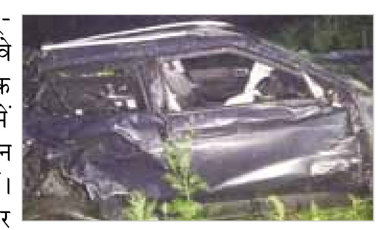

जम्मू। जम्मू-श्रीनगर नैशनल हाईवे पर बुधवार को एक सड़क हादसे में आईएएफ के जवान की मौत हो गई। पुलिस के अनुसार जम्मू से श्रीनगर की तरफ जा रही एक कार केलहा मोड़ पर अनियंत्रित होकर पलट गई। कार बिना आरसी के थी। उसमें भारतीय वायु सेना का जवान सफर कर रहा था और उसे बुरी तरह से चोटें आई। पुलिस के अनुसार उसे स्थानीय लोगों ने पुलिस की मद्द से फौरन अस्पताल पहुंचाया पर उसकी मौत हो चुकी थी। उसकी पहचान सलेक्शन ग्रेड चालक 38 वर्षीय केहर सिंह पुत्र झंडा सिंह सकीना निवासी डिगियाना के तौर पर हुई। मेडिकल औपचारिकताएं पूरी करने के बाद शव अंतिम संस्कार हेतु परिवार को सौंप दिया गया।

दुबई में पाकिस्तानी ने की भारतीय दंपत्ति की हत्या

दुबई। दुबई में एक भारतीय व्यक्ति और उनकी पत्नी की एक पाकिस्तानी व्यक्ति ने हत्या कर दी। आरोपी दंपत्ति के घर में चोरी करने के लिए घुसा था। गल्फ न्यूज ने मंगलवार को खबर दी कि हिरेन आधिया और विधि आधिया की एरेबियन रैंचेज स्थित उनके आवास में हत्या कर दी गई। उनकी उम्र 40 साल से ज्यादा थी। दुबई पुलिस ने आरोपी को 24 घंटे से भी कम वक्त में गिरफ्तार कर लिया। दुबई पुलिस के अपराध जांच विभाग के निर्देशक ब्रिगेडियर जमाल अल जल्लाफ ने बताया कि दंपत्ति की बेटी ने पुलिस को घटना की सूचना दी।अखबार ने अल जल्लाफ के हवाले से कहा कि पुलिस और फॉरेंसिक विशेषज्ञों की टीम दो मंजिला आवास पर पहुंची। व्यक्ति और उनकी पत्नी की हत्या की गई है। भारतीय व्यक्ति एक कंपनी में कार्यकारी प्रबंधक के तौर पर काम करते थे। उनके परिवार में 18 और 13 साल की दो बेटियां हैं। दुबई में भारतीय महावाणिज्य दूत ने दंपत्ति की पहचान कर ली है। पुलिस ने कहा कि संदिग्ध 18 जून को दरवाजा तोड़ कर घर में घुसा। उस वक्त परिवार सो रहा था। उसे बटुए में से 2000 दिरहम (41,229 रुपये) मिले तथा कीमती सामान की तलाश में वह अंदर शयनकक्ष में चला गया।अल जल्लाफ ने बताया इतने में व्यक्ति की आंख खुल गई तो हमलावर ने उनको चाकू मार दिया। उनकी पत्नी भी उठ गई और संदिग्ध ने उन पर भी चाकू से हमला कर दिया। वह तब तक उन्हें चाकू मारता रहा जब तक वे मर नहीं गए। जब उनकी 18 वर्षीय बेटी उठी और अपने माता-पिता को खून से लथपथ देखा तो हमलावर ने उसके गले पर भी चाकू मार दिया और भाग गया। बेटी को मामूली चोट आई और उन्होंने दुबई पुलिस को फोन किया।अधिकारियों को घर से एक किलोमीटर दूर चाकू मिला। उन्होंने हमलावर की पहचान कर ली जो संयुक्त अरब अमीरात के दूसरे अमीरात में रहता है।

इस्लामाबाद में पहले हिंदू मंदिर की आधारशिला रखी

इस्लामाबाद। पाकिस्तान ने राजधानी इस्लामाबाद में पहले हिंदू मंदिर के निर्माण की प्रक्रिया शुरू कर दी है। इस पर 10 करोड़ रुपये का खर्च आएगा। कृष्ण मंदिर राजधानी के एच-9 इलाके में 20,000 वर्ग फुट के प्लॉट पर बनाया जाएगा। मानवाधिकारों पर संसदीय सचिव लाल चंद माल्ही ने मंगलवार को मंदिर का शिलान्यास किया। लोगों को संबोधित करते हुए माल्ही ने कहा कि इस्लामाबाद और आसपास के इलाकों में 1947 से पहले के मंदिरों के कई ढांचे हैं, लेकिन उन्हें छोड़ दिया गया है और इस्तेमाल नहीं किया जाता है। डॉन न्यूज़ ने माल्ही के हवाले से कहा है कि बीते दो दशक में इस्लामाबाद में हिंदू आबादी खासी बढ़ी है, इसलिए मंदिर की जरूरत है। उन्होंने इस्लामाबाद में अल्पसंख्यक समुदाय के लिए शवदाह गृह की कमी की भी बात कही। खबर के मुताबिक, धार्मिक मामलों के मंत्री पीर नूर-उल-हक कादरी ने कहा कि सरकार मंदिर के निर्माण का खर्च उठाएगी जिसपर फिलहाल अनुमानित तौर पर 10 करोड़ रुपये का खर्च आएगा। खबर में मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारी के हवाले से कहा गया है कि कादरी ने मंदिर के लिए विशेष अनुदान का मामला प्रधानमंत्री इमरान खान के सामने रखा है। इस्लामाबाद हिंदू पंचायत ने मंदिर का नाम श्री कृष्ण मंदिर रखा है। राजधानी विकास प्राधिकरण (सीडीए) ने हिंदू पंचायत को मंदिर के लिए 2017 में ज़मीन दी थी, इस्लामाबाद हिंदू पंचायत ने मंदिर का नाम श्री कृष्ण मंदिर रखा है। राजधानी विकास प्राधिकरण (सीडीए) ने हिंदू पंचायत को मंदिर के लिए 2017 में ज़मीन दी थी, लेकिन कुछ औपचारिकताएं पूरी करने के कारण लेकिन कुछ औपचारिकताएं पूरी करने के कारण मंदिर के निर्माण में देरी हुई। मंदिर परिसर में एक श्मशान घाट भी होगा।

कुरैशी का आरोप : चीन के साथ विवाद से ध्यान हटाने के लिए पाकिस्तान पर हमले की साजिश रच रहा भारत

इस्लामाबाद।

पाकिस्तानी विदेश मंत्री शाह महमूद कुरैशी ने बुधवार को भारत पर आरोप लगाया कि वह चीन के साथ सीमा विवाद से अपने विपक्ष का ध्यान हटाने के लिए उनके देश पर हमले की साजिश रच रहा है। भारत ने एक दिन पहले ही पाकिस्तान से कहा था कि वह नयी दिल्ली स्थित अपने उच्चायोग से कर्मचारियों की संख्या में कटौती करे। कुरैशी ने 'जियो पाकिस्तान' चैनल से बातचीत करते हुए कहा, भारत का रुख स्पष्ट है (सब देख सकते हैं) क्योंकि वह चीन के साथ अपने सीमा विवाद से ध्यान पाकिस्तान की ओर हटाना चाहता है। उन्होंने दावा किया कि पाकिस्तान के खिलाफ भारत फॉल्स फ्लैग आपरेशन' (ऐसी शत्रुतापूर्ण कार्रवाई जिसमें कार्रवाई करने वाले की पहचान अस्पष्ट हो) शुरू करने का बहाना ढूंढ रहा है। लेकिन उन्होंने इसका कोई ब्यौरा नहीं दिया और न ही कोई सबूत दिया। उन्होंने चीन के साथ सीमा विवाद पर नरेंद्र मोदी सरकार की आलोचना का जिक्र करते हुए कहा, भारत में विपक्ष सवाल उठा रहा है कि उनकी सरकार जवाब नहीं दे रही है।

कुरैशी ने भारत को उनके देश पर कोई हमला करने से परहेज करने की चेतावनी देते हुए कहा कि अगर वह कोई दुस्साहस करता है तो पाकिस्तान पूरी ताकत से जवाब देगा। उन्होंने कहा कि भारत ने नयी दिल्ली में पाकिस्तानी राजनयिकों के खिलाफ जासूसी के बेबुनियाद आरोप लगाए हैं। इसके साथ ही उन्होंने आरोप लगाया कि भारत में पाकिस्तानी कर्मचारियों को परेशान किया गया और अधिकारियों द्वारा उनकी कारों का पीछा किया गया। कुरैशी ने कहा कि पाकिस्तान ने न केवल आरोपों की निंदा की, बल्कि उन्हें खारिज भी किया।

उन्होंने कहा कि इस्लामाबाद में भारतीय मिशन के प्रभारी को मंगलवार को तलब किया गया था और उनसे कहा गया कि भारतीय कर्मचारियों से भी ऐसा ही व्यवहार किया जाएगा।

चीन ने 4 और मीडिया संस्थानों के खिलाफ कार्रवाई को लेकर अमेरिका को दी चेतावनी

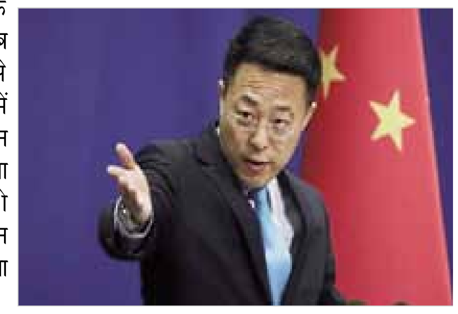

बीजिंग।

अमेरिका द्वारा चीन के चार और मीडिया संस्थानों को ''विदेशी मिशनों'' की सूची में डाले जाने के बाद चीन ने भी बदले की कार्रवाई करने की चेतावनी दी है। अमेरिका ने चीन की सरकार और सत्तारूढ़ कम्युनिस्ट पार्टी से संबंध होने के कारण चीन के चार और संस्थानों को 'विदेशी मिशन'' की सूची में डाला है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता झाओ लिजियान ने ट्रंप प्रशासन के इस कदम को अमेरिका द्वारा चीनी मीडिया के खुल्लमखुल्ला राजनीतिक दमन का एक अन्य उदाहरण बताया है। उन्होंने कहा कि इससे अमेरिका पर उनकी रिपोर्टिंग में हस्तक्षेप होगा और यह प्रेस की आजादी की अमेरिका की प्रतिबद्धता के साथ विश्वासघात है। झाओ ने कहा, ''हम अमेरिका से शीत युद्ध की मानसिकता और वैचारिक पूर्वाग्रह को खत्म करने का अनुरोध करते हैं और तत्काल इस गलत प्रथा को रोकने तथा इसे सही करने के लिए कहते हैं जिससे किसी का भला नहीं होगा वरना चीन आवश्यक वैध जवाब देगा।'' इससे पहले फरवरी में अमेरिका ने चीन के पांच मीडिया संस्थानों को विदेशी मिशन की श्रेणी में रखा था।

इस तरह चीन के कुल नौ मीडिया संस्थानों को विदेशी मिशन की श्रेणी में रखा गया है। अमेरिका ने सोमवार को 'चाइना सेंट्रल टेलीविजन', 'चाइना न्यूज सर्विस', 'द पीपुल्स डेली' और 'ग्लोबल टाइम्स' को विदेशी मिशन की श्रेणी में डाला है।

अमेरिका: बैकयार्ड पूल में भारतीय परिवार के 3 सदस्य मिले मृत

न्यूयॉर्क।

न्यू जर्सी में अपने घर के बैकयार्ड पूल में एक भारतीय परिवार के तीन सदस्य मृत पाए गए। 'एनजेडॉटकॉम' ने पुलिस के हवाले से कहा कि पूर्वी ब्रुंसविक में भरत पटेल (62), उनकी बहू निशा पटेल (33) और उसकी 8 वर्षीय बेटी सोमवार को दुर्घटनावश अपने बैकयार्ड पूल में डूब गए। 'न्यूयॉर्क पोस्ट' की खबर के अनुसार जांचकर्ता यह पता लगाने कि कोशिश कर रहे हैं कि परिवार के सभी सदस्य एक साथ कैसे डूब गए। साथ ही यह पता लगाने की कोशिश भी की जा रही है कि क्या वे ज्यादा अच्छे तैराक नहीं थे और गहराई में जाने पर घबरा गए।सार्वजनिक रिकॉर्ड के अनुसार उन्होंने अप्रैल में 4,51,000 डॉलर में यह घर खरीदा था। पड़ोसियों ने भी सोमवार को बैकयार्ड से चिल्लाने की आवाजें सुनाई देने की जानकारी दी। वहीं पुलिस के प्रवक्ता फ्रैंक सट्टर ने कहा, '' हमें लगता है कि मां मदद के लिए पूल के अंदर से चिल्ला रही थी।'' अधिकारियों ने बताया कि पुलिस ने उन्हें 'कार्डियोपल्मोनरी रिससिटेशन' (सीपीआर) देने की कोशिश की लेकिन सभी को मृत घोषित कर दिया। मयेर ब्रैड कोहेन ने हादसे पर शोक जताया है और परिवार के प्रति संवेदना जाहिर की है।

चीन-भारत सीमा पर अमन-चैन बनाकर रखना दोनों पक्षों के साझा हितों में : चीन

बीजिंग।

चीन और भारत को एक दूसरे का महत्वपूर्ण पड़ोसी बताते हुए चीन के विदेश मंत्रालय ने बुधवार को कहा कि चीन-भारत सीमा पर अमन-चैन बनाकर रखना दोनों पक्षों के साझा हितों में है और इसके लिए संयुक्त प्रयासों की जरूरत है। हालांकि चीन के विदेश और रक्षा मंत्रालयों ने अलग-अलग बयानों में बीजिंग के रुख को दोहराया कि पूर्वी लद्दाख में 15 जून को हुई दोनों देशों के सैनिकों की झड़प के लिए भारत जिम्मेदार है। रक्षा मंत्रालय के प्रवक्ता कर्नल वू कियान ने कहा कि दोनों रक्षा मंत्री फोन पर बातचीत कर रहे हैं। उन्होंने कहा, ''दोनों पक्षों ने सीमावर्ती क्षेत्रों में तनाव घटाने और शांति एवं स्थिरता बनाकर रखने पर गहन विचार-विमर्श के लिए 22 जून को दूसरी सैन्य स्तरीय वार्ता की थी।''

चीन और भारत को एक दूसरे का महत्वपूर्ण पड़ोसी बताते हुए वू ने कहा कि सीमा क्षेत्र में अमन-चैन बनाकर रखना दोनों पक्षों के साझा हितों में शामिल है और इसके लिए दोनों पक्षों के संयुक्त प्रयासों की जरूरत होगी। उन्होंने कहा, ''हमें उम्मीद है कि भारत और चीन एक-दूसरे के साथ बैठक करेंगे, दोनों देशों के नेताओं के बीच बनी महत्वपूर्ण सहमतियों को प्रभावी तरीके से लागू करेंगे, दोनों पक्षों के बीच करारों का सख्ती से पालन करेंगे और सभी स्तर पर वार्ता तथा संवाद के माध्यम से प्रासंगिक मुद्दों को उचित तरीके से सुलझाते रहेंगे। हम सीमा क्षेत्रों में तनाव कम करने और अमन-चैन बनाकर रखने के लिए संयुक्त प्रयास करेंगे।'' विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता झाओ लिजियान ने कहा कि दोनों पक्षों के विदेश मंत्रियों ने 17 जून को फोन पर बातचीत के दौरान इस गंभीर मसले पर न्यायोचित तरीके से निपटने पर सहमति जताई थी। उन्होंने कहा, ''दोनों पक्ष कमांडर स्तर की वार्ता में हुई सहमति का पालन करेंगे और हालात को यथासंभव जल्द शांत करेंगे।

संक्षिप्त समाचार

रूस में भारतीय सैनिकों ने चीनी रक्षामंत्री को दिखाया पराक्रम

इंटरनेशनल डेस्क। रूस की विक्ट्री डे परेड पूरी दुनिया के अलावा भारत के लिए भी बेहद खास रही। इस परेड की अहमियत इस बार इसलिए बढ़ गई क्योंकि गलवान में भारत का पराक्रम देखने के बाद चीन और हिंदुस्तान दोनों देशों के रक्षा मंत्री और दोनों देशों की सेनाओं का दल भी इस परेड में शामिल हुए। हांलाकि चीन का सरकारी मीडिया ग्लोबल टाइम्स दुष्प्रचार फैलाने से बाज नहीं आया> ग्लोबल टाइम्स ने दावा किया था कि चीन के रक्षामंत्री फेंग्हे और रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह की मॉस्को में मुलाकात होगी, लेकिन भारत ने ऐसी किसी भी मुलाकात से साफ इंकार कर दिया था। इस परेड के लिए चीन की पीपुल्स लिबरेशन आर्मी के 105 जवान भेजे गए, जबकि भारत ने मॉस्को में आज जारी परेड के लिए तीनों सेनाओं के 75 सैनिकों का दल भेजा जिसका नेतृत्व कर्नल रैंक के अधिकारी ने किया। गलवान में चीन को सबक सिखाने के बाद आज परेड में भारतीय सेना के दल का जोश बेमिसाल रहा और उनकी कदमताल में चीन को चेतावनी की आवाज भी यकीनन सुनाई दी। बता दें कि हर साल दूसरे विश्व युद्ध में सोवियत संघ की जीत के मौके पर ये विक्ट्री परेड निकाली जाकती है। पहले ये परेड मई में निकलनी थी, लेकिन कोरोना संकट की वजह से टल गई। रूस की राजधानी मास्को और सभी बड़े शहरों में हर साल मनाया जाने वाले विक्ट्री डे रूस में उत्सव की तरह मनाया जाता है। पहली विक्ट्री डे परेड 24 जून 1945 को आयोजित की गई थी जो मॉस्को के ऐतिहासिक रेड स्क्वायर पर निकाली गई थी।

सनकी किंग का बदला मूडः दक्षिण कोरिया के खिलाफ सैन्य कार्रवाई फिलहाल की स्थगति

इंटरनेशनल डेस्क। अपने विवादित कामों व अजीब मूड के दुनिया भर में जाने जाते उत्तर कोरियाके तानाशाह सनकी किंग किम जोंग-उन का दक्षिण कोरिया को लेकर मूड बदला नजर आ रहा है। द.कोरिया के साथ लगातार बढ़ रहे तनाव के बीच किम जोंग ने उसके खिलाफ सैन्य कार्रवाई फिलहाल स्थगित करने का फैसला किया है। प्योंगयांग की आधिकारिक समाचार एजेंसी 'कोरियन सेंट्रल न्यूज एजेंसी' के अनुसार उत्तर कोरियाई नेता किम जोंग-उन ने मंगलवार को वीडियो कॉन्फ्रेंस के जरिए सत्तारूढ़ वर्कर्स पार्टी के केन्द्रीय सैन्य आयोग की बैठक की अध्यक्षता की, जिसमें उत्तर कोरिया के सैन्य नेताओं द्वारा लाई गई दक्षिण के खिलाफ सैन्य कार्रवाई की योजनाओं को स्थगित करने का निर्णय लिया गया। केसीएनए ने हालांकि यह जानकारी नहीं दी कि यह निर्णय क्यों लिया गया। उधर दक्षिण कोरिया के एकीकरण मंत्रालय के प्रवक्ता, योह संग-की ने कहा कि वह उत्तर कोरिया की रिपोर्ट पर करीबी नजर रख रहे हैं। हालांकि इस संबंध में उन्होंने भी कोई विस्तृत जानकारी नहीं दी। 'फार ईस्टर्न स्टडीज' के सियोल संस्थान के विशेषज्ञ किम डोंग-यूब ने कहा कि ऐसा हो सकता है कि उत्तर कोरिया अब दक्षिण कोरियाई की तरफ से किसी कार्रवाई का इंतजार कर रहा हो और यह अपने दुश्मन के प्रति नरम रुख बरतने की बजाय खुद को मजबूत करने का एक तरीका हो। किम दक्षिण कोरिया के पूर्व सैन्य अधिकारी हैं, जिन्होंने अंतर-कोरियाई सैन्य वार्ता में भाग लिया था। उन्होंने कहा , '' यह स्पष्ट है कि उत्तर कोरिया ने कहा है कि उसने सैन्य कार्रवाई स्थगित की है, रद्द नहीं।''

चीनी मीडिया ने भारत को दिखाई आंख, जे-20 स्टील्थ लड़ाकू विमान को बताया राफेल से ज्यादा खतरनाक

नेशनल डेस्क। पूर्वी लद्दाख में गलवान घाटी में हुई हिंसक झड़प में 20 भारतीय जवानों की शहादत के बाद से ही भारत-चीन के बीच तनाव की स्थिति बनी हुई है। हालांकि मंगलवार को दोनों देशों की सेनाएं टकराव वाली जगह से पीछे हटने को तैयार हैं। पिछले दिनों से चले आ रहे तनाव के कारण दोनों देशों की सेनाओं की ताकत भी आंकी जा रही है कि अगर युद्ध जैसे हालात बने तो किस देश की सेना भारी पड़ेगी। चीन के सरकारी अखबार ग्लोबल टाइम्स का दावा है कि चीन के सामने भारत तो क्या रूस, फ्रांस और अमेरिका के हथियार भी मुकाबला नहीं कर सकते। ग्लोबल टाइम्स ने दावा किया कि चीन सेना के पास और स्व-चालित हॉवित्जर, '-10 अटैक हेलीकॉप्टर, और टाइप 15 और टाइप 99 टैंक जैसे क्षमता, मारक क्षमता और गतिशीलता के मामले में कहीं बेहतर हथियार हैं जिनका कोई मुकाबला नहीं है। इतना ही नहीं चीन की वायुसेना सबसे ज्यादा ताकतवर है। ग्लोबल टाइम्स का कहना है कि चीन एयरफोर्स के पास ऐसे जेट हैं जो जिनके सामने राफेल भी कहीं नहीं टिकता। चीन के लिए जे-20 स्टील्थ लड़ाकू विमान उतारना बहुत बड़ी सफलता मानी जाती है। ग्लोबल टाइम्स का दावा है कि भारत के पास अभी तक ऐसा कोई स्टील्थ विमान नहीं है जोकि दुश्मनों के रडार को तोड़ते हुए हमला कर सके। जोकि दुश्मनों के रडार को तोड़ते हुए हमला कर सके। दरअसल यह लड़ाकू विमान चीन की चेंगदू एयरोस्पेस कार्पोरेशन द्वारा चीनी वायु सेना के लिए किया गया है। राफेल भले ही एफ-16 पर भारी पड़ रहा हो लेकिन चीन के जे-20 श्रेणी के विमानों की चुनौती बड़ी है।

पाकिस्तान में कोरोना वायरस संक्रमण के 3,892 नए मामले, संक्रमितों की संख्या 1,88,926 पर पहुंची

इस्लामाबाद। पाकिस्तान में पिछले 24 घंटे में कोरोना वायरस संक्रमण के 3,892 नए मामले सामने आने के बाद संक्रमितों की संख्या 1,88,926 पर पहुंच गई। स्वास्थ्य मंत्रालय ने बुधवार को बताया कि इस संक्रामक रोग के कारण 60 और लोगों की मौत होने के साथ ही मृतकों की संख्या 3,755 पर पहुंच गई। मंत्रालय ने बताया कि देशभर में कोविड-19 के 3,337 मरीजों की हालत गंभीर है। उसने बताया कि बीते 24 घंटे में संक्रमण के 3,892 नए मामले सामने आने के बाद देश में संक्रमितों की संख्या 1,88,926 पर पहुंच गई है। सिंध में सबसे अधिक 72,656 मामले सामने आए हैं। इसके बाद पंजाब में 69,536 मामले, खैबर पख्तूनख्वां में 23,388, इस्लामाबाद में 11,483, बलूचिस्तान में 9,634, गिलगित-बाल्टिस्तान में 1,337 और पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर में 892 नए मामले सामने आए हैं। स्वास्थ्य अधिकारियों ने अभी तक कोरोना वायरस संक्रमण का पता लगाने के लिए 1,150,141 नमूनों की जांच की है जिनमें से 23,380 की जांच पिछले 24 घंटों में की गई।

पाक में एक और नाबालिग हिंदू लड़की का जबरन धर्मांतरण के बाद करवाया निकाह

इस्लामाबाद।

वैश्विक मंच पर कश्मीर में मानवाधिकारों की दुहाई देने वाले पाकिस्तान में हिंदुओं पर अत्याचार के मामले लगातार बढ़ते जा रहे हैं। यहां बड़े पैमाने पर हिंदू, सिख व ईसाई लड़कियों का धर्म परिवर्तन करवाकर उनका मुस्लिम युवकों से विवाह रचाया जा रहा है। ऐसी घटनाएं पाकिस्तान की इमरान सरकार द्वारा अल्पसंख्यकों की सुरक्षा के संबंध में किए जाने वाले दावों की पोल खोलती हैं। ताजा मामला सिंध प्रांत का है जहां एक और नाबालिग हिंदू लड़की का अपहरण और धर्म परिवर्तन करवा दिया गया। जानकारी के अनुसार सिंध के जकोबाबाद की रहने वाली रेशमा का पहले अपहरण किया गया, फिर जबरन इस्लाम कबूल करवाकर अपहरणकर्ता वजीर हुसैन से 18 जून को उसका निकाह करवा दिया गया। आरोप है कि पीड़िता पर दबाव बनाकर उससे एक हलफनामा प्रस्तुत करवाया गया है जिसमें उसने अपनी उम्र 19 बताते हुए मर्जी से इस्लाम कबूल करने की बात कही है। हलफनामे के अनुसार, रेशमा का नया मुस्लिम नाम बशीरन किया गया है। इससे पहले 5 जून को भी एक नाबालिग हिंदू लड़की का अपहरण के बाद जबरन धर्म परिवर्तन के बाद विवाह करवा दिया गया। पाकिस्तान के मानवाधिकार आयोग की रिपोर्ट के अनुसार, हर साल कम से कम 1,000 गैर-मुस्लिम लड़कियों को जबरन इस्लाम कबूल करवाया जाता है। इनमें से अधिकांश लड़कियां सिंध के हिंदू परिवारों से होती हैं, यहां लगभग आठ मिलियन हिंदू रहते हैं।पाकिस्तान उन देशों में शामिल है जिन्होंने मानवाधिकारों की वैश्विक घोषणा पर हस्ताक्षर किए हैं, जिसमें धर्म चुनने की आजादी और किसी को धर्मपरिवर्तन के लिए बाध्य नहीं करने की बात कही गई है, लेकिन इमरान सरकार इसके विपरीत काम कर रही है। गौर करने वाली बात यह है कि लगातार जबरन धर्म परिवर्तन के मामले सामने आने के बावजूद पाकिस्तान में अब तक दो बार इससे संबंधित विधेयक को अस्वीकार किया गया है।

दुर्घटनाग्रस्त पीआईए विमान के पायलट कोरोना वायरस पर चर्चा कर रहे थे: मंत्री

इस्लामाबाद।

पाकिस्तान में पिछले महीने दुर्घटनाग्रस्त हुए पाकिस्तान इंटरनेशनल एयरलाइंस (पीआईए) विमान के पायलटों का ध्यान भटका हुआ था और वे उड़ान के दौरान कोरोना वायरस पर चर्चा कर रहे थे। यह जानकारी पाकिस्तान के उड्डयन मंत्री ने बुधवार को संसद में दी। मंत्री ने उक्त विमान दुर्घटना के कारणों में पायलटों का ''अतिआत्मविश्वास और ध्यान की कमी'' को कुछ कारणों के तौर पर उल्लेखित किया। उक्त विमान दुर्घटना में 97 लोगों की मौत हो गई थी। लाहौर से कराची की घरेलू उड़ान 22 मई को कराची स्थित जिन्ना अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे के पास दुर्घटनाग्रस्त हो गयी थी। राष्ट्रीय विमानन कंपनी का एयरबस ए320 विमान जब शुक्रवार को मलीर में मॉडल कालोनी के पास स्थित जिन्ना गार्डेन क्षेत्र में दुर्घटनाग्रस्त हुआ तब उसमें 91 यात्री और चालक दल के आठ सदस्य थे। उक्त विमान हवाई अड्डे पर उतरने से कुछ ही मिनट पहले दुर्घटनाग्रस्त हो गया था। उड्डयन मंत्री गुलाम सरवर खान ने पीआईए विमान दुर्घटना पर नेशनल असेंबली में अंतरिम जांच रिपोर्ट पेश की। इसमें कहा गया कि पायलट का ध्यान केंद्रित नहीं था और इसके कारण विमान दुर्घटनाग्रस्त हो गया। उन्होंने कहा कि पायलटों और हवाई यातायात नियंत्रण की मानवीय गलती से पाकिस्तान इंटरनेशनल एयरलाइंस (पीआईए) का विमान दुर्घटनाग्रस्त हो गया। मंत्री ने कहा कि पायलटों ने विमान की ऊंचाई के बारे में हवाई यातायात नियंत्रण के निर्देशों को नजरंदाज किया। उन्होंने कहा, ''पायलट और एटीसी दोनों ने प्रोटोकॉल का पालन नहीं किया।'' उन्होंने कहा, ''पायलट पूरी उड़ान के दौरान कोरोना वायरस के बारे में चर्चा कर रहे थे। उनका ध्यान केंद्रित नहीं था। वे कोरोना वायरस के बारे में, उनके परिवारों के प्रभावित होने के बारे में बातें कर रहे थे। जब नियंत्रण टावर ने पायलट को विमान की ऊंचाई बढ़ाने के लिए कहा तो पायलट ने कहा कि वह संभाल लेगा। यह अतिआत्मविश्वास था।'' सरवर ने कहा कि चालक दल के सदस्य और एटीसी भी इस दुर्घटना के लिए जिम्मेदार था। उन्होंने कहा, ''जो भी जिम्मेदार है उसे जवाबदेह बनाया जाएगा।'' उन्होंने वादा किया कि पूर्ण जांच रिपोर्ट एक वर्ष में पेश कर दी जाएगी। उन्होंने कहा कि प्रारंभिक रिपोर्ट में इसका उल्लेख है कि विमान में कोई तकनीकी खामी नहीं थी और पायलटों ने भी इसके बारे में हवाई यातायात नियंत्रक के साथ अपनी बातचीत में भी नहीं कहा है। मंत्री ने कहा कि विमान ने लैंडिंग गियर के बिना ही तीन बार रनवे को छुआ जिससे उसके इंजन को क्षति पहुंची। मंत्री ने कहा कि राष्ट्रीय विमानन कंपनी के 40 फीसदी पायलट फर्जी लाइसेंस से विमान उड़ा रहे हैं। उन्होंने कहा कि इन पायलटों ने न तो स्वयं परीक्षा दी है और न ही उन्हें उचित उड़ान अनुभव है।

भारतीय-अमेरिकी वैज्ञानिक शीर्ष विज्ञान निकाय के प्रमुख नियुक्त

वाशिंगटन। मशहूर भारतीय-अमेरिकी वैज्ञानिक सेतुरामन पंचनाथन ने प्रतिष्ठित नेशनल साइंस फाउंडेशन (एनएसएफ) के निदेशक का कार्यभार संभाल लिया है। यह संस्थान देश में विज्ञान और इंजीनियरिंग के गैर-चिकित्सा क्षेत्रों में मौलिक अनुसंधान को बढ़ावा देने वाला शीर्ष अमेरिकी निकाय है। सीनेट ने पिछले सप्ताह सर्वसम्मति से एरिज़ोना स्टेट यूनिवर्सिटी के 58 वर्षीय पंचनाथन की नियुक्ति की पुष्टि की थी। उन्होंने व्हाइट हाउस ऑफ़िस ऑफ़ साइंस एंड टेक्नोलॉजी पॉलिसी के निदेशक केल्विन ड्रोगमीयर की जगह ली है जो फाउंडेशन के कार्यवाहक निदेशक थे। एनएसएफ के पिछले निदेशक फ्रांस कॉर्डोवा का कार्यकाल मार्च, 2020 में समाप्त हुआ। व्हाइट हाउस ने मंगलवार को कहा कि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने औपचारिक रूप से पंचनाथन को एनएसएफ के 15 वें निदेशक के रूप में नियुक्त कर दिया है। उनका कार्यकाल छह साल का होगा। एनएसएफ का सालाना बजट 7.4 अरब अमेरिकी डॉलर है। पंचनाथन ने 1981 में मद्रास विश्वविद्यालय से भौतिकी में स्नातक की उपाधि प्राप्त की और 1984 में इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ साइंस (आईआईएस) से इलेक्ट्रॉनिक्स और कम्युनिकेशन इंजीनियरिंग की पढ़ाई की। इसके बाद उन्होंने 1986 में आईआईटी से इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग में मास्टर डिग्री और 1989 में ओटावा विश्वविद्यालय से इलेक्ट्रिकल और कंप्यूटर इंजीनियरिंग में पीएचडी की उपाधि प्राप्त की। उन्होंने अपने करियर की शुरुआत एरिज़ोना प्रांत से की और ऐसा समूह उन्होंने अपने करियर की शुरुआत एरिज़ोना प्रांत से की और ऐसा समूह की स्थापना की जो दिव्यांग लोगों की सहायता के लिए तकनीक विकसित करता है और उपकरण तैयार करता है।

अमेरिका चुनावः

ट्रंप समर्थक ने कहा, प्रमुख राज्यों में भारतीय-अमेरिकी समुदाय अहम भूमिका निभाएगा

वाशिंगटन।

राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के एक प्रमुख समर्थक के मुताबिक अमेरिकी राष्ट्रपति चुनाव में टेक्सस, मिशिगन, फ्लोरिडा और पेन्सिलवेनिया जैसे कड़े मुकाबले वाले राज्यों में भारतीय-अमेरिकी समुदाय महत्वपूर्ण भूमिका निभाने जा रहा है। 'पीटीआई-भाषा' को मंगलवार को दिये एक साक्षात्कार में ट्रंप विजय भारतीय अमेरिकी वित्त समिति के सह-अध्यक्ष अल मेसन ने जोर दिया कि ट्रंप की व्यापक पहुंच के कारण ऐसे संकेत हैं कि डेमोक्रेटिक पार्टी से इस समुदाय का एक बड़ा वर्ग दूर हो सकता है जो परंपरागत रूप से उसका समर्थक और मतदाता रहा है। उन्होंने कहा, कड़ी चुनौती वाले राज्यों में 50 प्रतिशत से ज्यादा भारतीय-अमेरिकी, जो अब तक डेमोक्रेट्स के लिये मतदान करते रहे हैं, अब राष्ट्रपति ट्रंप के समर्थन में पाला बदल रहे हैं, जो इस पद पर फिर से चुने जाने के लिये प्रयासरत हैं। अमेरिका में राष्ट्रपति चुनाव 3 नवंबर को होने हैं। रिपब्लिकन ट्रंप को इन चुनावों में पूर्व अमेरिकी उप राष्ट्रपति जो बाइडेन से चुनौती मिलने की उम्मीद है जिन्हें अगस्त में डेमोक्रेटिक पार्टी की तरफ से नामित किया जाना तय है। मेसन ने कहा कि उनका विश्लेषण मिशिगन, फ्लोरिडा, टेक्सस, वर्जीनिया और पेन्सिलवेनिया जैसे मुकाबले के लिहाज से कुछ अहम राज्यों में उनकी टीम द्वारा जमीनी स्तर पर जुटाए गए आंकड़ों पर आधारित है। एक अनुमान के मुताबिक भारतीय-अमेरिकियों की करीब 40 लाख आबादी में से नवंबर 2020 में होने वाले राष्ट्रपति चुनाव में करीब 25 लाख संभावित मतदाता हैं। मेसन ने कहा, 50 प्रतिशत भारतीय अमेरिकी (जो डेमोक्रेट्स से दूर जा रहे हैं), प्रत्येक महत्वपूर्ण राज्य में राष्ट्रपति ट्रंप के लिये 50 से 60 हजार अतिरिक्त मत होंगे, और यह बड़ा अंतर पैदा करेंगे। उन्होंने दावा किया कि मिशिगन में डेमोक्रेट्स के लिये मतदान करने वाले 70 हजार भारतीय -अमेरिकियों में से 45 हजार ट्रंप के पक्ष में पाला बदलेंगे -जिससे उन्हें कुल 65,000 मत मिलेंगे। मेसन ने कहा कि इसी तरह फ्लोरिडा में उनके अध्ययन से खुलासा हुआ है कि डेमोक्रेट के लिये वोट करने वाले 1.10 लाख भारतीय-अमेरिकियों में से 50,000 नवंबर में अपना पाला बदलेंगे। मेसन के मुताबिक टेक्सस में दो लाख में से 50,000, पेन्सिलवेनिया में 1.10 लाख में से 40,000, वर्जीनिया में एक लाख में से 45,000 ऐसे मतदाता जो डेमोक्रेट्स के लिये मतदान करते उनके चुनावों में ट्रंप के पक्ष में आ जाने की उम्मीद है। राजनीतिक पंडितों ने मिशिगन, फ्लोरिडा, टेक्सस और पेन्सिलवेनिया की पहचान कड़े मुकाबले वाला राज्य के तौर पर की है। मिशिगन में जहां 1.20 लाख संभावत भारतीय-अमेरिकी मतदाता हैं, फ्लोरिडा में इनकी संख्या 1.90 लाख है। टेक्सस में संभावित भारतीय-अमेरिकी मतदाताओं की संख्या 4.70 लाख और पेन्सिलवेनिया में 1.70 लाख संभावित भारतीय-अमेरिकी मतदाता हैं।

मेसन ने कहा कि अधिकतर भारतीय-अमेरिकी मानते हैं कि ट्रंप कोरोना वायरस महामारी को सही तरीके से संभाल रहे हैं और अमेरिकी अर्थव्यवस्था को पटरी पर लाने के लिये उन्होंने ठोस कदम उठाए हैं।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा त्वरित कार्रवाई करे पुलिस

सूरत, गुजरात के सूरत में एक महिला बैंक कर्मचारी के ऊपर बैंक परिसर में हमला के मामले में वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने पुलिस प्रमुख से त्वरित कार्रवाई करने को कहा।

बुधवार को वित्त मंत्री ने बताया कि उन्होंने कर्मचारियों की सुरक्षा और इस मामले में समय पर कार्रवाई सुनिश्चित करने के लिए पुलिस आयुक्त सहित संबंधित अधिकारियों से बात की है। पुलिस के अनुसार इस मामले में एफआईआर दर्ज की गई है और आगे की जांच चल रही है। केनरा बैंक तत्कालीन सिंडिकेट बैंक में एक महिला बैंक कर्मचारी पर गुजरात के सूरत में उसकी सरोली शाखा में हमला किया गया। घटना के बाद, अखिल भारतीय बैंक कर्मचारी संघ ने सीतारमण को एक पत्र लिखा जिसमें बैंक कर्मचारियों को ऐसी स्थिति से बचाने की अपील की गई।

बता दें महिला बैंककर्मी के साथ बैंक परिसर में मारपीट से जुड़ा सीसीटीवी फुटेज सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। बताया जा रहा है कि महिला पर हाथ उठाने वाला आरोपी सूरत सिटी पुलिस का सिपाही है। वित्त मंत्री ने ट्वीट कर बताया कि मेरे कार्यालय ने पुलिस आयुक्त श्री ब्रह्म भट्ट आईपीएस से बात की।

उन्होंने हमें आश्वासन दिया है कि वह स्वयं बैंक की साखा में जाएंगे और कर्मचारियों को उनकी सुरक्षा का आश्वासन देंगे। साथ ही उन्होंने आश्वासन दिया कि आरोपी कांस्टेबल को तत्काल निलंबित कर दिया जाएगा।

जानकारी के मुताबिक सूरत के कैनरा बैंक के सरोली ब्रांच में पासबुक प्रिंटिंग को लेकर पुलिस. कर्मी का कथित तौर पर महिला बैंककर्मी से विवाद हो गया। इसके बाद पुलिसकर्मी काउंटर का दरवाजा खोलकर अंदर चला गया और महिलाकर्मी को पहले तो थप्पड़ मारा और फिर उसे गिरा दिया।

घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर भी खूब वायरल हो गया और ट्रेंड करने लगा। इसके बाद केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने भी मामले को संज्ञान में लिया और सूरत कलेक्टर को तत्काल कार्रवाई के निर्देश दिए। सीतारमण ने ट्वीट कर कहा कि उन्होंने महिला बैंककर्मी के साथ बदसलूकी मामले में सूरत के कलेक्टर डॉ. धवल पटेल से बात की है।

उन्होंने कहा कि वह फिलहाल छुट्टी पर हैं , लेकिन फिर भी उन्होंने आश्वासन दिया है कि आरोपी के खिलाफ समय से कार्रवाई की जाएगी। आरोपी के खिलाफ मंगलवार देर रात एफआईआर दर्ज करा दी गई थी। उन्होंने केनरा बैंक, पीआईबी और सूरत के पुलिस कमिश्नर को टैक करते हुए ट्वीट कर कहा कि इस मामले पर उनकी बारीकी से नजर है।

यह विश्वास दिलाना चाहती हूं कि बैंकों में स्टाफ के सभी सदस्यों की सुरक्षा हमारे लिए महत्वपूर्ण है। चुनौतियों के बीच बैंक हमारे लोगों के लिए सभी सेवाओं का विस्तार कर रहे हैं। उनकी सुरक्षा और गरिमा को कोई खतरा नहीं होना चाहिए।

महिला बैंककर्मी से कांस्टेबल की गुंडई, निर्मला सीतारमन के ट्वीट के बाद मामला दर्ज

सूरत की एक बैंक में महिला कर्मचारी से पुलिस कांस्टेबल की गुंडई का मामला सामने आया हैद्य घटना पर केन्द्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमन के ट्वीट के बाद सूरत पुलिस ने कांस्टेबल के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू की है! जानकारी के मुताबिक सूरत के सरोली स्थित केनरा बैंक में एक युवक अपनी पास बुक में एन्ट्री कराने शाम 4 बजे गया था! बैंक में शाम 4 बजे के बाद पासबुक में एन्ट्री नहीं होती! बैंक की महिला कर्मचारी ने जब एन्ट्री करने से इंकार किया तो युवक भड़क गया और अपने संबंधी पुलिसकर्मी को बैंक बुला लिया! सूरत के सरथाना पुलिस थाने में सेवारत युवक का संबंधी घनश्याम बैंक पहुंच गया और महिला बैंककर्मी पर हमला कर दिया! पुलिस कांस्टेबल की गुंडई बैंक में लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हुई यह घटना सोशल मीडिया पर वायरल हो गई! इस घटना से लोगों में आक्रोश भड़क उठाद्य घटना के बाद महिला कर्मचारी पुलिस थाने पहुंच गई और पुलिसकर्मी के खिलाफ कोरोना गाइड लाइन का उल्लंघन करने से समेत उसके साथ मारपीट करने की शिकायत की! लेकिन पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज करने के बजाए महिलाकर्मी से केवल अर्जी लेकर पुलिसकर्मी को बचाने की कोशिशें शुरू कर दीं! लेकिन घटना की गूंज दिल्ली तक सुनाई दी! केन्द्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमन ने इस घटना को लेकर तुरंत ट्वीट कियाद्य निर्मला सीतारमन ने ट्वीट में कहा ''पूरे मामले की बारीकी से जांच की जाएगी! यह आश्वस्त करना चाहते हं कि बैंकों में सभी सदस्यों की सुरक्षा हमारे लिए महत्वपूर्ण है! चुनौतियों के बीच बैंक हमारे लोगों के लिए सभी सेवाओं का विस्तार कर रहे हैं! उनकी सुरक्षा और सम्मान को खतरा नहीं होना चाहिए!'' निर्मला सीतारमन के इस ट्वीट के बाद हरकत में आई सूरत पुलिस ने कांस्टेबल को तत्काल सस्पैंड कर कानूनी कार्रवाई शुरू की है!

रथयात्रा नहीं निकलने से मुख्यमंत्री समेत सभी दुःखी : प्रदीपसिंह जाडेजा

अहमदाबाद, गृह राज्यमंत्री प्रदीपसिंह जाडेजा ने आज स्पष्ट किया कि अहमदाबाद में रथयात्रा को मंजूरी को लेकर गुजरात हाईकोर्ट में सरकार की ओर से पूरे प्रयास किए गएद्य लेकिन कोरोना महामारी के कारण गुजरात हाईकोर्ट ने इस पर रोक लगा दीद्य अहमदाबाद में रथयात्रा के नहीं निकलने से मुख्यमंत्री समेत सभी दुःखी हैं।

भगवान जगन्नाथजी मंदिर के महंत दिलीपदास द्वारा दिए गए बयान पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए जाडेजा ने कहा कि पुरी में रथयात्रा के आयोजन पर सुप्रीम कोर्ट ने रोक लगाई थी, हांलाकि बाद में शर्तों के अधीन मंजूरी दी थी ।

गुजरात में भी कोरोना महामारी का हवाला देते हुए गुजरात हाईकोर्ट में रथयात्रा पर रोक लगाने की मांग की थी। हाईकोर्ट ने उस मांग को मंजूर करते हुए रथयात्रा पर रोक लगा दी थीद्य हांलाकि सुप्रीम कोर्ट द्वारा पुरी में रथयात्रा को मंजूरी दिए जाने के बाद गुजरात में रथयात्रा को आयोजन को शर्तों के साथ मंजूरी देने की हाईकोर्ट से गुहार लगाई गई थीद्य जिसके लिए सोमवार की देर रात हाईकोर्ट में देर रात तक सुनवाई चलीद्य राज्य के एडवोकेट जनरल ने देर रात तक रथयात्रा को मंजूरी दिलाने की दलील दी।

लेकिन कोरोना के मामले में गुजरात और उडीसा की स्थिति अलग थी, इसलिए अहमदाबाद में रथयात्रा को मंजूरी नहीं दी गई।

उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री विजय रूपाणी ने रथयात्रा की पूर्व संध्या पर मंदिर के महंत दिलीपदास और ट्रस्ट को आश्वासन दिया था कि यदि पुरी की रथयात्रा को मंजूरी मिलती है तो गुजरात में रथयात्रा के आयोजन को मंजूरी दिलाने के लिए सरकार पूरा प्रयास करेगी।

लेकिन हाईकोर्ट ने सरकार की दलील खारिज कर दी और रथयात्रा पर रोक लगा दी। जाडेजा ने कहा कि महंत दिलीपदास पूजनीय हैं और मैं जब भी मंदिर जाता हूं, उनके चरण स्पर्श करता हूंद्य जाडेजा ने कहा कि सरकार ने कोर्ट में रथयात्रा स्थल पर कर्फ्यू लगाने और एक घंटे में यात्रा पूर्ण करने, लोगों की भीड़ जमा न हों, इसके लिए पर्याप्त पुलिस बंदोबस्त का आश्वासन दिया था। इसके बावजूद कोर्ट से मंजूरी नहीं मिलने से मंदिर के महंत, ट्रस्टी समेत मुख्यमंत्री और मुझे भी काफी दुःख हुआ था। रथयात्रा को लेकर विपक्ष की राजनीति पर जवाब देते हुए जाडेजा ने कहा कि कांग्रेस ने वर्षों तक केवल वोटों का तुष्टिकरण किया है।

गुजरात में भाजपा की सरकार 25 सालों से काम कर रही है और अब तो केन्द्र में भी भाजपा की सरकार है। कांग्रेस ने केवल और केवल अल्पसंख्यकों के लिए काम किया है।

कांग्रेस ने ही राम मंदिर के निर्माण में बाधा डाली थीद्य गुजरात कांग्रेस अध्यक्ष अमित चावडा के बयान पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए जाडेजा ने कहा कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प की यात्रा के दौरान गुजरात में कोरोना का एक भी मामला नहीं था।

साणंद जीआईडीसी की कंपनी में लगी भीषण आग

अहमदाबाद, जिले की साणंद जीआईडीसी की यूनिचार्स नामक कंपनी में भीषण आग से अफरातफरी मच गईद्य सैनेटरी नेपकिन बनाने वाली इस कंपनी में आग इतनी विकराल है कई किलोमीटर दूर से दिखाई दे रही हैं। आग की इस घटना में अब तक एक पूरा यूनिट जलकर खाक हो गया है। भीषण आग पर काबू पाने के प्रयास जारी हैं। अहमदाबाद से 18 जितने दमकल की गाडियां घटनास्थल पर मौजूद हैं और आग पर काबू पाने के प्रयास कर रही हैं। आसपास के लोग भी पानी के टैंकर लेकर मौके पर पहुंच रहे हैं। दरअसल जीआईडीसी के आसपास फायर ब्रिगेड की व्यवस्था नहीं होने की वजह से कंपनी में लगी आग देखते ही देखते बेकाबू हो गई। राहत की बात यह है कि आग की घटना में कोई जानहानि की फिलहाल खबर नहीं है। लेकिन कंपनी में लाखों का सामान आग में स्वाहा हो गया

ऑनलाइन क्लास से तंग आकर छात्रा ने लगाई फांसी

राजकोट ,कोरोना संक्रमण काल में घर की चहारदीवारी के अंदर बैठकर ऑनलाइन क्लास करने और होमवर्क सबमिट करना कई बच्चों के मानसिक स्वास्थ्य पर भी असर डाल रहा है। अपने क्लास मेट्स से दूर बच्चे मोबाइल स्क्रीन पर चिपककर रह गए हैं। इसका उदाहरण गुजरात के राजकोट में देखने को मिला, जहां 12 साल की एक स्टूडेंट ने फांसी लगाकर अपनी जान दे दी।

राजकोट के जयकिशन स्कूल में 8वीं क्लास की गुजराती मीडियम की छात्रा भावना (बदला हुआ नाम) ने सोमवार को सुबह 10 बजे आत्महत्या कर ली। पुलिस सूत्रों के अनुसार भावना की मां ने उसे स्कूल के होमवर्क असाइनमेंट को पूरा करने को कहा, जिसके बाद वह नहाने की बात कहकर कमरे में चली गई। अधिक समय बीत जाने पर भी जब वह बाहर नहीं आई, तो मां कमरे में गई और बेटी को लटकता हुआ पाया। भावना को तुरंत हॉस्पिटल लेकर जाया गया, जहां डॉक्टर्स ने उसे मृत घोषित कर दिया।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर, सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौर्या (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/751000 (Subject to Surat jurisdiction)

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सार-समाचार

एनकाउंटर स्पेशलिस्ट रिटायर्ड DSP ने की आत्महत्या, सुसाइड नोट हुआ बरामद

पटना के बेउर थाना में एनकाउंटर स्पेलिस्ट रह चुके रिटायर्ड डीएसपी के.चंद्रा ने खुदकुशी कर ली. मंगलवार को उन्होंने अपनी लाइसेंसी पिस्टल से सिर में गोली मार ली जिसके बाद उनकी मौके पर ही मौत हो गई.

पटना. बिहार की राजधानी पटना के बेउर थाना में एनकाउंटर स्पेलिस्ट रह चुके रिटायर्ड डीएसपी के.चंद्रा ने खुदकुशी कर ली. मंगलवार को उन्होंने अपनी लाइसेंसी पिस्टल से सिर में गोली मार ली जिसके बाद उनकी मौके पर ही मौत हो गई.

इस घटना के बाद पुलिस महकमे और उनके परिवार में खलबली मच गई है. घटना के समय के.चंद्रा का पूरा परिवार अपने घर के ग्राउंड फ्लोर पर था. वहीं, रिटायर्ड डीएसपी अपने घर के फर्स्ट फ्लोर पर थे. घर में अचानक गोली चलने की आवाज सुन उनके बेटे ऊपर गए तो देखा पिता खून से लथपथ हैं और हाथ में पिस्टल है.

इसे देखकर घर के सदस्यों के होश उड़ गए. वहीं, इस घटना की सूचना तुरंत बेउर पुलिस को दी गई. पुलिस फिलहाल मामले की जांच में जुट गई है. पुलिस को के.चंद्रा के कमरे से सुसाइड नोट भी मिला है जिसमें उन्होंने संतोष नाम के एक शख्स का जिक्र किया है और यह भी लिखा है कि उसकी वजह से ही उन्होंने इतना बड़ा कदम उठाया है.

आपको बता दें कि डीएसपी के.चंद्रा आठ साल पहले रिटायर हुए थे और एक तेज तर्रार पुलिस ऑफिसर में उनकी गिनती होती थी. उन्होंने अपने कार्यकाल में कई एनकाउंटर भी किया था. अपने सुसाइड नोट में उन्होंने डिप्रेशन में होने की बात भी कही है. 1975 में रिटायर्ड डीएसपी चंद्रा बतौर सब इंस्पेक्टर बहाल हुए थे जबकि 1998 में वो डीएसपी बने थे. 2012 में वो रिटायर हुए थे. उनके बेटे हाईकोर्ट में वकील हैं.

लखनऊ: इन सरकारी अस्पतालों में कोरोना साइड इफेक्ट, OPD में टेस्ट के लिए देने होंगे 1500 रुपये

लखनऊ. देश में कोरोना महामारी का संक्रमण एक ओर से देश और और आम जनता दोनों का ही बजट बिगाड़ रहा है. वहीं अब मरीजों पर राजधानी लखनऊ के दो अहम अस्पतालों में इलाज का बोझ बढ़ जाएगा. दरअसल लोहिया अस्पताल (Lohiya hospital) और संजय गांधी पीजीआई (PGI) में OPD में दाखिले से पहले मरीज को कोरोना जांच (corona test) कराने के लिए 1500 रुपये की फीस देनी होगी.

True Net से होगी जांच, फिर होगा दाखिला

पहले इन सरकारी अस्पतालों में OPD में जांच के लिए कोई फीस नहीं लगती थी, लेकिन अब नियम बदले गए हैं. OPD में दिखाने आने वाले सभी मरीजों की पहले कोरोना जांच होगी. इसके लिए उन्हें 1500 रुपये जमा करने होंगे. मरीज के साथ आए उसके तीमारदार की भी जांच की जाएगी. इस प्रकार दो लोगों की जांच (corona test) का 3000 रुपये शुल्क लगेगा. अगर तीमारदार अपनी जांच नहीं कराता है, तो उसे भर्ती मरीज के पास जाने और वार्ड में अंदर जाने की अनुमति नहीं दी जाएगी. ये नियम सिर्फ उन मरीजों के लिए है जिनका ऑपरेशन होना है या वे अस्पताल में जांच के लिए भर्ती होने आए हैं. आपको बता दें एक अनुमानित आंकड़े के मुताबिक अकेले पीजीआई में इस वक्त OPD में कुल 250 मरीज आते हैं.

Fever क्लीनिक में बिना फीस के होगी जांच इसके उलट अगर कोई मरीज fever क्लीनिक में दिखाने आता है तो ये फीस नहीं लगेगी. अगर कोई मरीज इमरजेंसी में है और फीवर क्लिनिक में उसे संदिग्ध पाया जाता है, तो संस्थान उसकी जांच (corona test) खुद करेगा. इसके लिए उसे कोई फीस नहीं देनी होगी. कोई भी मरीज अगर अस्पताल में किसी अन्य बीमारी के लिए भर्ती होगा या ऑपरेशन कराने के लिए आएगा उससे 1500 रुपये का कोरोना टेस्ट शुल्क लिया जाएगा.

धनबाद: धर्म परिवर्तन को लेकर तानवपूर्ण स्थिति, VHP ने CM हेमंत से हस्तक्षेप की मांग की

वीएचपी ने पुलिस पर एकतरफा कार्रवाई करने का आरोप लगाते हुए सीएम हेमंत सोरेन से मामले में हस्तक्षेप करने की मांग की है. ताकि आदिवासियों की जमीन की रक्षा हो सके.

धनबाद. झरिया अग्नि प्रभावित क्षेत्र से लाए गए लोगों को बलगड़िया में बसाए जाने के बाद, वहां के कई परिवार को मिसनरी द्वारा धर्म परिवर्तन के मामले को लेकर बैलगाड़िया में तनाव बना हुआ. बेलगड़िया में पुलिस ने पूरे इलाके को छावनी में तब्दील कर रखा है. ताकि कोई अनहोनी न हो सके.

मंगलवार को भी पुलिस और विश्व हिंदू परिषद (VHP) के लोगों के बीच जमकर वाद-विवाद हुआ. इस दौरान, विश्व हिंदू परिषद ने पुलिस को चेतावनी देते हुए कहा कि, अभिलंब इस जगह से चर्च को तोड़ा जाए, अन्यथा वीएचपी आंदोलन करेगी.

बता दें कि, सोमवार की घटना के बाद बलियापुर पुलिस ने चार एफआईआर (FIR) दर्ज किए हैं. वहीं, विश्व हिंदू परिषद ने पुलिस पर एकतरफा कार्रवाई करने का आरोप लगाया और राज्य के मुख्यमंत्री से मांग करते हुए कहा कि, आदिवासियों के नेता कहे जाने वाले सीएम हेमंत सोरेन (Hemant Soren) इस मामले पर हस्तक्षेप करें. ताकि आदिवासियों की जमीन की रक्षा हो सके. वहीं, विश्व हिंदू परिषद के नेता रमेश पांडे ने कहा कि, जहां पर एक भी इसाई परिवार नहीं था, वहां पर चर्च का निर्माण कैसे हुआ. घर बनाने का नाम पर आदिवासियों से जमीन लिया गया, मगर यहां पर चर्च का निर्माण हुआ है. पुलिस पूरे मामले को लेकर कुछ भी बोलने से इंकार कर रही है. इधर, सोमवार को सिंदरी विधायक इंद्रजीत महतो ने आरोप लगाते हुए कहा कि, झारखंड में सरकार बदलते ही. ईसाई मिशनरियां सक्रिय हो गई हैं और तेजी से धर्मातरण का कार्य किया जा रहा है. विधायक सोमवार को बेलगाड़िया टाउनशिप पहुंचे थे, जहां सूचना मिली थी कि, कुछ दलित परिवार के लोगों ने धर्म परिवर्तन कर लिया है.गौरतलब है कि, झरिया के अग्नि प्रभावित इलाकों से विस्थापित होकर सैकड़ों गरीब परिवारों को, बेलगाड़िया टाउनशिप में बसाया गया था. यहीं पर पिछले दिनों एक महली परिवार से अरुणाचल प्रदेश के रहने वाले एवं तमिलनाडु की मिशनरी संस्था 'यूथ मिशनरी मोमेंट' से जुड़े शख्स ने घर बनाने के नाम पर लगभग 3.5 डिसमिल जमीन ली एवं घर बनाते वहां पर चर्च का निर्माण करा डाला. वहीं, आसपास के कुछ परिवारों को भी ईसाई धर्म में परिवर्तित करा दिया गया.

20 साल बाद जयपुर निगम बेड़े में शामिल हुईं 5 स्काई लिफ्ट मशीनें, इतना है बजट

ये मशीनें शहर में विभिन्न क्षेत्रों में विद्युत व्यवस्था, सड़क और मुख्य मार्गों में हाई मास्क लाइटों को सुधारने में काम आएंगी.

जयपुर. 20 साल बाद नगर निगम के बेडे में खराब लाइटों के सुधार के लिए 16 मीटर ऊंचाई की 5 नई इलेक्ट्रिक होइस्ट मशीनें शामिल हो गई हैं. अब लाइटों के संबंधित शिकायतों का निस्तारण जल्द हो सकेगा.

यूडीएच मंत्री शांति धारीवाल ने सरकारी आवास से हरी झंडी दिखाकर 5 होइस्ट (स्काई लिफ्ट) मशीनों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया. धारीवाल ने बताया कि संसाधन कम होने के कारण नगर निगम में लाइट संबंधी शिकायतों के निस्तारण में काफी समय लग जाता था, जिस तरह से शहर का विस्तार होता जा रहा है, उसी तरह से संसाधनों में भी बढ़ोतरी की जा रही है.

वर्तमान में इस प्रकार की दो इलेक्ट्रिक हाईस्ट मशीनें हैं जो 20 साल पुरानी हैं लेकिन अब नगर निगम जयपुर द्वारा 5 नई इलेक्ट्रिक होइस्ट मशीनें 1 करोड़ 10 लाख रुपये की खरीदी गई हैं. ये मशीनें शहर में विभिन्न क्षेत्रों में विद्युत व्यवस्था, सड़क और मुख्य मार्गों में हाई मास्क लाइटों को सुधारने में काम आएंगी.

साथ ही मुख्य मार्गों और सडक पर पेड़ों से बिजली के तारों और इमारतों को नुकसान नहीं हो, इसके लिए छंटाई का काम करने में भी इनको काम में लिया जाएगा. .इस अवसर पर नगर निगम आयुक्त वीपी सिंह सहित नगर निगम के अधिकारी मौजूद रहे.

हिंडौन विधायक भरोसी लाल जाटव पर जानलेवा हमला, बाल-बाल बचे

हिंडौन विधायक ने एकोलासी निवासी धीरज जाट पर फायरिंग का आरोप लगाते हुए पुलिस को शिकायत सौंप कड़ी कार्रवाई की मांग की है.

करौली. हिंडौन विधायक भरोसी लाल जाटव पर जन सुनवाई के दौरान एक युवक ने जान से मारने की नियत से फायरिंग का प्रयास किया लेकिन फायरिंग नहीं होने के कारण विधायक बाल-बाल बच गए.

मौके पर मौजूद लोगों ने युवक को पकड़ने का प्रयास किया लेकिन युवक वहां से भाग निकला. सूचना के बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने घटनाक्रम की जानकारी और सीसीटीवी फुटेज के माध्यम से युवक की पहचान और तलाश में जुटी है.

हिंडौन विधायक भरोसी लाल जाटव ने बताया कि वह अपने आवास पर सुबह 8ः00 बजे जनसुनवाई कर रहे थे. इस दौरान लगभग 8ः20 पर नीली कलर की शर्ट वाला युवक आया. युवक ने विधायक पर पिस्टल से तीन बार फायर करने का प्रयास किया लेकिन फायर नहीं होने के कारण विधायक बाल-बाल बच गए. मौके पर मौजूद लोगों ने युवक को पकड़ने का प्रयास किया लेकिन युवक वहां से भाग निकला.

सूचना के बाद मौके पर एसपी अनिल कुमार बेनीवाल एसपी प्रकाश चंद सहित अन्य अधिकारी मौके पर पहुंचे और घटनाक्रम की जानकारी ली. हिंडौन विधायक ने एकोलासी निवासी धीरज जाट पर फायरिंग का आरोप लगाते हुए पुलिस को शिकायत सौंप कड़ी कार्रवाई की मांग की है.

जम्मू कश्मीर में क्रॉस फायरिंग के दौरान शहीद हुए जवान दीपक कार्की को राजकीय सम्मान के साथ अंतिम विदाई

जम्मू कश्मीर के नौशेरा सेक्टर में पाकिस्तान की ओर से फायरिंग का जवाब देने के दौरान शहीद हुए गोरखा रेजीमेंट के जवान हवलदार दीपक कार्की का अंतिम संस्कार राजघाट पर राजकीय सम्मान के साथ किया गया. इस दौरान शहीद को अंतिम विदाई देने के लिए बड़ी संख्या में स्थानीय लोग मौजूद रहे.

गोरखपुर. जम्मू कश्मीर के नौशेरा सेक्टर में पाकिस्तान की ओर से फायरिंग का जवाब देने के दौरान शहीद हुए गोरखा रेजीमेंट के जवान हवलदार दीपक कार्की का अंतिम संस्कार राजघाट पर राजकीय सम्मान के साथ किया गया. इस दौरान शहीद को अंतिम विदाई देने के लिए बड़ी संख्या में स्थानीय लोग मौजूद रहे. शहीद की अंतिम यात्रा में गोरखपुर जीआरडी के जवान से लेकर ब्रिगेडियर तक सभी शामिल हुए.

सोमवार को क्रॉस फायरिंग में शहीद हुए थे दीपक कार्की जम्मू कश्मीर के राजौरी के नौशेरा सेक्टर में सोमवार की सुबह पाकिस्तानी सेना और भारतीय सेना के बीच क्रॉस फायरिंग हो रही थी. इसी दौरान सरहद पर दुश्मनों को मुंहतोड़ जबाब देते हुए गोरखा रेजिमेंट के 37 वर्षीय जवान दीपक कार्की वीरगति को प्राप्त हुए. दीपक कार्की नेपाल के रहने वाले थे. उनके शहीद होने की खबर से उनके परिवार में मातम छा गया है.

विशेष विमान से शहीद दीपक कार्की का पार्थिव शरीर गोरखपुर तक लाया गया.

शव आने के बाद गोरखपुर के राप्ती तट पर स्थित राजघाट पर शहीद दीपक का सैन्य सम्मान के साथ अंतिम संस्कार किया गया.

मानसून से पहले राजस्थान के 285 बांधों की स्थिति, जानें किस बांध में कितना पानी?

मानूसन की बारिश अच्छी होने के बावजूद भी बांधों की पानी नहीं पहुंच पाता.

जयपुर. मानसून राजस्थान में बांसवाड़ा के बार्डर को छू चुका है और कुछ घंटों बाद प्रदेश में मानसून की दस्तक भी होने वाली है. इससे पहले बांधों की मौजूदा स्थिति भी जाननी बहुत जरूरी है.

राजस्थान के 285 बांधों में 24 फीसदी पानी दर्ज किया गया है. जल संसाधन विभाग के आंकड़ों के मुताबिक, 9 बड़े बांधों में 40 फीसदी, छोटे बांधों में 7 फीसदी और 220 बहुत छोटे बांधों में 6 फीसदी पानी की मात्रा दर्ज की गई है. ऐसे में इस बार अच्छे मानसून की उम्मीद है ताकि सूखे और आधे बांध पानी से लबालब हो सके.

राजस्थान के 9 बड़े बांधों की स्थिति

बांध	क्षमता	पानी का स्तर	प्रतिशत
बीसलपुर बांध	315.50	312.90	56.76
ग्लावा बांध	6.1	3	24.73
टोरडी सागर	9.14	0	0
मोरल बांध	9.14	2.03	17.11
सीकरी बांध	3.64	0	0
पार्वती बांध	223.41	212.80	13.40
रामगढ़ बांध	19.82	0	0
छपरवाडा बांध	5.18	0	0
कैलाश सागर बांध	7.93	0	0

छोटे बांधों में पानी की मात्रा कम

मानसून से पहले जल संसाधन विभगा ने जो रिपोर्ट जारी की है, उनके मुताबिक छोटे बांधों की स्थिति अच्छी नहीं है. 27 मीडियम बांधों में केवल 7 फीसदी पानी दर्ज किया गया है. वहीं, छोटे बांधो में केवल 6 फीसदी पानी ही है.

केवल 7 बांधों की स्थिति अच्छी

राजस्थान के बड़े और मीडियम बांधों की बात करें तो केवल 7 बांध ही ऐसे है, जिनकी स्थिति ठीक नहीं है. बीसलपुर बांध, ग्लावा बांध, मोरल बांध, पार्वती समेत चुनिंदा बांधों की स्थिति ठीक है.

कई बांध चढ़ गए अतिक्रमण की भेंट

मानूसन की बारिश अच्छी होने के बावजूद भी बांधों की पानी नहीं पहुंच पाता.

वजह ये है कि बांध के बहाव क्षेत्रों में अतिक्रमण हो गया है, जिस कारण बारिश का पानी बांध में नहीं पहुंच पाता. जयपुर के रामगढ़ बांध भी पूरी तरह से अतिक्रमण की भेंट चढ़ गया.